हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

14, मार्च 1985

खण्ड 1, अंक 5

अधिकृत विवरण

वीरवार 14 मार्च मार्च 1985

विशय सूची

	पृश्ट संख्या
तारांकित प्र न सख्या 811 (पुनराम्भ)	(5) 1
तारांकित प्र न एवं उत्तर	(5) 5
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(5) 24
वक्तव्यः–	
(i) लोक स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नारनौल और महेन्द्रगढ के क्षेत्रों में पीने के पानी की समस्या सम्बन्धी	(5) 28
(ii) मुख्य मंत्री द्वारा गन्ने की दन निि चत करने सम्बन्धी	(5) 33
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– चौधरी कुन्दन लाल द्वारा	(5) 40
विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(5) 41
वैयक्तिक स्पश्टीकरण–	

चौधरी तैय्यब हुसैन द्वारा	(5) 43
गैर सरकारी प्रस्ताव पर चर्चा सम्बन्धी प्रक्रिया के नियमों में सं ाोधन का प्र न उठाना	(5) 43
प्चायंट आफ आर्डर– एक प्रस्तावर पर सदस्या द्वारा दिये गये भाशणों सम्बन्धी	(5) 45
भााोक प्रस्ताव	(5) 45
गैर सरकारी प्रस्ताव– एस.वाई.एल. नहर के निर्माण सम्बन्धी (पुनराम्भ)	(5) 46
वाक आउट	(5) 62
गैर सरकारी प्रस्ताव (पुनराम्भ)	(5) 62
वैयक्तिक स्पश्टीकरण– सरदार सुजान सिंह द्वारा	(5) 71
गैर सरकारी प्रस्ताव (पुनराम्भ)	(5) 72
अनैक चर	(5) 81

हरियाणा विधान सभा

वीरवार 14, मार्च 1985

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधानसभा हाल, विधान भवन सैक्टर– 1 चण्डीगढ़ में प्रातः 9–30 बजे हुई। अध्यक्ष (सरदार तारा सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्रश्न संख्या 811 (पुनराम्भ)

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अब सवाल होगे।

कल स्टार्ड सवाल नं० 811 के लिये मेन कहा था कि मै आज सोच कर बताउगा। मैने सारा सवाल पढा हैख जवाब भी पढै है सप्लीमैन्ट्रीज भी देखी हैं उसे बाद मै इस नतीजे पर पहुंचा हूं जैसा कि ट्रेजरी बैन्चिज की तरफ से चीफ मिनिस्टर साहब ने, सुरजेवाला साहब ने और इन्डस्ट्रीज मिनिस्टर महोदया ने यचह कहा है कि इसके लिए सैपरेट नोटिस बनता है तो मै सारे अपोजी ान के मैम्बर साहेबान से रिकवैस्ट करूंगा कि इस चीज को अब क्लोज किया जाए। अगर सप्लीमैन्ट्री के मुताबिक कोई नया नोटिस देना चाहत`है तो दे दें, मै उसको देख लूंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मेरी इस बारें में एक सबमि ान है.....(ाोर)

Mr. Speaker: I have requested you not to open this issue. (Interruptions) I would request you to please take your seats.

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, आपने अपनी रूलिग दे दी कि सप्लीमैन्ट्री के मुताबिक अलग नोटिस बनता है। लेकिन मेरी आपेस रिक्वैस्ट है कि उसी क्वै चन से और दूसरे सप्लीमैन्ट्री भी तो आराईज होते है। हमं और स्पलीमैन्ट्री पूछने की तो इजाजत होनी चाहिए। आखिर हाउस को चलाने के कुछ कानून और कायदे तो हेते है और उन्ही के मुताबिक मैने आपेस रिकवैस्ट भी की है कि हमें दूसरे सप्लीमैन्ट्री पूछने की इजाजत होनी चाहिये। आपने एक सप्लीमैन्ट्री के पीछे सारे ही सप्लीमैन्ट्री क्लोज कर दिये है।

Mr. Speaker: I have already said that this matter may be closed.

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मेरी सबमि ान है कि अगर मिनिस्टरया चीफ मिनिस्टर साहब के पास किसी क्वै चन का जवाब तैया न हो या उनके पास रिकार्ड अवेलेबल न हात`ो वे उसके लिये टाईम मांग सकते है, या सैपरेट नोटिस के लिये कह सकते है लेकिन कल जब इस सवाल पर सप्लीमैन्ट्री हो रही थी तो मुख्य मंत्री महोदय ने यह कहा था कि हमारे पास इन्फर्मे ान है लेकिन हम देगे नही। (ाोर एवं व्यवधान)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): मैने यह कहा था कि इंफर्मे ान हमारे पास है और हमने सदन के पटल पर रख दी है जो इंमफर्मे ान मांगी थी, वह दे रखी है।

चौधरी ओम प्रकाशः स्पीकर साहब, आपने एक सप्लीमैन्ट्री के ऊपर अपनी रूलिंग दे दी लेकिन उसी क्वै चन के ऊपर दूसरी सप्लीमैन्ट्री तो हो सकती है। रैलेवैन्ट सप्लीमैन्ट्रीज तो हो सकती हैं इसकी इजाजत तो हमें होनी चाहिये। प्रोफैसर सम्पत सिंह जी का जो सवाल है, वही सवाल मेरा भी है। इसलिये हमं उस पर और सप्लीमैन्ट्री पूछने की इजाजत होनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

Mr. Speaker: I want that this issue should be closed now.

श्रीमती चन्द्रवतीः स्पीकर सर, इसका यह मतलब नही है कि हम उस पर दूसरी सप्लीमैन्ट्री पूछ ही नही सकते। जनाब हम आपसे न्याय चाहते है। यह सप्लीमैन्ट्री नही तो कम से कम दूसरे सप्लीमैन्ट्री करने की इजाजत ता हमें होनी चाहिए (ाोर) श्री ओम प्रका ा जी का भी तो सवाल है। उस सवाल के साथ आपने सब क्लोज कर दिया। हम आपसे न्याया चाहते है ऐसी बात नही होनी चाहिए आखिर हाउस को चालने के लिये रूल्ज आफ प्रोसीजर एन्ड कन्डक्ट आफ विजिनैस की किताब भी है, कम से कम रूल्ज के मुताबिक हाउस को चलाया जाना चाहिये। इसलिये मेरी आपेस प्रार्थना है कि आप इस इस पर एक बार फिर विचार

करें और हमें दूसरी सप्लीमैन्ट्री पूछने की इजाजत दें। यहां पर जिस तरह से ज्यादती हो रही है इसका मतलब तो यह हुआ कि हम हाउस को अटैन्ट ही न करें। अगर हमें सप्लीमैन्ट्री पूछने का अधिकार ही नही है तो फिर हमारा यहां बैठने का क्या फायदा। हम हाउस अटैन्ड ही न करें।

श्री अध्यक्षः ऐसी बात नही है बहन जी। आप हाउस जरूर अटैन्ड करे।

श्रीमती चन्द्रावतीः कैसे अटैन्ट करे स्पीकर सर, जब हमारी कोई बात ही नही सुनी जानी (ाोर एवं व्यवधान) भाायद मुख्य मंत्री महोदय डिफिकल्टी में है। He is in the soup

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, हमें कोई डिफिकल्टी नही है। हमने पूरा जवाब दिया है।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, क्या आप की रूलिग की कोई मैम्बर चैलेन्ज कर सकता है? (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः साहेवान, मैने जि अल्फाज में यहां पर कहा है वह आपको एप्रीि ाएट करना चाहिय। मैने अपनी रूलिग बड़ी सोच समझ कर, सब कुछ पढ़ कर दी हैं अगर फिर भी आपको तसल्ली नही हुई तो जीरो आवर के बाद आप मेरे चैम्बर में आ जाएं, मै आप से बात कर लूंगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब चैम्बर मे आने की बात नही है। यह हाउस की बात है और हाउस में ही इसका निर्णय होना चाहिए। आपने एक सप्लीमैन्ट्री की बाबत अपनी रूलिंग दी है लेकिन कम से कम हमें दूसरी और सप्लीमैन्ट्री इस प्र न पर पूछने की तो आज्ञा होनी चाहिये। आपने तो सारी सप्लीमैन्ट्री पूछना ही बन्द कर दिया। यह क्या इन्साफ है। आखिर हाउस को चलाने के लिये कायदे और कानून भी तो बने हुए है। उनके मुताबिक तो कार्यवाही होनी चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। अगला सवाल। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, हम इनकी बात सुनने को बिल्कुल तैयार नही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, आप कम से कम हमारे साथ इन्साफ तो करे। आप ने तो एक सप्लीमैन्ट्री के साथ दूसरी सप्लीमैन्ट्री पूछने के लिये भी सारा मामला क्लोज कर दिया है। आपने तो इस क्वै चन से सम्बन्धित दूसरी सप्लीमैन्ट्री पूछना ही बन्द कर दिया है।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब आप बैठिये। मैने अगले सवाल के लिए मैम्बर साहब को काल अपोन कर दिया है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, कोई प्रजातन्त्र नाम की चीज यहां पर नही है। मेरी सबमि ान है कि सरकार को

सैन योर करने के लिये हाउस ही एक फोरम है जहां पर हम सरकार की गलतियों की पोल खोल सकते है। चीफ मिनिस्टर महोदय नैपोटिजम, फेवरटिजम अपने परिवार के सदस्यों के साथ कर रहे है और हमें यहां पर बोलने से रोका जा रहा हैं यहां कहां का इन्साफ है। हमें सरकार की गलतियों और कारगुजारियों की पेाल खोलने की इजाजत होनी चाहिए।

Mr. Speaker: I have already requested you to see me in my chamber if you are not satisfied. We can discuss it there.

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आपकी इजाजत के बगैर जो कुछ बोल जाए, वह रिकार्ड नही होना चाहिए। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, प्रजातन्त्र में किसी को यहां बोलने से नही रोका जा सकता हालांकि मै तो स्पीकर साहब की इजाजत से ही बोल रही हूं। हमें किसी न किसी तरह से लोगों के हितों को सेफगार्ड करना ही होगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः साहेबान, मैने जो बात कही है, वह बड़ी सोच समझ कर कही है। सब कुछ पढ़ कर मैने अपनी रूलिग दी है। (ाोर एवं व्यवधान) आप कृपया खामो ा हो जाए। नैक्सट् क्वै चन के लिये मैने काल अपोन कर लिया है। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, आपने रूलिग दे दी, ठीक है लेकिन जनाब इस सप्लीमैन्ट्री को बन्द करने से क्या हो सकता, मुख्य मंत्री महोदय तो एक्सपोज हो चुके है और होते रहेगे। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालाः कल सारा तफसील के साथ जवाब दूंगा तब बताउंगा कि ये कहां खडे है और हम कहां खड़े हैं (ाोर एवं व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः चौधरी भजन लाल जी आप बौखला चुके हो तभी एक एक मिनट के बाद उठ–उठ कर बोलने लगते हो। आपको चैन नही आती। कोई हमारी बात सुनने के लिये आपके पास सब्र नही है। अगर उस सवाल पर सप्लीमैन्ट्री पूछने पर आपकी बचत होती हो तो हमारी सेहत पर इससे कोई असर नही पड़ने वाला है। स्पीकर साहब, मै आपसे गुजारि ा करूंगा कि आप पहले वाले सप्लीमैन्ट्री की बे ाक रहने दें लेकिन उस सवाल पर पांच चार सप्लीमैन्ट्री जो और बन्ती है वह तो हमे ंपूछ लेने देते तो आपकी मेहजरबानी होगी होगी। अगर आप कहते है कि फंला फंला सप्लीमैन्ट्री रैलेवैन्ट नही है तो हम दूसरी सप्लीमैन्ट्री पूछ लेते है। (Interruption). If you, Sir, think that the supplementary we ask does not arise our of the question, we shall withdraw it. We request you to please allow us further supplementaries on this question.

Mr. Speaker: No. please. I have openly requested you not to generate heat unnecessarily and I hope now you will not do so.

श्री बीरेन्द्र सिंहः लेकिन स्पीकर साहब, इस हीट को यह ठण्डा नही पड़ने देगे। ये तो आपकी परमि ान के बगैर एक मिनट में बौखला कर उठा खड़े होते है और कहने लग जाते है कि मै यह कर दूंगा, वह कर दूंगा। थ्रैट करते हैं चौधरी देवी लाल, प्रोफैसर सम्पत सिंह और ग्रेवाल साहब, इन तीन चार को थ्रैट कर चुके है। हो सकता है कि पूरे सै ान के दौरान हमें भी इसी तरह का थ्रैट कर दें।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, कल आपने इतान अच्छा फैसला दिया कि क्वै चन को मै डैफर करता हूं। इसलिए आज हम उस सवाल पर सप्लीमैन्ट्री पूछ रहे है। स्पीकर साहब, जब किसी क्वै चन को एक बार चेयर की तरफ से डैफर कर दिया जाये तो क्या दूसरे दिन उस पर सप्लीमैन्ट्री नही पूछी जा सकती? इस पर मै आपकी रूलिंग चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः आप बैठिये। मैने रूलिंग दे दी है।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

Mr. Speaker: We will now take up the list of questions for today, the 14th March, 1985.

Transfer of the Land of Government Live stock Farm, Hissar

***805 Sh. Kanwal Singh:** Will the Minister of state for Animal Husbandry be pleased to state—

(a) Whether any land, belonging to the Government live stock farm, Hissar has been transferred since 1-1-82 or is now proposed to be transferred to any individual/institution/cooperative society etc. on lease/sale/gift etc; and

(b) If so, the names of the transferees in whose favour the said land has been or is proposed to be transferred together with the nature and terms and conditions of each deal/transfer?

Mr. Speaker: The Government has sought extension to answer this question which I have granted. The Communication that has been received from the Hon. Minister in this behalf is a under:

@ Interim Reply

Lal Singh D.O.NO. 1897 AH(I)-85/4511

12 Mach, 1985

Dear Shri Tara Singh Ji,

Kindly refer to the Starred Assembly Question No. 805 asked by Sh. Kanwal Singh, M.L.A., reading transfer of land belonging to Govt. live stock farm, Hissar, appearing in the list of Questions to be answered on the floor of Haryana Vidhan Sabha on 14-3-1985.

2. In this connection I am to inform you that the desired information is being collected form various quarters and will take some time. I am, therefore, afraid that it will not be possible to complete it by the due date. I, therefore request you to kindly allow an extension for 15 days.

Regards

Yours sincerely,

Sd/-

(Lal Singh)

Sh. Traa Singh

Speaker, Haryana Vidhan Sabha

Chandigarh

Arrears due from consumers

***802 Ch. Balvir Singh Grewal & Prof. Sampt singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state the total amont due to the Haryana State Electricity Board from the consumers (official as well as private) As on 31-12-1984

Irrigation and power Minister (Ch. Shamsher Singh Surewala): The total outstanding amount is Rs. 2671.24 lacs which consists of Rs. 880.71 lacs against private consumers and Rs. 1790.53 lacs against Govt./Semi Govt. etc. consumers as on 31-12-1984.

चौधरी बलवीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, बिजल बोर्ड के कंज्यूमर्ज की तरफ 26.71 करोड रूपये एरियर्ज के है। इमें से 8.81 करोड यपए के करीब प्राइवेट कंज्यूमर्ज की तरफ बकाया है मै जानना चाहता हूं कि क्या प्राइवेट कंज्यूमर्ज में कुछ ऐसे भी केसिज है जिनकी तरफ 50 लाख रूपए से ज्यादा के एरियर्ज है और उनके खिलाफ बोर्ड कोर्ट में हारा हो? अगर बोर्ड किन्ही केसिज में हारा तो वह किन ग्राउंडज पर हारा?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, जिनकी आउट सटैडिग अमांट है उनकी लिस्ट मैने टेबेल पर रख दी है। जिनकी तरफ 50 लाख रूपए से ज्यादा के एरिजर्य है वह मै बता देता हूं।

आवाजेः स्पीकर साहब, टेबल पर यह सूचना नही है, कृपया पहले यह सूचना टेबल पर रखवा दें।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला यह सूचना मेरे पास नोट फार पैड में है। मै इसे टेवल पर भी रखवा दूंगा। इसमें कोई छुपाने वाली बात नही है। मै पहले इसे पढ़ देता हूं बाद में टेबल पर भी रखवा दूंगा।

आवाजेः स्पीकर साहब, ये जवाब बाद में दे पहले सूचना टेबल पर रखवा दे।

श्री अध्यक्षः वे बात रहे है, पहले आप इनको सुन लें।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, बी.टी. एम. भिवानी की तरफ 77.19 लाख रूपया बकाया है। इसकी बैकग्रांउंड यह है कि इनकी तरफ कंट्रैक्ट मांग में बढौतरी के कारण 7/72 में 3.7 लाख रूपये की रा ि ा डैबिट की गई थी। इसके लिये उन्होने लोकल कचहरी में सिविल सूट कर दिया। 8/83 में केस का फैसला उनके हम में हो गया। उसके बादबोर्ड ने उस फैसले के विरूद्ध 9/83 में जिला और सै ान जज भिवानी की अदालत में अपील दायर की। अब वह कम्पनी प्रैजैंट बिल रैगुलर पे कर रही हौ। यह रकम दा परसैंट प्रति मास के हिसार से सरचार्ज लगने की वजह से 77.19 लाख रूपए बन गई है। आउटस्टैडिग अमाउंट रिकवर करने के लिए कंज्यूमर के साथ नैगोसिए ान हो रही है लेकिन अभी हमारी अपील पैडिंग है।

दूसरा केस नार्दर्न इंडिया बल्लभगढ़ का हैं इनकी तरफ 71.79 लाख रूपए बकाया है। यह कंज्यूमर 2/76 में डिफाल्अर हुआ था। उस समय इसके खिलाफ बकाया रा ि ा दो लाख रूपए थी डिमांड चार्चिज का भुगतान नक करने के कारण यह रा ि ा बढ़ती गई। यह केस सुप्रीम कोर्ट तक गया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार इनकों राहत दी गई। उसके बाद कंज्यूमर ने 7/79 में सिविल रिट दायर की, उस समय डिफाल्टिग अमाउंट 10 लाख रूपए थी। कंज्यूमर का कनैक ान काटना और डिमांड चार्चिज की वसूली के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने स्टे दे दी थी लेकिन हर महीने दो परसैंट सरचार्ज लगने से वह रा ि ा 71.79

लाख रूपए हो चुकी है। इस मामले में जल्दी करवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में केस का परसू किया जा रहा है।

तीसरा केस स्पीकर साहब, डवरीवाला फरीदाबाद का है। इनकी तरफ 60.06 लाख रूपए बकाया है। इन्होने 7/75 में डिफाल्ट किया था। उस समय इनके खिलाफ बकाया राि ा 1.44 लाख रूपए थी। यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में है। ये तीन केस है जो 50 लाख रूपए से ऊपर के है।

श्रीमती चन्द्रावतीः क्या मंत्री जी बताएंगे कि इनके खिलाफ इतनी अमाउंट एक्यूमूलेट क्यों होने दी यानि पहले कार्यवाही क्यों नही की गई?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः Lihdj साहब, मैने तीनों केसिज की हिस्टरी बात दी है ंकिसी केस में डेढ लाख स्पए का और किसी में दो लाख रूपए का भाुरू में डिफाल्ट था। वे लोग सुप्रीम कोर्ट तक चले गए। इसमें यह नही है कि उनके खिलाफ चार्ज एक्यूमूलेट हो गए बल्कि पैनल्टी वगैरह पड़ कर इतना अमांउट बन गया।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहबा, जब इतना ज्यादा अमाउंट एक्यूमूलेट होता है उस वक्त ये क्या कार्यवाही करते है? दूसरी तरफ थर्मल प्लाटस के लिए ये जवाब देते है कि हमारे पास पैसा नही है, इधर करोड़ो रूपया बकाया पड़ा है।

श्री अध्यक्षः इन्होने बताया है कि भुरू में तो पैसा थोड़ा था लेकिन वे लोग सुप्रीम कोर्ट चले गए और पैनल्टी वगैरह लगने से इतना अमाउंट एक्यमूलेट हो गया।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै यह सवाल पिछले दो तीन सै ानों से पूछता आ रहा हूं। 1982–83 में बकाया रकम 12 करोड 2 लाख रूपए थी, 1983–84 में यह 18 करोड़ 6 लाख रूपए हो गई और अब 1984–85 में यह 26 करोड़ 71 लाख रूपए हो गई। पिछली बार प्रोमिस किया गया था कि हम उने पैसा लेने की कोि ा ा कर रहे है। मै जानना चाहता हूं कि अब तक उनकेस यह पैसा वापिस क्यों नही लिया गया? दूसरा सवाल मै यह पूछना चाहता हूं कि ऐसे कौन कौन से इंडस्ट्रियल कंज्यूमर्ज है जिनको जिस दिन से कनैक ान मिला उन्होने तब से लेकर आज तक बोर्ड को एक नये पैसे की भी पेमैंट नही की?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब 3/83 में हामर एरियर्ज 19.50 करोड़ रूपए के थे, 3/84 में 25.5 करोड के थे, 9/84 में 30.45 करोड रूपए के थे और 12/84 में 26.71 करोड रूपए के थे। इस वर्श यानि 1984–85 में 6.20 करोड़ रूपए के एरियर्ज रिकवर किए गए है। तथा 5 करोड रूपए की रिकवरी और एक्सपैक्टिड है जिसका तकरीबन फैसला हो चुका है। जहां तक दूसरे सवाल का संबंध है कि किसी ने आज तक कोई बिल न पे किया हो, ऐसा कोई कंज्यूमर हमारे नोटिस में नही हजै। वैसे इस सवाल से यह सप्लीमैंटरी पैदा भी नही होती थी क्योंकि

इसमें तो एरियर्ज पूछे गए हैं जिनकी तरफ एरियर्ज थे उनके नाम मैने बता दिए है। अगर मेरे गांव में या इनके गांव में किसी एक आदमी ने बिजली का बिल पे न कियाहो तो उसका मैरे को कैस सुपना आएगा? जब तक एरियर नही बनेगा तब तक कैसे पता चलेगा? वे कोई स्पैसिफिक केस बताएं हम जवाब देगे।

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै स्पैसिफिक बताता हूं धारूहेडा में सहगल पेपर मिल हैं उस मिल को जब से कनैक ान मिला है उनहोने तब से एक पैसा भी नही दिया। क्या मंत्री जी बताएंगे कि उनके खिलाफ कितना पैसा है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालााः स्पीकर साहब, सहगल पेपर मिल के खिलाफ 39 81 लाख रूपए के एरियर्ज पैडिग है। मै 1979 से आपको इसकी हिस्टीर बता देता हूं इस मिल ने 8/79 से बिल देना बन्द कर दिया था। अमाउंट एक्यूमूलेट होकर 8/81 में 30 लाख रूपया हो गया था। हमने इसका कनैक ान 2/82 में डिस–कनैक्ट कर दिया था। अब यह मिल अन्डर लिक्वीडे ान गया हुआ हैं पैसे की रिकवरी के लिए कार्यवाही जारी हैं

प्रो० सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहता हूं कि जब से यह पेपर मिल लगा है तब से लेकर आज तक इसने कोई बिजली के बिल के पेमेंट की है या नही?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालााः अध्यक्ष महोदय, मुझे इस फैक्टरी के बारें मं यह ज्ञान नही है कि यह कब सैटअप हुई

थी। लेकिन 7/79 को पहली दफा इस पेपर मिल ने डिफाल्ट किया था। अब यह मिल अंडर लिक्वोडे ान है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, सिंचाई तथा बिजली मंत्री जी ने सदन में बताया कि कुछ मुकदमें अदालतों में हार जाते है जिनकी वजह से बिजली के बिलों की पैमेंट नही हो पाती है। बिड़ला टैक्सटाइल मिल, भिवानी की तरफ 77 लाख रूपए बिजली बिल के बकाया थे और उन्होने कोर्ट में केस कर दिया। वे कोर्ट से केस बिजली बोर्ड के आफिसर्ज ओर इनके वकील की मिलीभगत के कारण जीत गए। मै आपके द्वार मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार बिड़ला टैक्सटाइल मिल, भिवानी के खिलाफ बिजली बोर्ड अधिकारी और इनके वकील की मिलीभगत के कारण कोर्ट में केस तो नही हारी? यदि ऐसा है तो उन आफिसर्ज के खिलाफ क्या एक ान लिया? एक ान नही लिया है तो क्या इस बारें में इन्कवायरी करवाएंगे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, सरकार को इस प्रकार कोई ि ाकायत नही मिली कि वकील या बोर्ड के किसी अधिकारी की मिलीभगत के कारण केस हारा है। यदि माननीय सदस्य स्पैसिफिक कोई ि ाकायत हमें बताएंगे तो इस बारें में इन्कवायरी करवाएंगे। जो भी अधिकारी दोशी पाया जाएगा उसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने यह बताया कि मोटी मोटी आसामियों की तरफ बिजली के बिल के पैसे बकाया है ओर उनके खिलाफ कोर्ट मं केसल चल रहे है। जिनके खिलाफ कोर्ट में केस चल रहे है उनकों कोई फर्क नही पड़ता वे बाद में पेमैंट कर देगें। जितनी देर तक कोर्ट से फैसला नही होता तब तक उनकों बरूाज से ही काफी फायदा हो जाएगा। इनके आफिसर्ज या वकील से मिलजुल कर वे केस तो जीत ही जाएंगे। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन सकरारी और अर्ध सरकारी संस्थाओं की तरफ बिजली बोर्ड का पैसा बकाया है। उनके खिलाफ क्या कार्यवाही की है? बिजली बोर्ड पहले ही काफी आर्थिक संकट में है आप उनसे बिजली के बिल की रिकवरी क्यों नही करते है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मैने जो 26 करोड़ रूपये की फिग्गर्ज बताई है यह अमाउंट तकरीबन डिसप्यूटिड है। जो फिग्गर्ज मैने बताई है इनके बारें में मै एक इंसटांस आपके सामने बताना चाहूंगा। एन. एफ. एल. की तरफ बिजली बोर्ड का 5 करोडद्य रूपया बकाया था जिसमें से 80–81 लाख रूपया सैटल हो गया हैं बिद दि पैसेज आफ आईम चार्ज, सरचार्ज और मीटर में खराबी की कैल्कुले ान की वजह से इतना पैसा हो जाता है। लेकिन एक्चुअली कितना अमाउट है उसका फैसला कोर्ट में होात है इसके अलावा इन्होने यह पूछा कि सरकारी और अर्ध सरकारी सस्थाओं की तरफ जो पैसा बकाया ळै

उसकी पेमैट क्यों नही होती। मै उन को बताना चाहूंगा कि एम. आई. टी. सी. और इरीगे ान डिपार्टमैंट वालों ने लगभग 5 करोड़ रूपया बिजली बोर्ड को दिया हैं एम. आई. टी. सी. और दीगे ान डिपार्टमैट की तरफ जो बिल के पैसा बकाया ळै वह रूपया एक्चुअली उस तरह का नही जिस तरह से किसी प्राइवेट कंज्यूमर का होता हैं यह तो इन्टरनल एडजस्टमैंट की बात हैं कई बार गवनर्ममैट ीभ बिजली बोर्ड की डायरैक्ट लोन दे देती है ताकि लौस न हो। इसमें कोई दिक्कत वाली बात नही है।

श्री ए. सी. चौधरीः स्पीकर साहब, कई हालात में लोगों के बिजली के बिल के पैसे बकाया हो सकते है। कई वजुहात में पैसे एक्यूमूलेट हो जाते है, जब बिजली बोर्ड उनसे पैसा मांगता है तो वे कह देत`है कि इम इकट्ठा बिल नही दे सकते, किस्तों मे दे देगे। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि क्या सरकार के पास या बिजली बोर्ड के पासऐसी कोई दरख्वास्ता आई है कि हम आप को बिलके बकाया पैसे किस्तों मे दे देगे और यदि अब किसी की तरफ से इनके पास कोई दरखस्त आए तो क्या उस परएक ान लेना चाहेगे?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने किसी पर्टीकुलर दरख्वास्त के बारें में जिक्र नही किया। जहां तक असूल की बात है वह यह है कि बिजली बोर्ड किसी सूटेबल केस में यह चाहे कि फलां कंज्यूमर बिल के पैस नही दे सकता उसकी किस्त की जा सकती है। एक बात मै बताना

चाहता हूं कि पिछले दिनों एग्रीकल्चर साईड में किसानों के काफी डिफाल्ट के एक सा दो महीने के अन्दर अन्दर बिल की पेमैट नही करेगा तो उसका कनैक ान डिसकनैक्ट कर दिया जाएगा। यदि एक बार कनैक ान डिसकनै ाट कर दिया जाएगा तो एक या दो महीने तक अगर कंजयूमर को तरफ से पूरा एरियर नही दिया जाएगा तो फिर उसको फ्रे ा कनैक ान के लिए एप्लाई करना पड़ेगा। लेकिन किसानों के लिए हमने 31 मार्च, 1985 तक की डेट रखी है। यदि किसी किसान के टयूबवैल का कनैक ान डिफाल्ट की वजह से डिसकनैक्ट की वजह से कनैक ान िसकनैक्ट हुआ है, उसको ंपुरानी प्रायटी पर कनैक ान मिल जाएगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब स्पीकर साहब, चोधरी सुरेन्द्र सिह जी ने जो सवाल पूछा, उसके जवाब में मंत्री जी ने यह कहा कि यदि हमें कोई कहेगा तो हम इन्कवायरी करवाएंगे। बिड़ला टैक्सटाईल मिल की तरफ 77 लाख रूपये बिजली के बिल के बकाया है और मंत्री जी सुओमोटी किसी चीज के बारें में इन्कवायरी करवाने के लिए तैयार नही है। बजली बोर्ड के आसिर्ज और वकील की मिलीभगत के कारण बिजली बोर्ड कोर्ट में केस हार जाता हैं ये वकील के फीस भी दे देते है लेकिन हमारे नोटिस में यह बात आई है कि इनके वकील की मिलीभगत के कारण बिजली बोर्ड कोर्ट में केस हार जाता है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या ये जुओमोटो केस की इन्कवायरी करने के लिए तैयार है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मोहत्रिमा लीडर आफ दि अपोजी ान ने मेरी बात अच्छी तरह नही सुनी। मैने यह नही कहा कि अगर कोई कहेगा तो इन्कवायरी करवाऐगे। मैने तो यह कहा है कि अगर हमें कोई स्पैसिफिक ि ाकायत बताएगातो इन्कावायरी करवाएंगे। कहने में और बताने में बहुत फर्क हैं बताने का मतलब यह होता है ि अगर हमे ंकोई इन्फर्मे ान देगा और कहने का मतलब यह होता है कि अगर हमें कोई रिकमैंड करेगा। यदि आप हमें कोई किसी के बारें में गडबड़ी की इन्फर्मे ान देगे तो हम जरूर इन्कवायरी करवाऐगे।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि जब से ये बिजली मंत्री बे है तब से लेकर आत कि किसी मिल मालिक या फैक्टरी मालिक ने बिजली के बिल की पेमैट की है और यदि नही की तो क्या इन्होने उसका गिरफ्तार करवाया है? जिस तरफ से कोर्ठ हरिजन सोसाइटी से 500 रूपए कर्जा ले लेता है तो उसको कर्जा वापिस न करने पर जेल में बन्द कर दिया जाता है। यदि किसी किसान की तरफ दो हाजर रूपए लोन के हो और वह समय पर नही दे पाता है तो बैक वाले उसको जेल में बन्द करवा देते है। इसी प्रकार से यदि कोई किसान ट्यबवैल के बिजली के बल का 150 रूपया नही दे पाता है तो बिजली बोर्ड वाले उसका कनैक्ा ान काट देते है। मै आपके द्वारा मंत्री जी से यह जाननचा हाता हूं कि क्या इन्होने

किसी मिल मालिक या किसी फैक्टरी वाले को बिल की आदयगी न करने पर गिरफ्तार करवाया है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, पहली कोि ा ा हमारी यही होती है कि रिकवरी हो जाए ताकि किसी कनैक ान को डिसकनैक्ट न करना पड़े। कई बार जब हक कार्यवाही करते है तो सम्बन्धित मालिक कोर्ट में चला जाता है। कोर्ट में चले जाने के बाद हम उसको उस समयत तक कुछ नही कह सकते जब तक कोर्ट का कोई फैसला न आ जाए। जहां तक इन्होने यह पूछा कि आया कोई गिरफ्तारी की गई है या नही, इस बारेमें में मै हाउस को बताना चाहूंगा कि यदि कोई आर्बीट्रे ान या कोर्ट के फैसले के बाद भी पैसा नही देगा तो उस समय उसके खिलाफ जो भी उचित कार्यवाही होगी, करेगे।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि दादरी सीमेट फैक्टरी जो पहले डालमिया सीमेंट फैक्टरी के नाम से जानी जाती थी, की तरफ अब कितना पैसा बकाया पड़ा है। डालमिया सीमेंट फैक्टरी को अब भारत सरकार ने टे ओवर कर लिया हैं मेरा सवाल सिर्फ इतना है कि जो पैसा उसकी तरफ बकाया है, उसको रिकवर करने के लिए अब तक कया कार्यवाही की गई है?

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, डालमिया सीमंट फैक्टरी दादरी, की तरफ 12/76 तक 34 लाख

रूपए बकाया था। जब इससे रिकवरी करने की कोि ा ा की गई ता यह केसकोर्ट में चला गया। कोर्ट ने कंज्यूमर को 5 साल के लिए मैरेटेरियम दे दिया। बाद में दुबारा तिथि होने पर 10/78 की इसकी तरफ 7.27 लाख रूपए हो गए थे। जब इसके कनैक ान को डिसकनैक्ट करने की बात आई तो उस समय सरकार ने यह फैसला किया कि इसके डिसकनैक ान को डैफर किया जाए क्यों कि सीमेंट एक जरूरी आइटम है। अब यह केस कमी ानर आफ पेसेट के पा पैडिंग है। भारत सरकार ने इस फैक्टरी को 6/81 में टेक ओवर कर लिया था। इस समय इसकी तरफ 118.64 लाख रूपए बकाया है।

Cases of murder and death due to accidents in the State

***808 Sh. Chandervati:** Will the Minister of state for Revenu and Home be pleased to state—

(a) The districtwise number of persons murder in the state during the year 1984; and

(b) The districtwise umber of persond killed in accidents in the state during the years 1982-83 and 1983-84 todate?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): (क, व, ख) सूचना सदन के पटल पर रखी जाती है।

तारांकित प्रश्न एवं उत्तर

कत्ल किये गये व दुर्घटनाओं में मारे गये व्यक्तियों की संख्या

			(क)		(ख)
क्रम संख्या	जिला	वर्श 1984 में कत्ल किये गये व्यक्तियों की संख्या	दुर्घटनाओं में मारे गये व्यक्तियों की संख्या		
1	अम्बाला	38	79	89	82
2	कुरूक्षेत्र	49	65	57	69
3	करनाल	48	96	129	100
4	जींद	20	24	21	24
5	हिसार	53	74	81	52
6	भिवानी	27	31	42	42
7	सिरसा	16	30	23	44
8	नारनौल	42	43	45	55
9	गुडगावां	69	6	73	73

10	फरीदाबाद	48	91	108	119
11	रोहतक	62	81	79	119
12	सोनीपत	30	38	54	48
	जोड़	502	658	798	827

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इसलिस्ट के मुताबिक रोहतक जिले में 1984 के अन्दर 62 कत्ल हुए हौं। मै आपके जरिए मुख्य मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि क्या इन 62 कत्लों के अन्दर सुरेन्द्र सिंह दलाल का भी नाम भाामिल है जो ए. एस. पी. की गोली लगने से मरा है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, इन्होने अपने सवाल में 31 दिस्म्बर, 84 तक की सूचना पूछी थी। इसलिए यह सूचना सिर्फ 31 दिसम्बर, 84 तक की ही है। इसमें सुरेन्द्र सिंह दलाल का नाम भाामिल नही है। क्यों कि उनकी मृत्यु 31 दिसम्बर, 84 के बाद हुई है।

डा० भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, इस लिस्ट में 31 दिसम्बर, 84 तक कत्ल और दुर्घटना के आंकड़े दिए हुए हैं इन दोनों फिगर्ज को अगर मिला दिया जाए तो चार मौतें रोजना इस छोटे से प्रांत में हो जाती हैं एक तो मै यह पूछना चाहता हूं कि क्या खास कारण है जिसकी वजह से ये मौते होती है दूसरे

सरकार ने इसकी रोकथाम के लिए क्या कदम उठाये है ओर आगे क्या उठाने जा रही है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आप जानते है कि एक्सीडैंट आबादी बढ़ने और ट्रेफिक बढने के कारण ही अधिक होते है। सरकार की तरफ से पूरी पूरी कोि ा ा होती है कि कम से कम एक्सीडैन्ट हो। इसके लिए हमने नए सक्वैड भी कायम किए हुए है ताकि ट्रैफिक ठीक चल सके। इन्हें 15 मीटर साईकिल, 5 जीपे, पांच एम्बुलैस और एक रिकवरी बैन दे रखी। रिकवरी वैन इसलिए दे रखी है कि यदि कही परकोई गाड़ी खराब हो जाए तो उसकों सड़क से हटाया जा सके। सरकार ने अपनी तरफ से दुर्घटना अधिक न होने देने के लिए पूरे बन्दोबस्त किए हुए हैं आप जानते है कि आबउदी बढ़ने की वजह से रेल दुर्घटनाए भी हो जाती हैं जैसे जैसे दे ा ओर प्रदे ा की आबादी बढ़ेगी और ट्रैफिक बढेगी तो दुर्घटनाएं भी जरूरी बढ़ेगी।

श्री भले रामः स्पीकरसाहब, वर्श 1984 में 31 दिसम्बर तक 827 व्यक्ति एक्सीडैन्टस में मारे गये है। एक्सीडेंटस में बेचारे बेकसूर लोग मारे जाते है। मै सरकार से जानना चाहता हूं क ऐसी दुर्घटनाओं में जो बेकसूर लोग मारे जात `है क्या उनको सरकार की ओर से कोई मुआवजा आदि दिया जाता है या ऐसी कोई पालिसी है जिसके जरिए ऐसा मुआवजा दिया जाता है?

चौधरी भजन लालः ये सारी बातें देखने की होती है कि आया एक्सीडैन्ट में किसका कसूर है। बस आदि से जो एक्सीडैन्टस होते है और उनमें जो लोग करते है, उनकों मुआवजा देने के लिए पालिसी बनाई हुई है क्योंकि उनकी बाकायदा इन्‍ योरेंस हुई होती है। दूसरे जो लोग दुर्घटनाओं में मारे जात `है वे अपना केस दायरकर सकते है कोर्ट में जाने के बाद यदि वह दूसरे को गलती से मरता है तो उसको उससे पैया मिल सकता है।

श्रीमती भारदा रानीः जो एक्सीडैन्टस प्रायः सड़कों पर होते ळै वे इसलिए होते कि जो स्लो व्हीकल सड़कों पर राम के समय चलती है उनमें लाईट आदि नही होती ओर खास कर छोटी गाड़ी या जो रेहड़े होते है उनमे ंलाईट नही होती सामने से जो गाड़ी आ रही होती उसकी लाईट उस पर पड़ती है लेकिन दूसरी गाड़ी में लाईट ने होने के कारण दिखाई नही पड़ता जिस कारण ये दुर्घटनाएं होती है। इसलिए मै जानना चाहती हूं कि क्या सरकार ऐसा कोई प्रबन्ध करने जा रही है, जिसमें छोटी छोटी गाड़ियों के अन्दर लाईट का प्रबन्ध अनिवार्य हो?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, यह कानून तो पहले का ही बना हुआ है कि सभी गाड़ियों में लाईट का प्रबन्ध हो। छोटे छोटे जो रेहड़े या गाड़िया है। उनमें भी लाल बती होती है। वे रात को लाटेन आदि ले कर चलते है। स्पीकर साहब, मै यह भी बताना चाहूंगा कि अधिकरत दुर्घटनाओं में मरने वालो की

गलती होती है क्योंकि जब वे सड़क क्रौस करने की कोि ा ा करत है तो उस समय वे बगैर सोचे समझे भगने को कोि ा ा करते है। जब वे भागते है तो वे तेज व्हीकल की लपेट में आ जाते है, क्योंकि तेज व्हीकल एकदम रूक नही सकता। जैसे मैने बताया है कि सरकार अपनी तरफ से पूरी पूरी कोि ा ा करती है कि ऐसी दुर्घटनाए न हो लेकिन फिर भी इस विशय में और जो भी कदम होगे उठाएंगे।

श्री ए. सी. चौधरीः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी ने जो सूचना इस संबंध में हाउस मे ंरखी है, उसके कालम नं० 10 पर फरीदाबाद की फिगर है। इसफिगर के मुताबिक फरीदाबाद के अन्दर 1982 में 91 एक्सीडैन्टस से मौते हुई, 1983 में 108 मौते हुए और 1984 में 119 मौतें हुई है। इससे साफ जाहिर है कि फरीदाबाद में एक्सीडैन्टस की फिगर हर साल बढ़ती जा रही है। इन फिगर का बढऋने का मैन कारण वहां के ऐरिया की इण्डस्ट्रिलाईजे ान होने की वजह से साइड लेन नही जी०टी० रोड के दोनों तरफ इण्डस्ट्रिलाईजे ान होने की वजह से साइकिलिस्ट, वर्कर्ज और बच्चों को ज्यादातर वही से आना जाना पड़ता है, जिसके कारण वे चली हुई रै ा गाड़ियों के ि ाकार हो जाते हैं मै जानना चाहता हूं कि क्या सरकार मौजूदा इन्सानों की जिन्दगी बचाने के लिए साइड रोडज पर जितनी जगह वहां छोड़ी गई है, उस पर इमीजिएट सड़क बना कर लोगों की जिन्दगी सुरक्षित करेगी?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जहां तक साईड रोडज का प्रबंध करने का सम्बन्ध है, कई स्थानों पर तो साइड रोडज बना दी गई है और जहां पर अभी तक नही बनी है, वहां पर बन जाएंगी। फरीदाबाद भी उसी प्रोपोजल में भाामिल है। दूसरे हमने हरियाणा रोडवेज की बसों की भाति गति 65 किलोमीटर प्रति घंटा फिक्स की हुई है ताकि ज्यादा तेज गाड़ी चलने की वजह से एक्सीडैन्टस न हो।

श्रीमती बसंती देवीः स्पीकर साहब, मेरी पहली सबमि ान तो यह है कि मुझे जवाब की कापी नही मिलती। एक कापी हमारी टेबल पर रखी है उस कापी का हुड्डा साहब अपने पास रखते है मै जब उनसे मांगत हूं तो वे कहते है कि मै सीनियर मैम्बर हूं इसलिए यह कापी मै आने पास रखूगा। आपसे मेरी यही प्रार्थना है कि मुझे भी जवाब की एक कापी अलग से मिलनी चाहिए।

श्री अध्यक्षः बहनें तो वैसे भी सीनियर होती है, भाई तो बड़ा हाते हुए भी बहनां से जूनियर होता है।

श्रीमती बसंती देवीः दूसरे अध्यक्ष महोदय, मेरा सवाल यह है कि दुर्घटनाओं में जिनके रेहड़े आदि टूट जाते है तो उनहें बड़ी दिक्कत आती है क्यों क वे बेचारे कर्जा आदि लेकर अपना काम चलाते है। जब उनके रेहडे टूट जाते है तो वे उसे क्लेम के लिए कोट्र में जाते है और कोर्ट से उनकाफैसला होने में 4–4

साल लग जाते है इसलिए मै जानना चाहता हूं कि क्या गवर्नमैट कोई ऐसा कानून बनायेगी जिससे वे एक्सीडैन्ट होने के समय ही कम्पनसेट हा जाएं ताकि कोर्ट में 4–4 सालों तक धक्के न खाने पड़े?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप जातने है और बहन जी भी जानती है कायदे कानून अलरैडी बनेह ुए है कि अगर किसी के कसूर से एक्सीडैन्ट हो, किसी के कसूर से अगर किसी का नुक्सान हो तो जिसका नुक्सान हाता है, वह अपना क्लेम दायर करसकता है और कोर्ट उसका फैसला करती है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, कुछ महीने हुए, मैने कुछ सुझाव लिख कर भेजे थे कि जो स्लो रनिग व्हीकल्ज है, उनके ऊपर लाल पीले नि ाान लगा लेने चाहिये जिसको कैट्स आई कहते हैं इन स्लों रनिग व्हीकर्ल्ज के साथ कई बार एक्सीडैटस हो जाते है, ये एक्सीडैन्ट क्यों होते है इस पर मैने कुछ सुझाव लिख भेजे थे क्या मुख्य मंत्री जी बतायेगे कि ये सुझाव उन तक पहुंचे है या नही?

चौधरी भजन लालः मेरे तक ये सुझाव नही पहुचे है पता नही बहन जी को सुझाव देखने का टाईम मिला भी है या नही। मुझे ध्यान नही है कि आपके सुझाव मेरे तक पहुचे भी है।

श्रीमती चन्द्रावतीः आप अपने सेक्रेटरी और एस. पी. ट्रैफिक से पूछ लीजिए मैने भेजे थे।

चौधरी भजन लालः बहन जी, अच्छे सुझाव जो व्यक्ति देगा, जरूर मानेगे, लेकिन अच्छे सुझाव देते ही नही मु कल यही है। दूसरी बात, अध्यक्ष महोदय, एक्सीडैट्स को चैक करने के लिए पहले ही कानून बने हुए हैं सड़क पर रात को छोटे व्हीकल्ज है, इनके पीछे लाल रंग का एक भी ा लगा होना चाहिए ताकि जब किसी ट्रक या बस की लाईट इस भी ो पर पड़े तो वह चमके। लाल भी ा लाईट में चमकता है ओर व्हीकल नजर आता हैं इस चीज को चैकिग हम पहले सह ही करते आये और जो लोग गुनाहगार पाये गये, उने खिलाफ कार्यवाही की है और आगे से तेजी से चैकिग करेगें ताकि कम से कम एक्सीडैट्स हो।

श्री फतेह चन्द विंजः स्पीकरसाहब, मुख्य मंत्री जी ने बताया कि सड़क दुर्घटनाएं कम हो, इसके लिए एक फोर्स कायम की गई है। क्या मुख्य मंत्री जी बतायेगे कि फोर्स बनने के बाद दुर्घटनाएं कम हुई है या ज्यादा? दूसरी बात, जैसा कि अपने कहा कि बसों में गवर्नर बांध हुए है, ज्यादा स्पीड पर नही चलती। क्या ये गवर्नर बसों में बांधे है यास्टैटों में बांधे है? जहां तक मुझे पता है, किसी भी बस में गवर्नर बांधा हुआ नही है।

चौधरी भजन लालः सारी बसों में गवर्नर बांध हुए हैं अगर कही पर विज साहब के नोटिस में आये कि फलां बस में वे जा रहे थे और उसकी स्पीड 100 किलोमीटर से ज्यादा थी तो वह उस बस का नम्बर लिख कर भिजवा दे, हम जरूर इन्क्वायरी करवा लेगे। जो भी मैम्बर साहेबान लिख कर ि ाकायत भेजेगे कि

फलां बस में बैठे थे या फलां कार में जा रहे थे जिसकी 100 किलों मीटर पर आवर की स्पीड थी और फलां नम्बर की बस 100 किलोंमीटर से ज्यादा की स्पीड पर जा रही थी तो हम इसकी इन्क्वायरी करवायेगे।

श्री फतेहचन्द्र विजः स्पीकर साहब, दूसरा सवाल मेरय यह था कि फोर्स लागू होने के बाद क्या एक्सीडैट्स ज्यादा हुए है या कम?

चौधरी भजन लालः दुर्घटनाओं तो होती ही रहती है।

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब मर्डर्ज को लिस्ट हाउस की मेज पर रखी है जिस में लिखा कि अम्बाला, करनाल, नारनौल, गुडगांवा, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत वगैरा जिलों में कत्ल हुए हैं क्या मुख्य मंत्री जी बातएंगे कि इन मर्डर्ज में बेगुनाओं के कत्ल भी भाामिल है जो श्रीमती इन्दिरा गांधी के असैसिने ान के बाद भाहरें में और गांवों में हुए है? इसके अलावा जो कत्ल मिट्टी के का तेल डाल कर किए गए, क्या वे भी इस लिस्ट में भाामिल है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, किसी भी तरफ का कत्ल हो, सोर के सारे केसिज इन आंकड़ों में भाामिल है।

चौधरी तय्यब हुसैनः स्पीकर साहब, मै मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि श्रीमती इन्दिरा गांधी के कत्ल के बाद फरीदाबाद और गुडगांवा में एक हफ्ते के अन्दर–अन्दरी कितने कत्ल हुए है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैने बाकायदा जिलावार आकड़े दे रखे है। हर जिले के पूरे आंकडे है कि कौन से जिले में कितने कितने कत्ल हुए है। (व्यवधान)

चौधरी तय्यब हुसैनः जो कत्ल * * * * * उनकी तादाद बातएंगे कितनी है?

श्री अध्यक्षः ये लफ्ज रिकार्ड न किए जाए।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य 11 साल पालियामैंट मे ंरहे, कम से कम इनकों बात तो ठीक करनी चाहिए। * * * * ऐसी बात कहने का कोई मतलब नही। जो भी हालत हुए, जिस तरह से कत्ल हुए वे सारे आकड़े इस स्टेटमैंट में भाामिल है। जहां कही भी दंगा फसाद हुआ है, सरकार ने हमे ाा ही पूरी लगन के साथ डील किया। हमारी फोर्स ने पूरा कंट्रोल किया और इस बात की प्रं ासा सारे दे ा ने की कि हरियाणा की फोर्स ने बड़े भाानदार तरीके से हर मामले का काबू में रखा हैं

चौधरी तय्यब हुसैनः आप पाटिकुलर पीरियड का नम्बर बता दे कि इतने कत्ल हुए (व्यवधान)

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जब आप जी० टी० रोड़ या किसी दूसरी रोड परकार में चलते है तो कई बार स्लो स्पीड व्हीकल जैसे बैलगाड़ी है, आगे आ जाते है तो रूकना पड़ता है ओर जब उस स्लो स्पीड व्हीकल को क्रास करने लगते है तो

अगे से बड़ी स्पीड मे एक और गाड़ी आ जाती है जिस पर लाल लाईट लगी होती हैं आजकल लाल लाईट लगाने का सिस्टम ऐसा हो गया है कि एस० डी० एम० की कार के ऊपर भी बत्ती देखेगे, और मोटर साइकिल वाले भी लाल बत्ती लगाये रखते हैं जब हम किसी स्लो स्पीडव्हीकल को ओवर टेक करते है तो आगे से लाल लाईट वाली गाड़ी आ जाती है और गाड़ी टकराने का खतरा रहता हैं मै सरकार से यह जानना चाहता हूं कि लाल लाईट लगाने का क्या पैमाना है? किस लैवल के आफिसर लाल लाईट लगा सकते है? आजकल तो एस0 डी0 एम0 एस0 पी0 , मोटर साईकिल वाले और कई छोटे मोटे आफसर लाल लाईट लगाये फिरते है। कमि ानर की कार भी होती है, लेकिन बहुत कम देखी गई है। क्या सरकार यह तय करेगी कि पटिकुलर आफिसर्ज की कारों के ऊपर ही लाल लाईट लगेगी?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आनरेबल मैम्बर का सुझाव बहुत अच्छा है, इसमें कोई दो राय नही है यह ठीक है कि कुछ प्राइवेट लोग लाल लाईट लगा लेते है। बहुत से लोग पकड़े भी गये, हमने उनके चालान किए है और आगे हम इस बात का खास ध्यान रखेगे। जहां तक आफिसर्ज का ताल्लुक है, हम बाकायदा हिदायत जारी करेगकि किस पद तक के आफिसर लाल लाईट का इस्तेमाल करसकते है। हिदायते है तो पहले भी जारी की हुई है, अब दोबारा जारी कर देगे।

Bhakra Canal

*** 812 Prof. Sampat Singh:** Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state—

(a) Whether the Bhakra Main Canal remined closed during the period form 1-06-84 to 30-9-84; if so, the total number of days for whihc the said canal remained closed;

(b) The total amount of loss suffered due to the damage caused to cotton and paddy crops as result of clsure of the said canal, as referred to in part (a) above.

(c) Whether any compensation for the loss, as referred to in part (b) above, has been paid to any of the affected farmers; if so, the total amount paid so far and

(d) Whether any finacial assistance/compensation has been received from the Government of India, if not the steps, if any, taken or proposed to be taken for the purpose?

श्री अध्यक्षः इस प्र न के लिए गवर्नमैंट ने एक्सटै ान मांगी है जो कि ग्रांट कर दी गई है। The communication received from the Hon. Minister is as under—

@Interim Reply

D.O. No. 22/15/85-IW(4)

S.S. Surewala Irrigation and Power Minister

Govt. of Haryana,

Chandigarh

Dear S. Tara Singh Ji,

Kindly refer to starred Assembly Question No. 812 regarding closure of Bhakra Main Line Canal during 1-6-84 t0 30-9-84 asked by Sh. Sampat Singh M.L.A. Which is due for answe on 14-03-85

In order to supply correct/complete information we require to collect the same from the field officers as also from other concerned Departments. It will take some time. I shall, therefore, be greatful if you kindly allow us 15 day's extensin for replying this question

With regards,

Yours sincerely,

Sd/-

(S.S. /Surewala)

Sh. Tara Singh

Speaker,

Haryana Vidhan Sabha

Chandigarh.

Lathi Charge and Firing on the students of Mastnath Ayurvedic College Asthal Bohar,

*906 Sh. Mangal Sain & Sh. Hira Nand Arya: Will the Minister of State for Revenus and Home be pleased to State—

(a) Whether police resorted to lathi charge and firing on the students of Mastnath Ayurvedic College, Asthal

Bohar, district Rohtak on 31-1-85; if so, who ordered the said lathi charge an firing; and

(b) Whether any student died in the said lathi charging and/or firing; if so, his name, his farther's name and address?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां। पुलिस ने दिनांक 31.01.85 को मस्तनाथ आयुवैदिक कालेज अस्थल बोहर (रोहतक) ने पुलिस को बल द्वारा भीड़ को तित्तर बित्तर करने के आदे ा थे।

(ख) हां। मस्तनाथ आयुवैदिक कालेज के एक छात्र सुरेन्द्र सिंह दलाल पुत्र श्री राजेन्द्र सिंह दलाल गांव छारा जिला रोहतक की उपरोक्त घटना में मृत्यु हो गई थी।

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने अपने जवाब में मानाहै कि श्री सुरेन्द्र सिंह दलाल का कत्ल हुआ है मै उनसे जानना चाहता हूं कि क्या कातिलों को गिरफ्तार कर लिया है या नही? अगर नही तो उसका क्या कारण हे? क्या मुख्य मंत्री जी यह भी बताएंगे कि मैडिकल रिपोर्ट इस विशय मूं क्या कहती है? वह गोली रिवौल्वर की है या बन्दूक की है? साथ ही वे यह भी बात दे कि क्या वे इसकी न्यायिक जांच करवाएंगे?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इस सारे कसे की जांच पड़ताल का काम स्टुडैन्टस के कहने पर कमि नर अम्बाला

डिविजन को सौपा गया है। (विध्न) वे इस बात पर रजामन्द हो गये थे कि कमि नर रैंक का अधिकारी इंक्वायरी करे। उन्होने मुझे लिखकर दिया है। (विघ्न) आम्बाला डिविजन के कमि चर मौके पर गये भी है ये इंक्वायरी के दौरान सारी बातों की तह में जाएंगे और जिस अधिकारी का कसूर मिलेगा उसके खिलाफ कार्यवाही करेगी। स्पीकरसाहब, आर्य साहब ने दूसरा सवाल किया कि डाक्टरी मुआयना क्या कहता है? डाक्टरी रिपोर्ट में तो यही कहा गया है कि गोली से छात्र की मृत्यु हुई है। इससे यह पता नही लगता कि रिवौल्वर की गोली से मारा है या राईफल की गोली से मरा है। उन्होने तो यह कहा है कि पीले रंग की गोली से मृत्यु हुई है। पीले रंग की गोली राईफल की भी हो सकती है ओर रिवौल्वर को भी हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, ये सारी बातें इंक्वायरी कम्पलीट होने के बाद सामने आएंगी।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष जी, मुख्य मंत्री जी ने स्वीकार किया है कि 31–1–85 को एस0 डी0 एम0 रोहतक ने बाई फोर्स भीड़ को तित्तर–बित्तर करने के ठोस प्रसाय में कितने राउन्ड गोली के चले?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, इस सवाल का जवाब देने के लिए मै आपकों थोड़ी सी बैकग्राउन्ड बताना चाहूंगा। स्पीकर साहब, दिल्ली में फाजिल्का को जो जी0 टी0 रोड जाता है उस पर बड़ा भारी ट्रैफिक होता है लेकिन छात्रों ने सारे के सारे रोड़ को ब्लॉक कर दिया। पुलिस को जब पता लगा कि

सारे का सारा रोड़ ब्लौक हो गया है, मीलों तक कारों, ट्रकों और बसों की लाईने लग गई है और मुसाफिर चिल्ल रहे है क्योंकि 4–5 घण्टों से ट्रैफिक रूका हुआ है तो एस0 ओ0 लगभग 5–7 सिपाही अपने साथ लेकर मौके पर गया। उन्होने कोि ा ा कि भीड़ भाांतिपूर्वक तित्तर–बित्तर हो जाए लेकिन छात्र राम कुमार नामक सिपाही को, जिसके पास राईफल थी, पकड़ कर अन्दर ले गए और उसको बुरी तरह से पीटा तथा उसकी राईफल छीन ली।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी गलत ब्यानी कर रह`है। इसलिए हम जुडीि ायल इंक्वायरी चाहते है।

चौधरी भजन लालः आप जब सवाल पूछेगे तो मै जवाब तो दूंगा ही।

श्री राम बिलास भार्माः मैन तो केवल इतना पूछा है कि कितने राउन्ड गोली के चले?

चौधरी भजन लालः बैक ग्राउन्ड तो मुझे बतानी पड़ेगी। (ाोर)

चौधरी धीर पाल सिंहः बैक ग्राउन्ड का तो हमे ंपता हैं

चौधरी भजन लालः अगर पता है तो पूछते क्या हो? (विध्न)

श्री हीरा नन्द आर्यः जो हम पूछते है वह तो आप बताते नही।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने फोर्सफुली ऐक ान लेने की बात कही इसलिए मुझे यह कहना पड़ा।

श्रीमती चन्द्रावतीः यह बात गलत है। अगर ये इस तरह की बात करेंगे जा इंक्वायरी के क्या मायने है?

श्री अध्यक्षः जब आप यह सवाल पूछेगे कि गोली कैसे चली, कितने राउन्ड चले तो ये क्या कहे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम यह मानत है ि कपुलिस की गोली से छात्र मरा है।

चौधरी धीर पाल सिंहः आप जिस तरह से राईफल छीनने की बात कर रहे है उस तरह से उन्होने राईफल नही छीनी।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब छात्रों ने पथराव भुरू कर दिया, पुलिस इंस्पैक्टर और सब–इंस्पैक्टर के चोटे लगी तथा 12 सिपाही जख्मी हो गए तो मजबूर हेाकर गोली चलनी पड़ी (विघ्न) अध्यक्ष महोदय, कुछेक तो हैड इंजरीज भी हुई। वे हस्पताल में दाखिल रहे ओर बड़े मुि कल से बचे। राईफल भी बड़ी मुि कल से बरामद की गई। स्पीकर साहब, कोई भी इन्सान अगर कानून अपने हाथ में लेने की कोि ा ा करेगा

तो सरकार को एक ान लेना पड़ता है। (विध्न) वहां पुलिस के सिपाही भी मर सकते थे। (विध्न) चन्द्रावती जी आप बहुत पुरानी मैम्बर है और भली भांति जानती है कि ऐसे हालत में सरकार को क्या कर्त्तव्य बनता है? (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा अपोजी ान के साथियों को एक बाम कहना चाहता हूं कि ये मेहरबानी करके काई भी भड़काने वाला भाशण न दिया करें।। लोगों को तो भाांति से रहने की बाम कहनी चाहिए ताकि वे ऐजिटे ान के रास्ते पर न चले। सरकार मुनासिब बात हर समय सुनती है और जो बात करने वाली होती है। उसे हमे ाा करती हैं

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर मुख्य मंत्री जो गलत ब्यानी कर रहे है। मै वहां गई थी और देखकर आई थी कि किसी पुलिस के सिपाही को चोट नही लगी थी। मैने एस0 पी0को कहा था कि वह मुझे किसी चोट लगे हुए सिपाही को दिखाए लेकिन किसी को दिखाया नही गया। (विध्न)

श्री हरि चन्द हुड्डाः स्पीकर साहब, मै आपकी मारफत यह जानना चाहूंगा कि क्या चीफ मिनिस्टर महोदय को नौलेज में यह है कि जब भीड़ इक्ट्ठी हुई तो एस0 डी0 एम0 ने गोली चलाने का कोई आर्डर नही दिया था? यह तो पुलिस ऐक ान को जस्टिफाई करने के लिए बाद मते ंऐसा कहां गया है दूसरी बात मै यह जानना चाहता हूं कि क्या इनके नोटिस में यह बात भी है कि इस एक ान से पहले मस्तनाथ आयुर्वेदिक कालेज के प्रिसिपल ने

एस0 पी0 को यह रिपोर्ट दी थी कि सिचुए ान पीसफुल है, मैने लड़कों की पैसिफाई कर दिया है और किसी एक ान की जरूरत नही है। स्पीकर साहब, इसक बावजूद भी वहां यह वाक्या हुआ जिससे साफ जाहिर है कि इसमें पुलिस की ज्यादती थी। उसने लड़के को मारना ही था। क्या मुख्य मंत्री जी इन बातों का जवाद देगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने पहले निवेदन किया छात्रों ने पुलिस वाले की राईफल छीनी और वे बाकायादा राईफल से फायरिग करते रहे। इसके बारें में अगर मै कुछ ज्यादा कहूंगा तो ये फिर कहेंगे कि इंक्वायरी चल रही है। (विध्न) मै ज्यादा न कहते हुए इतना ही कहूंगा कि बाकायदा एस0डी0एम0 के आदे ा से गोली चली है। (विघ्न)

श्री हीरा नन्द आर्यः एक कमि नर तो आपका इंक्वायरी करने से इन्कार कर गया है।

चौधरी भजन लालः किसी ने इन्कार नही किया है।

श्री बीरेन्द्र सिंहः चौधरी साहब, इंक्चवायरी जारी कृपया इस बात का ख्याल रखें। काफी हो गया है और ज्यादा बताने की जरूरत नही है।

चौधरी भजन लालः जब सवाल पूछेगे तो जवाब तो देना ही पड़ेगा। (विध्न) अध्यक्ष महोदय एस0डी0एम0 और एस0पी0 साथ साथ वहां पहुचे है अैर एस0डी0एम0 ने बाकायदा गोली

चलाने को आदेश दिया है (विध्न) चौधरी बीरेनछ सिंह जी, आप तो होम मिनिस्टर रहे है और काबिल वकील भी हैं आप जानते है कि अगर एस0डी0एम0 आदेश न भी दे तो भी हालत बिगड़ते अगर नजर आएं तो पुलिए अफसर भी गोली चला सकता है। (विध्न)

Mr. Speaker: Questio HOur is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Un-Employed Persons in the state

***911 Sh. Kundan Lal:** Will the Minister of state for labour and Employment be pleased to state—

(a) The number of un-employed persons registered in employment exchange in the state as on 1-1-84 and 1-1-85 separately; ;and

(b) The steps, if any[taken or proposed to be taken to reduce un-employment in the state?

श्रम तथा रोजगार राज्य मंत्री (श्री राजेश कुमार):

(क) 31—12—83 व 31—12—84 को रोजगार कार्यालयों के रजिस्टार पर उपलब्ध बेरोजगार प्रार्थियों की संख्या इस प्रकार है—

दिनांक	बेरोजगार प्रार्थियों की संख्या

31—12—83	440431
31—12—84	469106

नोटः— बेरोजगार प्रार्थियों बारे सूचना मास के अंतिम दिवस को एकत्रित की जाती है।

(ख) सदन के पटल पर इस बारे में ब्यौरा अनुबंध—1 पर रखा जाता है।

अनुबन्ध—1

बी भाग का उत्तर बेरोजगारी की समस्या को कम करने कलिए उठाए गए/प्रस्तावित पगों का ब्यौरा

राज्य में बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विकेन्द्रीक्रित रोजगार उत्पति एवं स्वः रोजगार प्रोत्साहन नीति अपनाई गई हैं ग्रामीण क्षेत्रों मैं अल्प/आंि ाक रूप से रोजगार लिप्त व्यक्तियों को पारिश्रमिक आधार पर तदर्थ/पूरक रोजगार अवसर जुटाने के लिए राश्ट्रीय ग्रामीण रोजगार, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार ग्रान्टी तथा एकीकृत ग्रामीण विकास स्कीमज चल रही है। छठी पंचवर्शीय योजना (1980—85) में वर्श में 273 कार्य दिवसों के आधार पर 50595 वर्श, 13.80 मिलियन मानव विकास दिवस के बराबर तथा सातवी पंचवर्शीय योजना (1985—90) में 75000 मानव वर्श , 20.47 मिलियन दिवस के बराबर, तदर्थ

पारिश्रमिक रोजगार अवसरों का निर्माण होगा। इसके अतिरिक्त ि ाक्षित युवकों को स्वः रोजगार प्रदान करना, ग्रामीण उद्योग, तकनीकी ि ाक्षा प्राप्त व्यक्तियों को मार्जन मनी सहायता, उद्यमियों को उद्योगिक भौड्ज तथा विकसित प्लाट देना, ग्रामीण तथा कुटीर उद्योगों का विकास, छोटी डैरी इकाईया, मतस्य पालन, अनुसूचित जाति/पिछड़ी जाति तथा आर्थिक तौर पर कमजोर व्यक्तियों को मार्जन–मनी सहायता तथा सेवा निवृत सैनिक को स्वः रोजगार देने संबंधी स्कीमज, स्वः रोजगार अवसरों के प्रोत्साहन के आ ाय से कार्यान्वित की जा रही हैं छठी पंचवर्शीय योजना (1980–85) में 157696 तथा सातवी पंचवर्शीय योजना (1985–90) में 177780 ि ाक्षित तथा दक्ष/अदक्ष व्यक्तियों को विभिन्न स्वः रोजगार स्कीमज के अन्तर्गत रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा।

जिलों में स्वः रोजगारन के इच्छुक युवकों को व्यावसायिक मार्गदर्शन देने तथा अपनी स्वामित्व व्यापारिक ईकाई स्थापित करने हेतु विभिन्न एजेन्सीज से वित्तीय सहायता, लाभ उपलबध कराने क`लिए जिला मानव भाक्ति एवं रोजगार उत्पति कौसिल्ज काम कर रही है।

Sugar Mills at Kernal

***884 Sh. Lachhman Singh Kamboj:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) Whether any deducation at the rate of rupee one per quintal is being made from the farmers ourt of the cost of

sugarcance paid to them by the Karnal Coop sugar mills Ltd., Karnal;

(b) If, so the account in which the said collection, if any, being made is credited; ; and

(c) Whether the concerned farmers are informed of the credits in the said accounts, in respect of the above said deduction?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां।

(ख) कांटी गई रा ि। सम्बन्धित किसानों के हिस्सा पूंजी खाते मतें जमा की जा रही है।

(ग) हां।

H.C.S. Officers at Karnal

***869 Sh. Verender Singh**: Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) The number of H.C.S Officers posted in karnal at present, and

(b) The number of such officers, out of those reffered to in part (a) above; if any, as have remained posted there in one capacity or the other for the last more than 10 years?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) 13 (तेरह)

(ख) भून्य

Reservation of Posts of A.D.As for Ex-Servicemen

***900 Ch. Om Parkash:** Will the chief minister be pleased tot state—

(a) Whether certain posts of A.D.As rserved for ex-servicemen were subsequently declared as general, during the year 1983-84 and 1984-85;

(b) Whether any posts of A.D.A.s have been taken out of the purview of the Public service commission; and

(c) If the reply to parts (a) and (b) above be in the affirmative the reason therefor?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां, केवल वर्श 1984–85 के दौरान भूतपूर्व सैनिकों के लिए 8 पद आरक्षित किये गये थे जो सामान्य समझे गये थे, क्योंकि कोई पयुक्त उम्मीदवार नियुक्ति के लिए योग्य नही समझा गया अैर इस प्राकर ये पद मुख्य सचिव हरियाणा के सभी विभागाध्यक्षों को प्रेशित पत्र क्रंमाक 38/20/78–2 जी. एस. –1, दिनांक 9–2–1979 में की गई सरकारी हिदायतों के अनुसार पिछले लगातार दो वर्शो से चले आ रहे है।

(ख) हां।

(ग) नये न्यायालयों की संख्या सृजित होने की बात को ध्यान में रखत हुए और सहायक जिला न्यायवादियों को वहां लगाने की आव यकता को सम्मुख रखते हुए राज्य सरकार ने सहायक जिला न्यायवादियों के पद हरियाणा लोक सेवा आयोजग के क्षेत्राधिकार से निकालने हेतु दिनांक 19–4–82 को निर्णय लिया था।

Leasing out state Mine/Stone Quarry inDistrict Mohindergarh

***894 Sh. Ram Bilas Sharma:** Will the Minister for Industries be pleased to state—

(a) Whether any state mine or any stone quarry has been leased out to any person since 1-1-1984, at or near kund and Bihali in Mohindergarh district;

(b) If so, the namesh and addressed of such persons; and

(c) Whethe any amount of lease money, as reffered to in part (a) above, is outstanding against any of the above said persons?

उद्योग मंत्री (श्रीमती भाकुन्तला भगवाड़िया):

(क) नही।

(ख) प्र न ही नही उठाता।

(ग) प्र न ही नही उठता।

Construction of Central Jail in Sonepat

***933 Sh. Devi Dass:** Will the Minister for Forests and Jails be pleased to state—

(a) Whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a Central Jail in Sonepat City; and

(b) If so, the time by which the construction work for the afere said jail is likely to be started together with the details of the land, if any, acquired for the purpose?

वन तथा जेल मंत्री (श्री गोवर्धन दास चौहान):

(क) नही।

(ख) प्र न ही नही उठता।

Bus Stands at Hathin

***923 Ch. Khillan Singh:** Will the Minister for Transport be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Government to construct a bus stand at Hathin, if so, the time by which the said bus stand is likely to be constructed?

परिवहन मंत्री (कर्नल राव राम सिंह):

जी हां। भूमि चयन का मामला तेजी से विचारा जा रहा है। जैसे ही यह पूर्ण हो जाएगा तथा भूमि का कब्जा लिया जाता है, बस अड्डे का निर्माण कार्य आरम्भ कर दिया जायेगा।

वक्तव्य

(i) लोक स्वास्थ्य मंत्री द्वारा नारनौल और महेन्द्रगढ़ के क्षेत्रों में पीने के पानी की समस्या सम्बन्धी

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, 12–3–1985 को मिनिस्टर साहब ने श्री राम बिलास भार्मा, एम0एल0ए0 के काल अटैन ान मो ान नम्बर तीन पर आज स्टेटमैट देने के लिए कहा था। अब वे कृपया अपनी स्टेटमैंट दे दें।

लोक स्वास्थ्य मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): अध्यक्ष महोदय, इस से पूर्व की मै सदन में, नारनौल तथा महेन्द्रगढ़ क्षेत्र में पेयजल की स्थिति के बारें में वक्तव्य दूं, मै सदन को यह सूचित करना चाहती हूं कि सरकार स्थिति के बारें मू पेरी तरह से सजग है तथा पेजयल की सप्लाई उचित मात्रा तथा समय पर करने के लिए आव यक कदम उठा रही है।

महेन्द्रगढ़ जिला में पीने का मीठा पानी साहिबी नदी, कृश्णावती नदी तथा दोहन नदी के किनारे उपलब्ध है जोकि राजस्थान से निकलती है। अन्त में यह नदियां या तो महेन्द्रगढ जिले में या उसके साथ लगते जिले में फैल जाती है, पर केवल साहिबी नदी यमुना नदी में धासा बांध द्वारा मिल जाती है।

यह नदिया केवल मौसमी है और जिला महेन्द्रगढ़ में भूमि के नीचे के जल स्त्रोंतों को पुश्ट करने में सहायक है। पिछले कुछ वर्शो में जिला महेन्द्रगढ तथा उसके साथ लगते

राजस्थान के जिलों में वर्शा बहुत कम रही है। जिससे कि वहां सूखा जैसी स्थिति रही है और धरती के नीचे का जलस्तर काफी गिर गया है। धरती के नीचे का जला ाय सूखा स्थिति के कारण तथा इन नदियों में पानी का पूरा बहाव न होने के कारण पूरी तरह से पुश्ट नही हो पाया, जिससे कुओं तथा नलकूपों में पानी काफी घट गया हैं उधर सारा साल चलने वाला कोई नहरी सिस्टम भी नही है, जिससे कि तमाम पेयजल योजनाये या तो कम गहरे कुओं पर जो कि इन नदियों के किनारे पर स्थित है या गहरे नलकूपों पर अधारित है।

धरती के नीचे का जल स्तर लगातार गिरते रहने के कारण कुओं में पानी की मात्रा भी घटी है। पिछले पांच वर्शो मेंं पानी का जलस्तर 30 से 40 फुट घट गया है। इस से नारनौल तथा महेन्द्रगढ़ क्षेत्र के आस–पास के कुओं तथा नलकूपों में पानी की कमी हुई हैं

भाहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र मेंं पीने के पानी की स्थिति का ब्यौरा निम्नलिखित हैः–

1. नारनौल भाहरः

कृश्णावती नदी के किनारे पर बनाए गए 8 कुओं द्वारा सारे भाहर में जल वितरण किया जा रहा है। यह कुएं पहले तो पर्याप्त मात्रा में पानी दे रहे थे परन्तु पिछले कुछ वर्शो से सूखा स्थिति होने के कारण इनकी क्षमता धीरे धीरे कम होती जा रही

है। कुओं से कम पानी मिलने के कारण नारनौल भाहर में पेयजल घट कर 10 गैलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन हो गया है जब कि यह 25 गैलन प्रति व्यक्ति प्रति दिन होना चाहिए।

पेयजल योजनाओं की बढ़ौतरी के लिए अन्य स्त्रोतो की खोज की गई है ओर नारनौल भाहर से 9 किलोमीटर की दूरी पर हमीद पुर गांव में दोहान नदी के किनारे धरती के नीचे का जल प्रयोग करके एक योजना अनुमान रूपये 148.80 लाख का बनाया गया है जिसका प्र ाासकीय अनुमोदन हो चुका है नगरपालिकाको जीवन बीमा निगम से ऋण दिलाने हेतु ऋण प्रार्थना पत्र जीवन बीमा निगम, बम्बई को भेजा जा चुका है ओर आ ाा की जाती है कि वर्श 1985–86 में यह ऋण प्राप्त हो जाएगा। राज्य ऋण तथा अनुदान वर्श 1985 के भाुरू में प्राप्त हो जाएगा। इस योजना में 10 नलकूप लगाना तथा वहां से पाईप लाईन लाकर भाहर की मौजूदा जल वितरण प्रणाली से जोड़ना भाामिल है। आ ाा है कि हमीदपुर गांव में लगे ये नलकूप कम से कम 14 लाख गैलन पानी सप्लाई करेगे। इससे नारलौल निवासियों को उचित मात्रा मे ंपानी दिया जा सकेगा। फिर भी ऊपर दी योजनाओं के अतिरिक्त निम्नलिखित उपाय भाहर को अन्तरिम राहत हेतु किए जा रहे है:–

1. नारनौल जलघर पर मौजूदा कुओं को जे0 एल0 एन0 सिस्टम से नौलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी द्वारा नहरी पानी से पुश्ट किया जाता है। यह पाया गया है कि कुओं की क्षमता पुश्ट करने

के 30 से 40 दिन प चात् काफी बढ़ जाती हैं पिछले एक साल में कुओं को कोई बार पुश्ट किया गया है।

2. पिछले कुछ महीनों में नानौल भाहर की नूनियावाल के समूह स्कीम के तहत 70000 से 80000 गैलन अतिरिक्त पानी भाहर को दिया जा रहा है।

2. अटेली भाहरः

अटेली के लिए सब से पहले वर्श 1962 में जल वितरण योजना दो कुओं पर आधारित भुरू की गई थी। समय बीतने के साथ साथ कुओं को पानी देने की क्षमता घटती गई तथ पानी की क्वालिटी भी खराब होती गई। इस समय कुओं की क्षमता 15000 गैलन प्रतिदिन है क्योंकि पानी खारा हो गया, इसलिए मीठे पानी को उपलब्ध कराने के लिए दूसरी जगह की खोज की गई ताकि मीठा पानी उपलब्ध हो सके। अटेली से 7 किलोमीटर दूर (एक गांव गुजरवास) में एक नलकूप बोर किया गया हौरचालू कर दिया गया हैं उससे रेलवे लाईन के उत्तर पि चम में रहने वाली 50 प्रति ात जनता को लाभ हुआ हैं बाकी 50 प्रति ात जनता को रेलवे लाईन के नीचे से पाईप लाईन बिछाने के प चात् लाभ होगा। यहां परयह कहना भी उचित है कि इन कुओं को, जो मीठे पानी को पट्टी में खोदे गये है। की क्षमता 15000 गैलन प्रति घण्टा है जो कि नगर की मौजूदा जनसंख्या के लिए पर्याप्त हैं

3. महेन्द्रगढ़ः

वर्श 1961 में यहां पहली जल वितरण योजना तीन नलकूपों तथा एक कुए के अन्तर्गत आरम्भ की गई थी इन सब द्वारा मिला कर कुल 2 लाख गैलन पानी प्रतिदिन मिलता था। पानी का जल स्तर 40 फुट कम होने के करण इस की मात्रा 120000 गैलन रह गई। कुएं का पानी सूख गया।

पेयजल योजना को बढ़ाने तथा वितरण प्रणाली को ठीक करने के लिए कुछ हिस्से में पाईप लाईन बिछा कर एक कुऐं को चालू किया जा चुका है पुराने नलकूपों तथा एक नए कुंए से प्रति दिन 2 लाख गैलन पानी मिलता है। इस समय 16000 की आबादी को 12 गैलन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी दिया जा रहा है।

4. कनीन भाहरः

कनीन भाहर की जनसंख्या इस समय 8000 हैं तीन नलकूपों से पानी भाहर को दिया जा रहा है। पानी की सम्पलाई 1.20 लाख गैलन प्रति दिन है, 15 गैलन प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी दिया जा रहा है। भाहर में जल की पूर्ति सन्तोशजनक हैं

5. ग्रामीण क्षेत्रः

नारनौल तथा महेन्द्रगढ के क्षेत्र में 360 गांव है जिस में से 300 गांवों को जो कि 66 ग्रामों की समुह योजना में आते है, में पानी दिया जा रहा है। पानी सप्ताई का स्त्रोत कुएं तथा नलकूप हैं पिछले कुछ वर्शो से पानी का जल स्तर काफी घट है बिजली वितरणय समय सारणी का जन स्वास्थ्य विभाग की बेरोक

पानी की सप्लाई की क्षमता पर बहुत असर पड़ा है। भिन्न–भिन्न गांवों को पानी या तो रोजना या एक दिन छोड़ कर दिया जा रहा है। जैसा कि निम्नलिखित है:

1.	(क) गांव जहां पानी पर्याप्त मात्रा: में उपलब्ध है और जहां स्कीम में सिर्फ कुछ गांव है।	पानी की रोजना सप्लाई 70 गांवों को।
	(ख) गांवों की स्कीम जहां जनरेटि सैट उपलब्ध है।	
	(ग) गांव/गांवों जो बड़ी समूह स्कीमों में है जहां पानी का स्त्रोत स्थित है अथवा उन के साथ है।	
2.	(क) ऐसे गांव जो बड़ी समूह: स्कीमों के भाग है और उक्त भाग–1 में नही आते।	एक दिन छोड़कर पानी की सप्लाई 230 गांवों को।
	(ख) ऐसे गांव जहां स्त्रोत की सीमित क्षमता है (जिन की पम्पिंग की समय समय पर आव यकता है)	

उपरोक्त स्थिति से स्पश्ट है कि महेन्द्रगढ तथा नारनौल क्षेत्र के भिन्न भिन्न नगरों में पानी प्रतिदिन दिया जाता है। ग्रामीण योजनाओं के संबंध में पेयजल प्रति दिन अथवा एक दिन छोड़कर दिया जा रहा है ंउक्त के अतिरिक्त यह भी कहा जाता है। कि सरकार ग्रामीण जल वितरण योजनाओं पर डिजल सैट/ जनरेटिग सैट की व्यवस्था फैज्ड ढंग से करने को प्रस्ताव पर गम्भीरता से विचार कर रही है ताकि पानी की सप्लाई नियमित तौर पर दी जा सके। यह कहना गलत है कि जन स्वास्थ्य विभाग तीनया चार दिन मे ंएक बार ही पानी दे रहा है।

उक्त परिस्थितियों के दृश्टिगत जल वितरण की मात्रा सीमित है फिर भी लोगों की रोजना न्यूनम आव यकता अनुसार पानी की सप्ताई करने की सभी कोि ा ो की जा रही है। इस बारें में कोई रिपोर्ट प्राप्त नही हुई है कि लोगों को उन क्षेत्रों में जहां जल वितरण योजनये चल रही है गंदा पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर साहब, आदरणीय बहिन जी ने मेरे काल अटै ान नोटिस के जवाब में पेज 4 पर यह फरमाया है कि 70 गांव ऐसे जिनमें रोज पानी दिया है। यह इन्होने हाउस में लिखकर जवाब दियाहै लेकिन लोगों को पीने के पानी की समस्या अब है। (व्यवधान व भाोर) 230 गांवों के बारें में यहां पर खुद स्वीकार की है वहां पर पानी 50 फुट नीचे चला गया हैं नारनौल और महेन्द्रगढ़ जिले मैं पीने के पानी की बहुत बुरी

हालत है। मंत्री महोदय ने जिन नदियों की अपने जवाब में चर्चा की है उनमें से दोहन और कृश्णावती नदियां ऐसी है जिनके बारें में इन्होने खुद माना है कि उनमे ंपूरा बहाव नही रहा हैं पिछले पांच सालों मे ंपानी की एक बूंद भी इन नदियों में नही आयी है। सरकार ने अपने जवाब में यह भी कहा है कि भाहर से 8–9 किलोमीटर की दूरी पर कुओं को तला ा किया है। स्पीकर साहब, दो दिन मे एक बार तो मिनिस्टर साहिबा खुद माना है, लेकिन वहां पर 4 दिन तकं एक बार पीने का पानी मिलता है। एक गांव नही बल्कि 230 गांव ऐसे है जिनके बारें में यह स्थिति उन्होने स्वीकार की है। स्पीकर साहब, आप भी किसान परिवार से संबंध रखते है। हमारे पूरे जिले में मीठा पानी उपलब्ध नही हैं आगे गर्मियों को मौसम आने वाला है। 148.80 लाख रूपये की योजना बनाकर इन्होने मजूंर की हुई है। उसक बारें में इन्होने यह भी कहा है कि केस बम्बई बीमा निगम से ऋण लेने के लिये भेजा हुआ है। क्या मंत्री महोदया महेन्दगढ़ और नारनौल जैसे बदनसीब जिले के लिए जहां पर 50 फुट नची तक पानी चला गया है, कोई परमानैंट नहर की व्यवस्था या कोई जला ाय बानाने के लिए तैयार है?

श्रीमती प्रसन्नी देवीः स्पीकर साहब, जैसे मैने बताया है, माननीय सदस्य खुद जानते है कि पानीकही न कही ढूंढना पड़ता है क्योंकि वहां पर पहले पानी तो बहुत दूर से लाना पड़ता था। सरकार इसके लिए पूरी कोि ा ा कर रही है और हमें आ ाा है

कि हमें इस साल में ऋण भी मिल जायेगा। हमारी तरफ से इस बात की पूरी कोि ा ा है कि वहां पर पानी जल्दी से जल्दी मुहैया करवाया जाये क्योंकि पानी इन्सान को जीने के लिए चाहिये। सरकार इस बात पर पूरी गम्भीरता से विचार कर रही है हमने पूरा केस बनाकर कमेटी को ऋण दिलाने के लिए भेजा हुआ है। इसके सथ ही हमने अप्रैल से भाुरू होने वाले बजट साल में जनरेटिग सैट लगाने के लिये भी एक करोड़ रूपया निकालने का प्रस्ताव किया है। हमारी यह कोि ा ा होगी कि जहां पर पीने के पानी की बहुत ज्यादा समस्या है, उस एरिया में जनरेटिग सैट जल्दी लगाये जाये और इस समस्या का हल किया जाये।

श्री राम बिलास भार्मा: अध्यक्ष महोदय, पिछले साल भी यही मुद्दा इसी सदन में उठाया गया था। उस समय भी काल अटै ान मो ान दिया गया था। एक साल पुराना मसला है। सरकार को वही जवाब है जो उस वक्त दिया था। इस बार वहां गर्मियों में अव य ही हैजा फैलेगा क्योंकि गन्दा पानी पी रहे है। मै यह जानना चाहता हूं कि क्यों नही सरकार नहर के द्वारा जिस प्रकार बाकी नगरों में जैसे भिवानी और रोहतक वगैरा मे ंपानी सप्ताई कर रही है, उसी तरह से नारनौल और महेन्द्रगढ़ जिले में भी टैंक बनाकर पानी सप्ताई करती। पिछले दिनों में 10 दिन तक तो पानी की सप्ताई बिल्कुल नही हो सकी। फिर इन्होने नहरों द्वारा कुओं में कुछ पानी डाला। वह पानी भी 20 दिन तक चला। उसके बाद फिर वही समस्या खड़ी हुई है। क्या सरकार इस बात

पर विचार करेगी कि वहां पर भी नहरी पानी के जलघर बनाकर पानी की सप्ताई का प्रबन्ध किया जाये?

श्रीमती प्रसन्नी देवी: मैने यह कहाहै कि जितने गैलन पानी वहां पर मिलना चाहिए उतना पानी वहां पर नही मिल पा रहा है। पूरे नारनौल डिस्ट्रिक्ट में टोटल गांव 727 है जिनमें से 28 गांव बे चिराग है। 31, मार्च कोई दूर नही रह गया है। हम सोच रहे है कि वहां पर अप्रैल से काम भ्ाुय किद दिया जाये जिससे अगले साल वहां पर पानी मिल जाये। जिन गांवों मे ंएक दिन छोड़कर पानी मिल रहा है वहां पर कोि ा ा करेगें कि टयूबवैल लगाकर जल्दी ही रोजना पानी दिया जाये। इसके अलावा हमें ऋण लेने के लिए भी कोई टाईम लगने की सम्भावना नही हैं हमारे सैक्रेट्री साहब पर्सनली बम्बई जाकर स्कीम दे आये है ओर हमें उम्मीद है कि अप्रैल के महीने से वहां पर काम भ्ाुरू कर देंगे।

(ii) मुख्य मंत्री द्वारा गन्ने की दर निि चत करने सम्बन्धी

श्री अध्यक्ष: आनरेबल मैम्बर्ज, चीफ मिनिस्टर साहब ने सर्वश्री किताब सिंह और हीरा नन्द आर्य के काल अटै ान मो ान पर आज स्टेटमैंट देने के लिये कहा था। वह अब अपनी स्टेटमैंट दे दें।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): भारत सरकार प्रत्येक चीनी मिल के लिए गन्ने की न्यूनतम स्टेच्यूरी दरें निर्धारित करती है जो कि पूर्व वर्श की चीनी की औसत रिकवरी के आधार पर निर्धारित की जाती है। भारत सरकार द्वारा हरियाणा की विभिन्न चीनी मिलों के लिए वर्श 1984–85 में निर्धारित की गई न्यूनतम स्टैच्यूरी दर 13.00 रूपये से 16.47 रूपये प्रति क्विटल थी। पंजाब व उत्तर प्रदे ा की बढ़ी हुई देरें चीनी की औसत रिकवरी हरियाणा से अधिक होने के कारण है।

पिछले वर्श हरियाणा की चीनी मिलों ने गन्ना 20 रूपये प्रति क्विटल खरीदा था तथा अगेती किस्म सी0 ओ0 जे 64 के लिए 3 रूपये प्रति क्विटल का अतिरिक्त प्रीमियम दिया था। राज्य सरकार ने चीनी मिलों को इस बात क लिए मनवा लिया कि वे पिछले वर्श की तुलना मे ंकिसानों को गन्ने को अधिक कीमत अदा रकेगी। वर्श 1983–84 में पंजाब वे उत्तर प्रदे ा में किसानों को गन्ने की कीमत क्रम ाः 20 रूपये व 21.50 रूपये प्रति क्विटल दी गई थी। वह कीमत इसवर्श बढ़ा कर इन दो राज्यों में 22 रूपये प्रति क्विटल की गई हैं दिसम्बर, 1984 में हुई एक बैठक में चीनी मिलों ने यह मान लिा कि वे इस वर्श किसानों को पिछले वर्श की तुलना में एक रूपये प्रति क्विटल अधिक कीमत अदार करेंगी, जबकि इस वर्श पिछले वर्श की तुलना मे ंउत्तर प्रदे ा में गन्ने की कीमत में केवल 50 पैसे की बढ़ौतरी की गई थी। और उस

समय तक पंजाब में गन्ने की दरों बारें कोई घोशण नही की गई थी।

उसके बाद जब मौजूदा वर्श के लिए पंजाब सरकार ने गन्ने की दर 22 रूपये प्रति क्विटल निर्धारित की और अगेती किस्म सी0 ओ0 जे0–64 के लिए 3 रूपये प्रति क्विटली प्रीमियम घोशित किया, तो हरियाणा सरकार ने पुनः राज्य गन्ना नियंत्रण बोर्ड की बैठक दिनांक 12–2–1985 को बुलाई जिसमें गन्ने की दरों बारें विचार किया गया। सभी चीनी मिलों के प्रबन्धकों ने कीमतों में और किसी बढ़ौतरी करने असमर्थता प्रकट की क्योंकि उनके अनुसार खुले बाजार में चीनी की कीमतों में भारी गिरावट के कारण मिलों को काफी नुक्सान हो रहा था। फिर भी सभी चीनी मिलों ने यह मान लिया कि अगर भारत सरकार द्वारा लेवी की चीनी की कीमत बढ़ा दी जाती है तो उसी अनुपात में चीनी मिले अपने पास ही रखेगी ताकि वह चीनी बनाने की बढ़ी हुई लागत पर हो रहे नुकसान को पूरा कर सकें। 20 रूपये प्रति क्विटल से ऊपर की बढ़ौतरी किसानों को 12–2–85 से गन्ने की कीमत की बढ़ौतरी की भाक्ल में रिकवरी के अनुपात में दी जायेगी।

उपरोक्त तथ्यों से यह स्पश्ट है कि गन्ने की कीमतें निर्धारित करते समय किसी प्रकार का भेदभाव नही किया गया है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, अभी मुख्य मंत्री जी के स्टेटमैंट देने से पहले श्रीमती प्रसन्नी देवी जी ने जवाब देत हुए यह कहा है कि एक करोड़ रूपया हमने महेन्द्रगढ के लिए, बजट में टयूबवैल के लिए रख दिया हैं बजट 20–21 तारीख को अभी पे ा होना है। यह बात इन्होने कैसे लीक आउट कर दी। स्पीकर साहब, आप ही देखिये, कि बजट कैसे लीक आउट हो रहा है। बजट अभी हाउस के सामने पे ा हुआ नही है और उसमें जो प्रोवीजन रखा है, वह लीक हो रहा है, यह बड़ा सीरियस मैटर है। इन्होने हाउस को पहले कैसे इन्फर्मे ान दे दी? जिस तरह से श्रीमती प्रसन्नी देवी जी ने यहां पर लीक किया है, उसमें हमें तो इस बात का भी भाक भ्ाुबह है कि जो भी टैक्स वगैरा इस बजट में लगने है व भी लीक हो चुके है। अगरयह बात ठीक है तो इससे बड़ा भारी अन्याय इस सूबे की जनता से हो नही सकता कि बजट प्रेजैंट होने से पहले ही बजट लीक हो जाये। यह बड़ा ही सीरियस मामला हैं

श्री अध्यक्षः चीफ मिनिस्टर साहब की स्टेटमैंट के बाद She will give her personal explanation.

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है, मै उसक बारें में यह कहना चाहता हूं कि मंत्री महोदया ने कोई बजट की बात नही बतायी। उन्होने सिर्फ यह कहा है कि हमारी प्रोपोजल है। प्रोपोजल तो होती है। जब अगले साल का बजट बनता है तो डिपार्टमैंट बाकायदा अपनी

प्रोपोजल भेजता हैं उसके बाद सारी योजना बाकायदा डिस्कस होती है। हमारे आफिसर्ज गवर्नमैंट आफ इंडिया से डिस्कस करके आते है।

Sh. Verender Singh: She has stated very categorically that this is the provision in the Budget.

चौधरी भज लालः नही, उन्होने ऐसा नही कहा है।

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने कहा है कि सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने पंजाब, उत्तर प्रदे ा और हरियाणा में गन्ने के रेट अलग–अलग नि चत किए है। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा के किसान को खाद सस्ता नही मिलता, बीज सस्ता नही मिलता, ट्रैक्टर सस्ता नही मिलता और कोई दूसरी चीज उन प्रान्तों के मुकाबले सस्ती नही मिलती फिर हरियाणा के किसान को गन्ने का रेट कम क्यों दिया जाता है। हरियाणाका किसान दूसरे प्रांतों के किसान से कोई कम मेहनत नही करता। हरियाणा के किसान को पेट्रोल ओर डीजल सस्ता नही मिलता लेकिन फिर भी हरियाणा के किसान को कम कीमत क्यो दी जाती है क्या यह उसके साथ अन्याय नही है? मुख्य मंत्री जी ने यह भी बताया है कि गन्ना बोर्ड की 12.12.1985 को मीटिग हुई थी और प्रबन्धकों ने ज्यादा कीमत देने से इन्कार कर दिया। इस बारैं में मेरा कहना यह है कि एक आदमी के कहने से तो किसी चीज के भाव तय नही होते। अध्यक्ष महोदय, जब पालियामैंट के इलैक ांज थे उस समय मुख्य मंत्री ने किसानों से वायदा किया था कि उस वायदे

का क्या हुआ? अध्यक्ष महोदय, 1980–81 में गन्ने का रेट बढ़ाया गया था लेकिन बाद में कम कर दिया गया, क्या यह हरियाणा के किसान के साथ अन्याय नही हैत्र मै मुख्य मंत्री जी से यह भी पूछना चाहता हूं कि जब पड़ौसी राज्यों में किसानों को गन्ने की कीमत ज्यादा मिल रही है तेा हरियाणा के किसान को उनके बराबर कीमत देने में क्या दिक्कत है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह कहा है कि पालियामैंट के इलैक ंज के समय मैने गन्ने की कीमत एक रूपया बढ़ाने का वायदा किया था। इस बारें में मेरा यह कहना है कि मैने इस तरह का कोई वायदा नही किया था यह बेबुनियाद बात है। स्पीकर साहब, पिछले साल बीस रूपया का भाव था और इस साल हमने इक्कीस रूपया फी क्विंटल का भाव दिया है जबकि यू0 पी0 ने इस साल पचास पैसे बढ़ाये है। स्पीकर साहब, आप जानते है कि गन्ने की कीमत रिकवरी पर डिपैन्ट करती है कि गन्ने में से भाूगर कितनी निकलती है। अध्यक्ष महोदय, पंजाब में रिकवरी साढे दस परसैन्ट या ग्यारह परसैन्ट है, यू0 पी0 में रिकवरी दस सा साढे दस परसैन्ट से चीनी निकलती है। उसी हिसाब से गन्ने की कीमत मिलती है।

चौधरी बलबीर सिंह ग्रेवालः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने रिकवरी की बात की है। अध्यक्ष महोदय, वही वैरायटी हरियाणा में बोई जाती हैं ओर वही वैरायटी यू0 पी0 में

बोई जाती है यह कैसे होसकता है कि यू0 पी0 में तो रिकवरी ज्यादा हो और हरियाणा में कम हो?

श्री अध्यक्षः चौधरी साहब, रिकवरी जमीन की तासीर पर डिपैन्ड करती है। करनाल और भााहबाद में जो गन्ना होता है उसकी रिकवरी में भी फर्क है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आप जानते है कि वही किस्म पंजाब में बोई जाती है, वही किस्म राजस्थन में बोई जाती है ओर वही किस्म हरियाणा में बोई जाती है लेकिन फिर भी रिक्वरी में फर्क पड़ जाता है। बीस मील के एरिया में जो गन्ना बोया जाता है। उसमें भी आपस में रिकवरी में फर्क पड़ जाता है ओर फिर उसकी रिकवरी पर फर्क पड़ता है। रिकवरी जमीन की क्वालिटी पर डिपैन्ड करती है।

Mr. Speaker: It depends on the quaility of the land.

श्री लछमन सिंह कम्बोजः अध्यक्ष महोदय, यू0 पी0 में सरसावा भाूगर मिल है और हरियाणा में यमुनानगर मिल है ंअगर सरसावा मिल मे ज्यादा चीनी निकले तो यह अस्तीफा दे दूंगा। (ाोर एवं व्यवधान)। स्पीकर साहब, यमुनानगर के एरिया के गन्ने में चीनी बिल्कुल भी कम नही है और उसकी कम कीमत देना वहां के किसानों के साथ अन्याय है, उनके साथ बहुत ज्यादती है। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, अन्याया वाली कोई बात नही है। किसान को उसके गन्ने की पूरी कीमत दी जाती है। इसमें कोई दो राय नही है। कि यमुनानगर की फैक्टरी बहुत पुरानी है। अगर मै यह कहूं कि यह फैक्टरी एि ाया में सबसे बड़ी फैक्टरी है तो गलत नही होगा। एक करोड़ क्विटल गन्ना यह मिल हर साल पेलती है और आज तक किसान की तरफ से इस मिल के बारें में कोई ि ाकायत नही आई है। आज तक किसी की पेमैंट नही रोकी है। अगर किसी किसान का पैसा बकाया रहा जाता है तो उसकों मनीआर्डर से पैसा भेजा जाता है। अध्यक्ष महोदय, कोअप्रेटिव सैक्टर में भी मिले है जो सारी की सारी घाटे मे ंचल रही है। जहां तक किसान को गन्ने की कीमत देने का सवाल है सारी बात सदन के सामने रख दी हैं स्पीकरसाहब, आज ये भाई किसान की वकालत करते है यह बात समझ मे नही आई। अगर कोई और किसान की वकालता करता तो बात समझ मे ंआ सकती है। जब चौधरी देवी लाल हरियाणा के मुख्य मंत्री थे और चौधरी चरण सिंह सैन्टर में फाईनैस मिनिस्टर थे उस वक्त के हालात को सारा दे ा ओर प्रदे ा जानता हैं उस वक्त खड़ा गन्ना किसान को जलाना पड़ा था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री जी ने रिकवरी की बात कही है कि रस कम निकलता है इसलिए कम कीमत दी जाती है। उसको मान लेते है। अध्यक्ष महोदय, जो गन्ने की पूली पर जूड़ी बांधी जाती है, उसका वजन पहले चार सौ ग्राम

काटते थे लेकिन अब एक किलों काटने लग है। क्या डी0 डी0 पूरी को परचेंज टैक्स वगैरह का कंसै ान दिया जाता हैं मेरा कहना यह है कि अगर वह कंसै ान देना जरूरी है तो उसको परमानैन्टली कंसै ान क्यो नही दे दिया जाता। हर साल कसै ान देने से स्न्देह पैदा हेाता हैं तीसरी बात यह है कि लोकन पेपर्ज में छपा था कि इलैक ान के टाईम पर चीफ मिनिस्टर ने वायदा किया था कि गन्ने की कीमत एक रूपया पर–क्विंटल बढ़ा दी जाएगी। क्या मुख्य मंत्री महोदय इस बारें में रो ानी डालेगे?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने यह कहा है कि जो पूली पर जूडी बांधी जाती है उसका पहले चार सौ ग्राम वजन काटा जाता था और अब एक किलों काटा जाता है। अध्यक्ष महोदय, अब गन्ना ज्यादा लम्बा होने लगा है मतलब यह है कि गन्ने की लम्बाई ज्यादा हो गई है इसलिए इसको तीन जगह से बांधना पड़ता है इसलिए भारत सरकार ने फैसला लिया है कि जूड़ी एक किलों काटनी चाहि। यह हमारी सरकार का फैसला नही है। भारत सरकार का फैसला है, हरियाणा सरकार का फैसला नही है।

दूसरी बात इन्होने परचेंज टैक्स को छोडने के बारें में कही। केवल एक मिल को छोडने की बात नही है। सारी स्टेट में जितनी भी मिलें है, उन सब पर सरकार का एक ही फैसला लागू होता है और जो भी फैसला किया जाता है, वह किसान के हितों को ध्यान में रखकर ही किया जाता है। अध्यक्ष महोदय आप

जानते है। कि जनवरी फरवरी व मार्च तक गन्ने की करवरी ठीक चलती है। लेकिन जब मई और जून के महीने आते है तो रिकवरी कम हो जाती है। जब गर्मी भुरू हो जाती है। गन्ने की रिकवरी कम हो जाती है और जब रिकवरी कम होती है तो मिल वाले कहते है कि साहब हमें यह भाव मंहगा पड़ता है या तो हम मिल बन्द रकेगे या फिर भाव कम करों लेकिन हम किसानों की भलाई का हर तरह से ध्यान रखते हैं हम किसानों के गन्ने का भाव कम नही करने देते । हम कहते है कि सरकार आपसे परचेज टैक्स नही लेगी, लेकिन आप किसानों के गन्ने का भाव कम नक करों। जब रिकवरी बहुत कम हो जाती है तो यह फैसला भी किसान के हक में किया जाता है और जब मिल मालिक मिल बन्द करने की बाम करे है तब सरकार की ओर से इस तरह का फैसला किया जाता है।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, जैसे–जैसे गर्मी आती है तब–तब गन्ने का वजन भी कम हो जाता है जिससे किसानों को कम पैसा मिलता है (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः बहन जी वजन कम की बात और बहन जी आपका मेरा एरिया भी ऐसा ही हैं हम बो बागड़ी आदमी हैं मै एग्रीकल्चर मिनिस्र रहा हूं। मुझे सब बातों का पता है। गन्ने का वजन तो कम हो ही जाता है और उससे जो चीनी बनती है, उसकी मिकदार भी होती है। जब मिठास कम होगी तो चीनी कहां से बनेगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब जैसे–जैसे गर्मी आती है, गन्ने का वजन कम होता चला जाता है लेकिन भूगर की कंटैन्ट्स तो बढ़ जाती हैं।

श्री अध्यक्षः लेकिन उसे साथ–साथ गन्ने का रास भी तो कम हो जात है। मै तो इतना ही कह सकता हूं कि सरकार किसानों का भला ही कर रही है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर सर, मै इतना ही कहना चाहती हूं कि.....(ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, आपकी बात ठीक है कि गन्ने का रस भी कम हो जाता है और चीनी भी कम बनती हैं बहन जी आप कही से भी पता कर लेना मेरे बताने की बात नही है।

चौधरी धीर पाल सिंहः स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मै यह बताना चाहता हूं कि भारत सरकार का यह निर्दे ा है कि पूली के पीछे 1000 ग्राम का भार कम कर दिया जाऐ लेकिन रोहतक ओर सोनीपत का जा गन्ना है, वह इतना लम्बा नही है इसलिए इस वजन का हम पर फर्क पड़ता है। मेरी आपके द्वारा सरार से रिक्वैस्ट है कि इस बारें में भारत सरकार को लिखे कि जहां पर गन्ने की लम्बाई छोटी है। वहां वजन की कटौती में 1000 ग्राम की कटौती बहुत ज्यादा हे, इस पर फिर विचार किया जाए जाकि किसानों को राहत मिल सके।

श्री अध्यक्षः धीरपाल जी, यह जो बात आप पूछ रहे है, यह हरियाणा सरकार के कंट्रोल में नही है। यह तो भारत सरकार के निर्दे ा है।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री महोदय ने बताया कि अगर किसी पीरियड में रिकवरी कम हो जाती है और आपने कहा कि सरकार किसानों का भला कररही है लेकिन अगर उन्हें परचेज अैक्स की रिमि ान दी जाती है ता हर साल नेय सिरे से देनी पड़ती है। मेरा कहना यह है कि इसके लिए सरकार कोई पीरियड फिक्स कर दे ताकि कोई झगड़ा ही न खड़ा हो। अगर इस तरह का काम सरकार हर साल करेगी तो समझों कि सरकार बारगेन कर रही है ओर मुख रूप से गन्ना प्राईवेट लोगों के हाथ में ही जाता है। इसलिए यह सरकार बारगेन अव य करेगी। इस चीज को रोका जाना चाहिए।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब यह उन सालों में होता है जब गन्ना ज्यादा बच जाता है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, सरकार कहती है कि पंजाब और यू0 पी0 को गन्ने की रिकवरी हमारे प्रदे ा से ज्यादा हैं मै यह कहता हूं कि रिकवरी ज्यादा नही है।

श्री अध्यक्षः यह रिकार्ड की बात है।

श्री किताब सिंहः ठीक है स्पीकर साहब, मै बताता हूं। सोनीपत की 1982–83 की रिकवरी की फिग्गर्ज 10.61, 1983–84

की 9.86 है और पंजाब में घूरी की 1982–83 की फिग्गर्ज 9.37 और 1983–84 की 8.66 है जब कि पंजाब में ज्यादा गन्ना सी0 ओ0 जी0 64 बोया जाता है, उसकी रिकवरी ज्यादा हैं इसलिए टोटल स्टेट की औसत रिकवरी ज्यादा है। हामरे यहां पर सी0 ओ0 जी0 64 किस्म का गन्ना कम बोया जाता है इसलिय रिकवरी भी कम है और यह हमारे किसानों के साथ नाजायज तौर पर ज्यादती है। यह सोर आंकड़े मेरे पास है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होने जो बतलाया है यह बिल्कुल ठीक नही है इसक बावजूद हमारी रिकवरी कम है, पंजाब और यू0 पी0 की ज्यादा है और यह आंकड़े की बात है। ये माने या न माने। इन सब बातों को देखते हुए सी0 ओ0 जी0 64 का 21 रूपये क्विंटल की बजाये 24 रूपये रेट दे रहे है। तीन रूपये ज्यादा मिल वाले दे रहे है। इसके लिए हमने मिल वालों को मनाया कि ज्यो ही लैवी प्राईस फिक्स होगी, इतना रेट बढ़ेगा। उनका खर्चा निकल कर वह 20 रूपये के करीब पड़ता है। बोरी को सीनला, लैबल का खर्चा, मजदूर वगैरह का सारा हिसाब लगाया है, जो कीमत बढ़ेगी 20 रूपये काट कर वह रिकवरी के हिसाब से सारा प्रादे ाक किसान को बढ़ा हुआ रेट भी मिलेगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मै आप के द्वारा बताना चाहती हूं कि क्या कभी मुख्य मंत्री महोदय ने जा कर देखा है कि उस मिल में किसानों को गड्डे खड़े करने के लिए भी कोई जगह नही हैं लोगर अपने ट्रैक्टर भी खड़े नही कर

सकते। उस जगह पर बहुत गन्दगी है। वहां का वातावरण अन–हाईजैनिक है और किसानों को पीने का पानी मुहैया नही हो रहा है। प ाुओं के लिए भी पीने का पानी की व्यवस्था नही हैं दूसरे कोआपरेटिव मिल्ज के साथ कोआपरेटिव रैस्ट हाउसिज है। इस तरह से जो प्राईवेट मिल्ज है, उनके ओनर नाजायज फायदा उठा रहे है। वहां पर किसानों के लिए पीने के पानी का भी प्रबंध नही हैं यह कितनी बुरी बात है। किसान को कोई भी सुविधा सरकार की तरफ से उपलब्ध नही है। इसलिए मेरी आपके द्वारा सरकार से रिक्वैस्ट है कि इस तरह की सारी सुविधाएं किसानों को मिलनी चाहिए।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, किसान के गन्ने की खोई और सीरा का आता है जिस की भाराब बनती है और वह भाराब भाायद 150–150 रूपये बोतल के हिसाब से बिकती है और खोई का ईंधन 50 रूपये क्विंटल के भाव बिकता है। मै आपके द्वारा सरकार से यह जानना चाहता हूं कि किसान के गन्ने की जो कीमत फिक्स की जाती है क्या खोई और सीरे की कीमत भी उसमें फिक्स की जाती है या नही? अगर नही तो क्या सरकार ऐसा करने का कोई विचार रखती है?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब कीमत देते वक्त इन सब बातों का ध्यान रखा जाता है। बहन चन्द्रावती जी ने कुछेक बातें कही, वे ठीक हो सकती है, इसमें में कोई दो राय नही हैं पहला सवाल यह है कि किसानों को गड्डों और उनके ट्रैक्टर्ज

को खड़े करने लिये जगह का बन्दोबस्त होना चाहिए और किसानों के ठहरने क लिए अच्छे विश्रम गृह हा होना भी जरूरी है। यह भी उनकी बात ठीक है। कि दूसरी जगहों पर रैस्ट हाउसिज बने हुए हैं हम इस बात को चैक कर लेगे। प्राइवेट मिल हमारे राज्य मे ंएक ही है, सात कोआपरेटिव मिलें हैं पहले चार कोआपरेटिव सैक्टर में मिले भी और अब तीन और लगायी गयी है। हम बहन जी के इस सुझाव पर अव य विचार करेगे और हमारी पूरा पूरा इन्तजाम होना चाहिए ताकि किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े और उनकों हर तरह से आराम मिले।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

चौधरी कुन्दन लाल द्वारा

श्री अध्यक्षः अब श्री कुन्दन लाला जी परसनल एक्सपलेने ान देगे।

चौधरी कुन्दन लालः अध्यक्ष महोदय, मै परसनल एक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। मेरे अपोजी ान के साथी श्री ग्रेवाल साहब ने मेरे ऊपर यह इलजाम लगाया है कि मैने सफीदों में म्यूनिसिपल कमेटी की जगह घेर रखी है। यह इन का आरोप सरासर गल्त है। बल्कि अपोजी ान पार्टी के भाईयों ने पी0 डबल्यू0 डी0 और नहर की जमीन घेरी हुई है। मै इस सदन में आप के सामने यह कहना चाहता हूं कि सरकार इस बात की जांच

करवाए। अगर मेरा दोश निकले तेा मुझे सजा दी जाए ओरअगरये अपोजी ान के भाई दोशी पाए जोए तो इन के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए।

विभिन्न विशयों को उठाया जाना

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैन ान मो ान फैमिन के बारें में था और आपने आज के दिन के लिये कहा था।

Mr Speaker: You take it as admitted.

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, हमारे अब तक के नियमों के अनुसार अगर एक प्रस्ताव आता है तो जब तक वह डिफीट न हो जाए तो वही चलता रहता है इस बात को महसूस करके अपने एक रूल्ज कमेटी बनाई थी उस रूल्ज कमेटी में जहां तक मेरा अपना अन्दाजा है, आपको तो ज्यादा पता होगा..... .(व्यवधान)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, आर्य जी से पहले मै एक बात कहना चाहती हूं कि माननीय सदस्य बलबीर सिंह ग्रेवाल को जो मुख्य मंत्री जी ने अप ाब्द कहे उसके लिए आपने कहा था कि दोबारा विचार किया जाएगा।

श्री अध्यक्ष: उसके बारें में मैने कल बता दिया था।

श्रीमती चन्द्रावतीः इसी तरह से मुख्य मंत्री जी ने कल यह कहा था कि मेरे पास सवाल का जवाब तो है लेकिन मै नही दूंगा। स्पीकरसाहब, यह तो बड़ी भारी ज्यादती है कि इन के मन में किसी तरह की भी बात आए और उसे बोलते जाए। मै आपके द्वारा उनको कहना चाहती हूं कि उन्हें वे भाब्द विदड्रा करने चाहिए, वापिस लेने चाहिये और हाउस के सामने रिगरैट करना चाहिए।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला)ः स्पीकर साहब, इन द्वारा कल के वाक आउट के बाद हम यह समझते है कि ये चाहते है कि कल की तरह से आज भी वाक आउट करके होस्टल में जा कर खाना खाएं और आराम करें। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं स्पीकर साहब, चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला जैसे सीजन्ड मिनिस्टर अगर यह चाहेगे कि हम आराम करे और इनकों भी आराम हो जाए तो बड़े अफसोस की बात है। (विध्न) मै तो इन का वैसे ही किसी जमाने से दोस्त रहा हूं। अगर ये चाहते है कि चले जाएं और इन को आराम मिले तो हम चले जाते है, हमें को आपत्ति नही। हमने कल भी अर्ज किया था और आपने फर्माया था कि मै इसका बन्दोबस्त करूंगा। मुख्य मंत्री जी के भाब्द आपने एक्सपंज कर दिए लकिन जो बात प्रैस में आ गई उससे क्या आप फील नही करते कि एक मैम्बर का रैपुटे ान बड़ा भारी खराब

हुआ हैं इस बात को मुख्य मंत्री जी भी फील करत होगे लेकिन इनहोने अपना एक फाल्स प्रैस्टिज बना लिया। जिस आदमी में ग्रेस हो वही आदमी ऐसे भाब्द विद्ड्रा किया करता है लेकिन इन्होने अपना फाल्स प्रैस्टिज बना लिया है। स्पीकर साहब, अगर हमें सदन में इसी तरह से गालियां मिलती रही तो भाोभाजनक नही। हमारे कस्टोडियन आप है। अगर हमने कोई गाली दी हो और वह बात प्रैस में आई हो तो उसे वापिस लेने के लिए तैयार है। (ाोर एवं व्यवधान) मै कह रहा हूं कि अगर हमारी तरफ से कोई गलत ब्यानी हुई तो उसे स्पीकर साहब ने एक्सपंज कर दिया लेकिन अगर अखबार में ऐसी बात आ जाती है तो हम ऐसी बात को विद्ड्रा करने वाले पहले आदमी होते। हम न बद–क्लामी करना चाहते है अैर न उसमें यकीन रखते है लेकिन उनके जो बहुत भद्दे किस्म के भाब्द प्रैस में आ गए उसके लिए स्पीकर साहब, उसका प्रबन्ध आप को एक ही मिलेगा कि मुख्य मंत्री जी उन भाब्दों विद्ड्रा करें वरना जो अखबार में आ गया उसका तो आप के पास भी कोई प्रबन्ध नही हैं मुख्य मंत्री जी उठ करउन भाब्दों को विदड्रा करें, वरना गालियों ख कर हम यहां पही बैठ सकते। हमारी आपसे बार–बार यही रिकवैस्ट है कि आप हमारे कस्टोडियन है, कृपया हमें इस इनसल्ट से बचाएं।

श्री अध्यक्षः मैने परसो यह वायदा किया था कि मै कल इसके मुत्तालिक बताऊंगा। आप कल चले गए थे। मै फिर दोबारा सारी प्रोसीडिग्ज पढ़ कर, सोच कर इसी कनकलूजन पर पहुंचा हूं

कि दोनो पार्टियों ने कोई कसर नही छोड़ी। इसलिए इन हालात मे ंदोबारा कोई रूलिग देने वाली बात नही रह जाती।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, जो बाते पब्लि ा हो गई हम तो उसके लिए रिक्वैस्ट कर रहे है, कितने इन्सलिटन भाब्द कहे गए थे।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, ये बार–बार इस बात को रेज कर रहे है। इनका ख्याल यह है कि अखबार में कोइ बात पब्लि ा हो जाए और उसे यहां हाउस में विदड्रा करवा ले। यहां पर अखबार में छपी किसी बात पर डिस्क ान नही हो सकती। क्या आप किसी मैम्बर को यह सकते है कि यह बात अखबार मैं छपी है उसके लिए आप रिगरैग कर दें मै इस पर आपकी रूलिंग चाहता हूं। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः वे क दे कि उन्होने ऐसी बात नही कही। दैट बिल सफाइस।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, अगर हाउस से बाहर कही हुई बात अखबार में छप जाती है तो हम विदड्रा करने के लिए कभी न कहते लेकिन क्योंकि वह सदन में कही गई थी और अखबार में आई इसलिये हम विदड्रा करने के लिए कह रहे है। अगर इन्होने गालियां नही दी तो ये औन ओथ कह दें। (ाोर)

श्री अध्यक्षः जहां तक सुरजेवाला जी की बात पर मेरी रूलिंग की बात है मै ता यही समझता हूं कि प्रैस की बाते हाउस में डिस्कस नही हो सकती। जहां तक आगे थ्रैट्स की बात है उसके लिए मै पूरी कोि ा ा करूंगा कि आयंदा कोई ऐसे अलफाज न कहे जाएं।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा अर्ज करूंगी कि मुख्य मंत्री जी कह दे कि उन्होने ऐसा नही कहा। एक भाब्द जो गलत है उसको वापिस लेने में क्या हर्ज है। मुख्य मंत्री जी अगर गाली देने में बड़प्पन समझते है तो दूसरी बात है। (ाोर)

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): मै कभी किसी व्यक्ति को भद्दा भाब्द नही कहता और न गाली देता हूं। मैने न किसी को गाली दी है और न ही ऐसी मेरी आदत है।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

चौधरी तय्यब हुसैन द्वारा

चौधरी तय्यब हुसैनः स्पीकर साहब, मै परसनल एकसप्लेने ान देना चहता हूं। सी० एम० साहब हाउस के बाहर भी कहते रहेत है ओर आज हाउस मे भी कहा कि मै पालियामैंट में 11 साल सोया रहा। यह बात बे–बुनियाद है। मै बताना चाहता हूं कि 11 साल में बतौर प्राईवेट मैम्बर बिल सारी लोक सभा में मेरा ही मन्जूर हुआ था जो महात्मां गांधी की इमेज के बारें में

मैने रख था। पता नही चीफ मिनिस्टर साहब ने कहां से यह बात कह दी। (ाोर)

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब कल हमारी गैर हाजिरी में चौधरी देवी लाल के बारें में कुछ गलत बातें कही गई है।

श्री अध्यक्ष: वह मै देख लूंगा। आप बैठिए

गैर सरकारी प्रस्ताव पर चर्चा सम्बन्धी प्रक्रिया के नियमों में संशोधन का प्रश्न उठाना

श्री अध्यक्ष: अब सदन एस0 वाई0 एल0 नहर सम्बन्धी गैर–सरकारी प्रस्ताव पर चर्चा रिज्यूम करेगा।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, मै नान–औफि ियल रैजोल्यू ान के बारे में एक प्वायंट उठा रहा था लेकिन बीच में आपने बहिन जी को बोलने की इजाजत दे दी थी। मै यह कहना चाहता हूं कि वर्तमान नियमों के अनुसार अगर कोई नान–औफि ियल रैजोल्यू ान मूव हो जाता है और जब तक वह डिफीट न हो जाए या टाक आउट न हो जाए उस वक्त तक उस परि डिस्क ान चलती रहत है। आपने एक रूल्ज कमेटी बनई भी थी। उस कमेटी की पिछले साल रिपोर्ट आ चुकी है।

श्री अध्यक्ष: अभी कोई रिपोर्ट नही आई।

श्री हीरा नन्द आर्य: आप ही भाायद उसके चेयरमैन थें

श्री अध्यक्षः मै चेयरमैन नही था। उसमें मेरा ख्याल है डा० मंगल सैन, डा० भी सिंह दहिया और चौधरी वीरेन्द्र सिंह मैम्बर थे।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मै मैम्बर नही था।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, ऐसा है कि वह पूरी कमेटी 8 मैम्बरों की थी। उसमें सुरजेवाला जी भी थे और हरपाल सिंह जी भी थे और आप चेयरमैन थे। लेकिन उसमें से एक सब कमेटी बनाई गई जो रैगुलर मीटिंग करती रही। उसमें श्री इन्द्र सिंह नैन, कनवीनर थे अज़ैर डा० मंगल सैन स्पै ाल इनवाइटी थे, मै भी उसका मैम्बबर था।

श्री अध्यक्षः उसकी रिपोर्ट अभी मेरे पास नही आई है।

डा० भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, लास्ट ईयर सबमिट कीथी।

श्री अध्यक्षः मै देख लूंगा।

श्री हीरा नन्द आर्यः स्पीकर साहब, मै एक सबमि ान करना चाहता हूं मेरे ख्याल में सारे माननीय सदस्य इस बात को महसूस करकेगे कि अगर कोई रैजौल्यू ान एक बार सदन में आ जाता है तो हर सै ान में उस र बहस होती रहती है मेरा आपसे नम्र निवेदन है कि नियमों में सं ाोधन कर दिया जाए कि अगर एक रैजोल्यू ान आता है तो उस पर जिस सै ान में वह लाया

जाएगा केवल उसी सै ान में उस पर बहस होगी, अगले सै ान में वह नही आएगा।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब यह बात, जो रूल्ज कमेटी हुई है वही कंसीडर कर सकती हैं जो भी रीजनेबल बात है उसको कमेटी कंसिडर करेगी। आपने जो रूल्ज कमेटी गना रखी है, यदि आप चाहे तोयह ई ा उस कमेटी को भेजा सकता हैं

श्री अध्यक्ष: ठीक है। मै आज ही देख लूंगा।

प्वायंट आफ आर्डर

एक प्रस्ताव पर सदस्य द्वारा दिये गये भाशण सम्बन्धी

श्री हीरा नन्द आर्य: अध्यक्ष महोदय, इसके अलावा मै एक बात और कहना चाहूंगा कि क्या एक मैम्बर उसी रेजोल्यू ान पर 3–3 और 4–4 बार बोल सकता हैं

श्री अध्यक्ष: आर्य साहब, आप एक की क्वै चन पर तीन–तीन चार–चार सप्लीमेंटरीज पूछते है।

श्री हीरा नन्द आर्य: स्पीकर साहब, वह बात अलग है। मै तो यह जानना चाहता हूं कि क्या एक ही मैम्बर एक प्रस्ताव पर तीन–तीन और चार–चार बार बोल सकते है।

श्री अध्यक्षः इस बारें मे ंमै आफ हैड कुछ नही कह सकता। मै इस बारें में बाद में रूलिंग दूंगा।

श्री हीरा चन्द्र हुड्डाः स्पीकर साहब, अभी माननीय सदस्य आर्य साहब ने आपसे यह पूछा कि क्या एक ही प्रस्ताव पर एक मैम्बर तीन–चार बार बोल सकता है तो आपने फरमाया कि आप एक क्वै चन पर तीन–तीन चार–चार सप्लीमेंटरी पूछते है और आप यह भी कहेगे कि इस बारें में रूल्ज की किताब है। मै आपको यह कहना चाहूंगा कि वह रूल्ज की किताब भी आप ही हैं एक्युअली आप ही रूल्ज की किताब है।

शोक प्रस्ताव

चौधरी खिल्लन सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी स कहना चाहूंगा कि जिन महान विभूतियों का निधन हो जाता है उनको सदन में श्रद्धाजलि अर्पित की जाती है। पलवल से श्री धन सिंह एम0 एल0 ए0 हुआ करते थे। उनका निधन हो गया था उनका नाम लिस्ट में भामिल किया जाए और श्रद्धाजलि अर्पित की जाए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, पिछल सै ान में इनकों श्रद्धांजलि अर्पित की जा चुकी है।

चौधरी खिल्लन सिंहः स्पीकर साहब, पिछले सै ान में उनका नाम लिस्ट में ही नही था क्योंकि उनका निधन पिछले

सै ान क बाद हुआ था। चार पांच महीने पहले ही हुआ। इसलिए इस सै ान में उनकों श्रद्धाजलि अर्पित की जानी चाहिए।

चौधरी भजन लालः अगर पिछले सै ान में उनकों श्रद्धांजलि अर्पित नही की गई तो अब उनका नाम उस लिस्ट में भाामिल कर दिया जाए।

गैर सरकारी प्रस्ताव

एस0 वाई0 एल0 लहर के निर्माण सम्बन्धी (पुनराम्भ)

Mr. Speaker: Now the house will resume discussion on the non-officia reslution regarding S.Y.L. Canal which ws moved by Sh. Devi Dass, on behalf of Sh. Fateh Chand Vij, on the 15th September, 1983, and further discussed on the 15th and 29th March, 1984.

The Irrigation and Power Minister who was on his leges when the House adjourned on the 29th March, 1984, may please resume his speech.

सिचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी शमशेर सिंह): अध्यक्ष महोदय, पिछले सै ान में एस0 वाई0 एल0 के बारें में जो प्रस्ताव आया था, इस बारें में मै बोल रहा था उस वक्त हाउस अनि चत काल के लिए स्थगित हो गयाथा। अब मै आपकी इजाजत से यह कहना चाहूंगा कि इस प्रस्ताव पर कई माननीय सदस्या बोलना चाहेगे और माननीय सदस्यों की कई बातें है जिनके द्वारा वे इन्फर्मे ान भी एक्सपैक्ट करेगे। मै बाद में इन्टरवीन कर लूंगा।

इस वक्त आप दूसरी मैम्बर साहेबान को बुलवा लें। मुझे आप बाद में बोलने के लिए समय दें दे।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

(इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए)

चौधरी ओम प्रकाशः उपाध्यक्ष महोदय, मै एक सबमि ान करनाचाहता हूं। पिछले बजट सै ान में को आप्रेटिव सोसाइटीज बिल पे ा हुआ था और उस पर काफी एतराज उठाए गए थे। मुख्य मंत्री जी ने उसी सै ान मं यह माना था कि इस बिल पर एक कमेटी बना दी जाएगी और वह बिल कमेटी को भेज दिया गया था और इन्होने यह भी कहा था कि वह कमेटी जो भी अमैडमैट्स के बारें में सजै ज्ञंज देगी उनको इनकारपोरेट कर दिया जाएगा। मेरा ख्याल है कि उस कमेटी की जून या जुलाई के महीने में मीटिग हो चुकी है और उसमें कुछ अमैडमट्स सुजैस्- करके भेज दी है। मै मुय मंत्री से यह जानना चाहता हूं कि क्या उन अमैडमैट्स को उस बिल में कब कारपोरेट कर दिया जायेगा?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, यह बात पहले मेरे नोटिस में नही थी। माननीय सदस्य आज ही मेरे नोटिस में लाए है। मैने उस कमेटी की रिपोर्ट देखी भी नही है। यदि उस कमेटी ने सर्वसम्मति से कोई अमैडमैंट की सुजै ान दी है तो हम उसको जरूर मानेगे ओर इसी सै ान में ला आएंगे।

श्री उपाध्यक्षः राव इन्द्र जीत सिंह।

राव इन्द्रजीत सिंह (अटेली): उपाध्यक्ष महोदय, हमारे माननीय सदस्य श्री फतेह चन्द विज ने काफी महत्वपूर्ण प्रस्ताव एस0 वाई0 एल0 के बारे में सद मे ंरखा है और इस आउस में इस प्रस्ताव के बारें में जितने भी आईडियाज एक्सप्रैस हुए है, मै भी उनके साथ सहमत हूं। जब तक हमारे हरियाणा के किसानों की माली हालत नही सुधर सकती। यदि हरियाणा के किसानों की माली हाल सुधरनी है तो एस0 वाई0 एल0 का जितना पानी हमारे हिस्से में आता है वह अव य पहुंचना चाहिए। जो परिस्थितियां हरियाणा ओर पंजाब के बीच में है उनको मद्देनजर रखते हुए, सरकार की तरफ से और हरियाणा के हर नागरिक की तफ से इस तरह का सुझाव आना चाहिए जिससे एस0 वाई0 एल0 का पानी हमारे हरियाणा में किसी न किसी तरीके से आए। खास करके उन जिलों में सबसे पहले पानी आए जहां पर लोग पानी के बिना प्सासे मर रहे है। जैसे महेन्द्रगढ़ जिला है ओर भिवानी जिला है वहां पर किसी भी हालत मे ंपानी नही पहुंचा हैं ओर एस0 वाई0 एल0 का पानी इन दोनों जिलों को मिल जाए तो वहां पर पीने के पानी की आगमेटे ान हो जाएगी। हमारे कई ऐसे इलाके है जहां पर खारा पानी है। और इन इलाकों के किसान किसी प्रकार की कोई फसल भी नही बो सकते है। पहले जो की फसल में खारा पानी दे दिया करते थे और जौ की फसल खारे पानी की सिंचाई से हो जाया करती थी लेकिन अब वह भी नही हो पाती हैं उन इलाकों में जितने टयूबवैल लगे हुए है। उनका पानी भी सूखता जा रहा है चाहे उन टयूबवैल का पानी मीठा था चाहे खारा था

तकरीबन सारे टयूबवैल्ज का पानी खत्म होने जा रहा है। जमीन के नीचे जितना पानी था उसकी 80 परसैंट एक्सप्लायटे ान हो चुकी है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस चीज को देखते हुए मै हरियाणा सरकारसे प्रार्थना करूंगा कि हमारी सरकार भारत सरकार को एक प्रस्ताव पास करके भेजे कि किसी न किसी तरह से एस0 वाई0 एल0 का रूका हुआ पानी हरियाणा के अन्दर आए।

इसके अलावा मै एक बात और कहना चाहूंगा। जो जे0 एल0 एन0 नहर पर कंस्ट्रैक ान की गई है। जितना पैसा इस नहर को बनाने में खर्च किया गया है वह सारा पैसा बरबाद ही हुआ हैं जे0 एल0 एन0 नहर में से जितनी भी छोटी छोटी और बड़ी नहरें निकाली गइ है उनका महेन्द्रगढ़ जिले में जाल बिछाया हुआ है। वे सारी की सारी टूट चुकी है। और जे0 एल0 एन0 नहर से अलग हो गई है उनके अन्दर पानी नही गया वे सारी बेकार हो गई हैं उनके ऊपर से एक दूसरे गांव में जाने के लिए जो रास्ते थे और जिन रास्तों से किसान लोग बैलगाड़ी या अपना ट्रैक्टर खेत में ले जाया करते थे वे सारे रास्थे रूके हुए हैं सरकार के पास इतने पैसे नही ं जिससे उन पर पुल बना दे क्योंकि जितना उनके लिए बजट था वह सारा उसकी कंस्ट्रैक ान पर लगा दिया। कंस्ट्रैक ान करने के बाद उनके अन्दर आज तक पानी नही गया। किसानों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ता है। किसान हमें कहते है कि सरकार ने हमारे लिए कुछ नही किया। इससे सरकार को भी नुक्सान है और किसानों को भी नुक्सान है। हर आदमी को सफर

करना पड़ रहा है जो कास्ट आफ कंस्ट्रैक ान एस0 वाई0 एल0 चैनल के लिए करनी है वह बहुत एस्कलेट हो गई है। मै समझता हूं कि वह सारे कासारा खर्चा पंजाब सरकार को करना चाहिए। उसकी कंस्ट्रैक ान पर खर्च करती है तो टैक्स के जरिए से या किसी और जरिए से हमारे प्रदे ा के किसानों को वह खर्चा बीयर करना पड़ेगा।

पंजाब की सरकार इस एस0 वाई0 एल0 नहर को बनाने का सारा खर्च हरियाणा सरकार से ले रही है। जो नहरें हरियाणा सकरार ने अपने एरिया में निकाली हुई है। उन पर पुलों का ठीक ढंग से प्रबंध नही यिका गया जिसकी वजह से लोग नहरों को तोड़ कर अपना रास्ता बनाए हुए वहां पर पुल बनाएं जाएं ताकि किसानों की बैल गाड़िया या ट्रैक्टरों आदि के आने जाने का ठीक ढंग से रास्ता नही छोडा जिसकी वजह से किसानों को ऐसा करना पड़ता हैं किसान लोगों को ऐसा इसलिए करना पड़ता है ताकि उन्हे आने जानेमें कोई दिक्कत न आए। वे रात के समय में नहरे तोड़ कर अपना रास्ता बनाते है। उनके दिमाग में यह भी बात रहती है कि एक तो हमें इस नहर से पानी नही मिल रहा दूसरे हामरे आने जोन का रास्ता भी नही छोड़ रखा। जब नहर टूट जाती है तो उससे नुकसान सरकार को ही होता है। बाद मे नहर टूटने पर लोगों को परे ाान किया जाता हैं अगर लोग नहर के ऊपर से साईफल या पाईप आदि लगाकर पानी निकालते है तो कहते हैकि यह पानी क्यो लेते हैं इस प्रकार से एक और केस

किसानों के खिलाफ सरकार दर्ज कर लेती है। इस प्राकरसे और केस किसानों के खिलाफ सरकार दर्ज कर लेती है। इसलिए मेरी सकरारसे प्रार्थना है कि इस पर कोई न कोइ अमल जरूर किया जाए ताकि महेन्द्रगढ़ के एरिया में या भिवानी के एरिया में पानी अधिक से अधिक पहुंच सके। डिप्टी स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव पर पहले ही काफी चर्चा हो चुकी है इसलिए मै और ज्यादा बातें न कहते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री फतेह चन्द विज (पानीपत): डिप्टी स्पीकर साहब, यह प्रस्ताव मैने आज से डेढ़ साल पहले 15.9.1983 को इस सदन में पे ा किया था लेकिन इस प्रस्ताव को आज डेढ़ साल हो गया है, अभी तक इस पर कुछ भी अमल नही हुआ है। इस डेढ साल के अर्से के दौरान पहले की अपेक्षा हालात भी बहुत बदल गए हैं जो उम्मीदे आज से 3 साल पहले लगाई जा रही थी, वे सब धरी की धरी रह गयी है। आज से तीन साल पहले जब स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने पंजाब के अन्दर कपूरी स्थान पर इस नहर का उद्घाटन किया तो उस समय यह आ ाा बांधी थी कि यह नहर जल्दी ही बन कर तैयार हो जाएगी। उस समय यह कहा था पंजाब में भी कांग्रेस सरकार है, हरियाणा में भी कांग्रेस सरकार है और सैन्टर मे भी कांग्रेस सरकार है इसलिए यह नहर बन कर जल्दी ही तैयार हो जाएगी। उस समय तो सभी को यह आ ाा बंधी थी कि हरियाणा का जो वीराना हिस्सा बेकार पानी के बिना पड़ा है, उसको पानी मिलेगा ओर वह स्सिाभी खु ाहाली

से लहरायेगा। पानी के बंटवारे का जब पहली बार फैसला हुआ था तो उस समय अकालियों ने पंजाब के अन्दर दीपवामाल की थी। लेकिन जब दुबारा फैसला आज से तीनसाल पहले हुआ और इसका उदघाटन किया तो उस समय सभी को पूरी आ ाा बंध गई थी कि यह नहर अब अव य ही पूरी हो जाएगी। डिप्टी स्पीकर साहब, इस दि ाा में आज तक कुछ भी नही हो पाया। यदि हर साल 4–4 या 5–5 किलोमीटर की भी खुदाई हुई होती तो आज तक 10–12 किलोमीअर की खुदाई हो चुकी होती। लेकिन आज तक एक किलोमीअर की भी खुदाई नही हो पाई। इसके विपरीत हमारी सरकार ने कई करोड़ रूपया पंजाब सरकार को इस नहर की खुदाई के लिए दे दिया है। पिछले सदन में मुख्य मंत्री जी ने बताया था कि इस रूपये के अलावा 5 करोड़ रूपया और पंजाब सरकार को इस नहर की खुदाई के लिए दे दिया जा चुका है। अब अखबारों में यह खबर भी आई कि इस नहर की खुदाई के लिए जो बुलडोजर आदि थे, उनको भी पंजाब सरकार ने वहां से उठाना भाुरू कर दिया है यह खबर आज से 15–20 दिन पहले अखबार में आई थी। मेरा ख्याल है कि यह नहर इस सदी में तो बनकर तैयार नही होती और हो सकता है कि अगली सदी में यह नहर बन पाए। मै आपके जरिए सरकार से कहना चाहता हूं कि हाउस एक प्रस्ताव पास करके सैन्टर सरकार के पास इस नहर की खुदाई की मियाद मुकर्रर करके भेजे। प्रस्ताव में लिखा जाए कि अगर यह नहर इतने समय में पूरी नही होगी तो हम सब एक साथ अस्तीफा दे देगे। इस मामले में हम

सभी आपके साथ है अब सैन्ट्र सरकार ने पंजाब में हालत सुधरने के लिए कोि ा ा की है क्योंकि अभी राजनीतिक तौर पर पंजाब में नया राज्यपाल लगाया गया है। जिस हिसाब से पंजाब में गवर्नर महोदय की बदली हुई उससे ऐसा लगता है कि यह नहर नही बनेगी। क्योकि जब भी कोई फैसला होताहै तो इस मसले को कमी ान को सौंप दिया जाता है यदि पंजाब का फैसला होने के साथ साथ नहर का काम पूरा नही होता तो मै यही समझूंगा कि नहर की खुदाई के मामले में सरकार की नीयत साफ नही है। मुझ तो ऐसा लगता है कि कही अब फिर इस मसले को किसी कमी ान के पास न सौप दे क्योंकि पहले भी ऐसे कमी ान मुकर्रर हो चुके है। जिस कारण हरियाणा को हमे ाा घाटा हुआ है। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी संबंध मैं मुझें एक मिसाल याद आ गई। किसी एक आदमी ने किसी दूसरे आदमी से 1000 रूपये उधार ले लिए। जिस व्यक्ति ने उधार दिए थे उससे पैसे वापिस लेने की 3 साल की मियाद मुकर्रर कर दी। जब तीन साल निकल गए तो पैसे देने वाले आदमी ने कहा कि भाई पैसे दे देा, समय पूरा हो चुका है। इस पर पैसे लेने वाले आदमी ने कहा कि ठीक है। मै 250 रूपये कम कर देता हूं 250 रूपये कम करने के बद फिर तीन साल की मियाद रखी गइ।। जब तीन साल पूरे हेा गए तोदेने वाले उससे अपने पैसे मांगे तो वह कहने लाग कि भाई पैसे ज्याद है कुछ और कम कर देा। इस पर देने वो कहा कि ठीक कम कर देता हूं। उसने उकसे कहने पर 250 रूपये और कम कर दिए। जब उसके बाद वह लेने गया तो कहने लगा कि भाई

पैसे नही है। इस पर देने वाले आदमी ने कहा कि थोड़ी कम कराने की और मेहनत करे, सारे पैसे ही उत्र जाएंगे मैरं कहने का मतलब यह है कि पानी के मामले में पहले भी कई कमी ान मुकर्रर हो चुके है इसलिए मै अन्त में केवल इतना ही कहना चाहता हूं कि सोर हाउस को चाहे वह ट्रैजरी बैचिज का मैम्बर है या अपोजी ान ब।चिज का मैम्बर है यह फैसला करना चाहिए कि यदि इस तिथि तक यह नहर तैयार नही होगी तो सभी मैम्बरों का अस्तीफा मन्जूर समझा जाये। अतः मै ज्याद न कहते हुए अपना स्थान लेता हूं।

श्री हीरा नन्द आर्यः डिप्टी स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव को लटके हुए आज डेढ़ साल हो गयौ जिस दिन से यह प्रस्ताव हाउस में लायागया है कह रहे है। कि इसे पास कर दियाये।

श्री कंवल सिंह (धिराय): डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा कृशि प्रधान प्रदे ा हैं जब भारत को आजादी मिली तो पंजाब को कुछ हिस्सा पाकिस्तान में रह गया और कुछ हिस्सा इधर आ गया। जो हिस्सा इधर आया था, उसके भी दो एरिया थे। ऐ हिन्दी स्पीकिगि एरिया था और दूसरा पंजाबी सपीकिग एरिया था। हिन्दी सपीकिग एरिया बाद में आ कर हरियाणा बन गया और पंजाबी स्पीकिग एरिया आज हा मौजूदा पंजाब है। ज्वायट पंजाब के समय हिन्दी स्पीकिग एरिया आज का मौजूदा पांजाब है। ज्वायंट पंजाब के समय हिन्दीसपीकिग एरिया पिछड़ा हुआ कहलाता था। यह एरिया इसलिए पिछड़ा हुआ था क्यों इसके

विकास की तरफ पूरा ध्यान नही दिया गया था। इस एरिया के खेतों को पानी देने के लिए गर्वमैंट ने कभी ध्यान नही दिया। इस एरिया के खेतों को पानी देने के लिए गर्वनमैंट ने कभी ध्यान नही दिया। इस एरिया का विकास ने होने का मेन कारण पानीकी कमी थी। डिप्टी स्पीकर साहब, अंग्रेजो के जमाने में जाब चौधरी छोटू राम जी थे तो उन्होने कहा था कि सतलुज नदी पर बांध बनाया जाना चाहिए और पानी दिया जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, ये भाखडज्ञ बांध बनाये जाने के पहले ही नहरे बनकर तैयार हो गई थी। बांध बनाये जाने पर इस नहर मे ंपानी लचना भाुरू हो गया था। उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि इस इलाके में पानी आने से कितनी तरक्की हुई है? बाद में जब पंजाब और हरियाणा अलग अलग हुए तो उस समय भी हमार हरियाणा मैं पानी आने से कितन तरक्की हुई है? बाद मै जब पंजाब और हरियाणा अलग अलग हुए तो उस समय भी हमारे हरियाणा में पानी की कमी थी और आज भी हरियाणा मे ंपानी की कमी लगातार बनी हुए हैं बाद में कुछ पानी भाखड़ा का और कुछ यमुना नहर के पानी को मिला करके लिफ्ट इरीगे ान स्कीम के जरिए भिवानी और महेन्द्रगढ़ के एरिया में पहुंचाया गया है। इस पानी के पहुचन सके बाद भी प्रदेश के सारे सूखाग्रस्त क्षेत्रों में अभी तक पानी नही पहुंच पाया है। अभी हरियाणा का बहुत सारा इलाका सूखे से प्रभावित है। यहद यह एस0 वाई0 एल0 नहर बन कर तैयार हो जाती है तो जो बचा हुआ एरिया है वह इस नहर के पानी से कवर हो सकता है ंस्पीकर साहब आपको मालूम है कि जब लिफ्ट इरीगे ान स्कीम

भिवानी और लौहारू के इलाके में लागू हुई तो उस सारे इलाके की कायाकल्प हो गई। अब गुडगावां और महेन्द्रगढ जिलों में कुछ ऐसे इलाके रह गये है जिन में दूर दूर तक पानी तो लग सकता है लेकिन वहां पानी नही पहुंच पाता। सरकार ने करोड़ों रूपये खर्च किये है हरियाणा में जहां जहां यह सिस्टम कम्पलीट है, वहां पानी नही पहुंचता। दुर्भाग्य की बात यह है कि पंजाब के पास तरफ हमारे हक का पानी हमें नही मिल रहा और दूसरी तरफ पंजाब के पास जो सरप्लस पानी है वह हरियाणा को देने की बजाए पाकिस्तान में पहुंच रहा है। हरियणा को बे पानी देना ही नही चाहते। हम 30 करोड़ रूपया इस सिस्टम पर खर्च कर चुके है। 1976 मे ंएग्रीमेंट हुआ और इस पानी का बंटवारा हो गया था और साढ़े 3 एम0ए0एफ0 पानी हमें मिला था। इसके बाद पंजाब के भाईयों ने भाोर मचाना भाुरू कर दिया कि पंजाब के ऊपर कुठाराघात किया है। यह एग्रीमैट इम्पलीमैट नही हुआ। आज पंजाब के ज्यादातर इलाके में वाटर लार्गिग की प्राब्लम हो गई है। फायदे की बजाये नुक्सान हो रहा हैं लेकिन उन्होने इस मामले को पुलिटिक इ ा बना लिया। आज राजस्थान भी अपने हिस्से के पानी को इस्तेमाल नही कर पा रहा क्यों उनको सिस्टम कम्पीट नही हैं इसका लाभ पंजाब को हो रहा है। ठीक फायदा उठाएं हमें इस बात का कश्ट नही, दुख इस बात का है कि जो पानी हमें मिल चुका है , उसको भी देने के लिए तैया नही है। पता नही उनको किस बात की चिढ़ हो गई है। डिप्टी स्पीकर साहाब, 1977 में, पंजाब में अकालियों की गवर्नमैंट थी और श्री प्रका ा

सिंह बादल चीफ मिनिस्टर थे। हरियाणा में जनता पार्टी की गवर्नमैट थी जिसके चीफ मिनिस्टर चौधरी देवी लाल थे। इन दोनों चीफ मिनिस्टर्ज का आपस में भाईचारा था। दिल्ली मे ंभी अकालियों का हिस्सा था। चौधरी देवी लाल ने बादल के साथ भाईचारे को दिखाने की कोि ा ा की। लेकिन बादल साहब ने भाईचारा नही निभाया, सिर्फ फारमैलिटी निभाई। अन्दर से वे बिल्कुल नही चाहते थे कि हरयिाणा की तरक्की हो। हरियाणा मे ंदो साला जनता पार्टी का राज रहा ओरपंजाब में अढ़ाई साल अकालियों का राज रहा। उस समय इन अढ़ाई सालों के बची एस0 वाई0 एल0 के ऊपर कोई कार्यवाही नही हुई। हरियाणा में 76 किलोमीटर नहर बनी हैं और पंजाब में 112 किलोमीटर बननी है। इस 112 किलों के एरिये में अभी तक कोई काम नही हुआ। इसक बाद दोबारा एग्रीमैंट हुआ जिसका फाउंडे ज्ञन स्टोन श्रीमती इन्दिरा गांधी ने रखा। उपाध्यक्ष महोदय, मजौरिटी कम्युनिटी चाहे कही भी हो हो, वहां ज्यादा इकट्ठी होती है जिसकी वजह से उनको ज्यादा फायद होता है। माइनोरिटी कम्युनिटी को इसके आगे झुकना पड़ता है। हरियाणा में ज्यादातर लोग वे है जो हिन्दू मजोरिटी से ताल्लुक रखते है हालांकि इस प्रांत में सिख भाई भी है इन सिख भाईयों को उतना ही हिस्सा मिलता है जितना किसी दूसरे भाई का मिलता हैं लेकिन पंजाब क सिख भाई इस बात को प्राथमिकता नही देते। हम को इस पानी से जो हामरा जायज हिस्सा बनात है महरूप रखा हुआ है। भाुरू भाुरू में हमारा हिस्सा 4.6 एम0 ए0 एफ0 बनता था लेकिन जब इनके दवाब के नची

दोबाीर एग्रीमैट हुआ तो हामर हिस्सा 3.5 एम0 ए0 एफ0 रह गया और पंजाब का पानी बढ़ाकर 4.44 एम0 ए0 एफ0 कर दिया यह फिगर की जगलरी है। इसमें कोई दो राय नही कि दोबारा एग्रीमैंट में हमें नुक्सान हुआ है लकिन अगर इस वक्त हमें 3.5 एम0 ए0 एफ0 पानी ही मिल जाए तो भी काफी होगा। अब सवाल यह है कि पानी मिले तो सही। यह तभी मिलेाग जब एस0 वाई0 एल0 नहर पंजाब के एरिये से बनकर हरियाणा में आये। पंजाब के एरिये मं 112किलोमीटर नहर बननी है। पहले एस्टीमेट्स के हिसाब से 40 करोड़ रूपये में काम चल सकता था। जब 1976 का एग्रीमैंट हुआ था, अगर उस वक्त काम भाुरू हो जाता तो 40 करोड़ में काम चल जात, लेकिन अब 40 करोड में कुछ नही होने वाला। अब कितना खर्च आयेगा, इसकी एगजैक्ट फिगर हमारे मंत्री महोदय ही बतायेगी, मै कुछ नही कह सकता। इस एग्रीमैंट के अनुसार जब एस0 वाई0 एल0 पर काम भाुरू हुआ था तो उस वक्त पांजब में सरदार दरबारा सिंह मुख्य मंत्री थे और इधर हरियाणा में चौधरी भजन लाल मुख्य मंत्री थे। सैन्ट्रल गवर्नमैंट इसके पीछे गवाह थी और इसके लिए जिम्मेदार थी, क्योंकि उनकी अध्यक्षमा में इसका काम भाुरू हुआ था औरयह काम दिसम्बर, 1983 तक कम्पलीट होकर हरियाणा को पानी मिलना था। लेकिन दिसम्बर, 1984 भी गया और अब दिसम्बर, 1985 आने वाला है। एस0 वाई0एल0 के बारें में जो कुछ सुनने में आ रहा है और जो कुछ अखबारें में आ रहौ, उसके मुताबिक यही है कि जितन एरिया में नहर की खुदाई होनी है उस जमीन की अभी एक्वीजी ान ही नही

हुई हैं टोटल लैन्थ 112 किलोंमीटर है जिसकी एक्वीजी ान होनी है और लाईनिग होनी है। जब तक एक्वीजी ान नही होगी तब तक लाईनिग नही हो सकती। कब एक्वीजी ज्ञन होगी, कब लाईनिग होगी, और कब इस पर काम भुरू होग? डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले दिनों आपने अखबार में पढा होगा और इसके साथ ही एक फोटो देखा होग जिस में ऊंटों की लेबर थी। उन ऊंट वालों को, जिन्होने एस0 वाई0एल0 नहर पर काम किया है, करोडों रूपये की पेमेंट नही की। जब इता बैगलोग चला जाए, काम करने वालो को पैसा न मिले तो वे आगे काम कैसक करेगे? इस का नतीजा यह हुआ कि ऊंटो वाले और कंट्रैक्टर काम छोड कर भाग गये। अब काम और सफर कर रहा है। इस 112 किलोमीटर टुकडे पर एस्टीमेटिड कौस्ट 192 करोड़ रूपये की है लेकिन सैन्ट्रल गवर्नमैंट ने इस को रिडयूस करके 176 करोड़ के करीब बना दिया हैं हरियाणा ने इस मे ंसे 145 करोड़ रूपया देना है जिसमें से 48 करोड रूपया अब तक दे चुके है। पंजाब के भाईयों की नीति यह है कि हरियाणा के सारे रिसोसिज एस0 वाई0एल0 नहर में गिरा दो और बाकी कोई काम न करों जिससे हरियणा की तरक्की न हो पाये। इसलिए हमारी सरकार को यह कोि ा ा करनी चाहिए कि वह सैन्ट्रल गवर्नमैंट को प्रैस करे कि अगर एस0 वाई0एल0 नहर की डीलिग का काम हमें दे दिया जाए तो उन की मेहरबानी होगी। अच्छा तो यही रहेगा कि जो हमारा अपना काम है, उसको हम अपने आप करें क्योंकि हामरा ही पैसा लगना है और हमारी ही नहर बननी है। जितना एरिया एक्वायर

होना है, उसको एक्वायर करके हमारे हवाले कर दिया जाए और हमारे इंजीनियर वहा जा कर सारा काम कम्पलनीट करके पानी लेकर आ जाए लेकिन इसे पंजाब के भाई यह समझते है कि हरियाणा के इंजीनियर पंजाब की टैरिटरी मूं क्यों एप्रोच करे। इसलिए मै समझता हूं कि सैन्ट्रल गवर्नमैट की एक एजैसी बने जिसका टाईम बाउंड प्रोग्राम हो। दो साल हो गए है, इस दि ाा में कोई प्रगति नही हुइ। मै समझता हूं जब मंत्री जी इस संबंध में जवाब देगा तब सारी बात का पता चलेगा, पता नही उनका क्या प्रोग्राम है। मेरे हिसाब से अगर यह काम 1987–88 से पहले कम्पलीट हो जाए तो ठीक है लेनि जिस तरह से इस वक्त काम चल रहा है, इस तरह यह पूरा होने वाला नही है और इस प्रोग्राम के तह तो यह 20 साल तक नही बन सकती। अगर 20 साल तक यह नहर नही बनी तो हरियाणा के जिस एरिया में नहर का काम कम्पलीट हो चुका है, वह सारे का सारा खराब हो जाएगा। सारा सिस्टम ही डैमेज हो गया और बड़ा भारी नुक्सान हो जाएगा। डिप्टी स्पीकर साहब, आप जानते है कि अगर नहर को कम्पलीटर करके छोड दिया जाए, उकस इस्तेमाल न किया जाए तो आप देखेगे उस जगह पर घास उग जाती है , पेड उग जाते है जिससे लाईनिग खराब हो जाती। अगर नहर की लाईनिग में छोटे मोट पेड़ उग आये तो सारा सिस्टम खराब हो जाता है। इसलिए अगर यह नहर जल्दी कम्पलीट न हुई तो हमारा बना बनाया खेल खराब होने वाला है। प्रांत की जा तरक्की होनी है वह पानी के बिना रूकी हुई। डिप्टी स्पीकर साहब, आप जानते है कि किसार की

इकनोनौमिक कंडी ान के साथ सारे देक्ष की इकोनोमी जुड़ी हुई है। अगर किसान की हालत नही सुधरेगी तो सारे दे ा की हालत भी नही सुधरेगी। किसान की हालत अच्छी होगी, पैदावार अच्छी होगी तो दे ा में इंडस्ट्रीज पनपेगी और प्रांत के नागरिकों की पर–कैपिटा इन्कम बढेगी। उपाध्यक्ष महोदय, अब एक बात मै और बताना चाहता हूं। हमारी सरकार ने यह भी तय किया हुआ है कि हर गांव को पीने का पानी दिया जाए। ऐग्जैक्ट फिगर तो मै नही बता सकता लेकिन यह बात सही है कि इस स्टेट के अन्दर बहुत बड़ी मात्रा में पीने के लिए पानी चाहिए। यह जो जवार लाल नहरू कैनाल सिस्टम है उससे प्रभावित होने वाले इलाके में कम से कम 40–50 हजार क्युसिक पानी ड्रिकिग वाटर के रूप मे ंचाहिए। वैस्टर्न जमुना कैनाल सिस्टम मे ंपिछले तीन ग्रुप होत `थे लेकिन अब 4 ग्रुप बना दिए गए है। जिन लोगों ने फसल बो रखी थी उनकों बरसात में 21 दिनों मे ंसे 15 दिन पानी मिल जाता था। लेकिन अब दिक्कत हो रही है। मेरी कांस्टिचुऐसी हिसार जिले में है। वह प्योरिली वैस्टर्न जमुना कैनाल सिस्टम से फीड होती हैं वे लोग त्राहि–त्राहि कर रहे है कि कृपया हमारी फसल पकवा दीजिए क्योंकि हम इस बार गलती से गेहूं बीज चुके हैं वे तो यहां तक कहते है क अगर अगल साल भी ग्रुपिग सिस्टम चार का रहना है वे सोइंग उसी हिसार सके करेगे। उपाध्यक्ष महोदय, आप स्वयं खेती करते हैं आप जानते है है कि गेहूं की जा लेटैस्ट वैराइटी चली हुई है। उसके अन्दर कम से कम 15 दिन मते ंपानी चाहिए। 21 दिन पानी मिल जाए तो और भी अच्छी बात है। पानी

की रिक्वायरमैट हमारे देसी गेहूं में कुछ कम होती। उपाध्यक्ष महोदय, एक ग्रुप को 8 दिन पानी मिलता है। इस हिसाब से चौथे ग्रुप को 32 दिन के बाद पानी मिलेगा। आप अन्दाजा लगाएं कि 32 दिन कि बाद अगर एक किसान की बारी आएगी तो क्या हाल होगा? उपाध्यक्ष महोदय, आप यह भी जानते है कि एक फसल को बीजने में किसान की कितनी कौस्ट लगती है? आज उसकी फसल अगर पक न पाए तो उसे दिल पर क्या बीतेगी? मुझे उम्मीद है कि अभी मंत्री महोदय इस बात की पुश्टि कर देगे कि वैस्टर्न जमुना कैनाल सिस्टर के नीचे जितना भी एरिया है इस 4 ग्रुप सिस्टम बनने से 32 दिन के बाद पानी मिलता है। मै इसके लिये गवर्नमैंट को टोअली ब्लेम नही दे सकूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, कोई यह तो कह सकता है जवाहर लाल नेहरू सिस्टम को सिंचाइ के लिये तब तक पानी देना बंद रखा जाये जब तक एस0 वाई0एल0 का पानी नही आ जात। क्यों उन्हे बारानी खेती करने की आदत है लेकिन इस इलाके में, जैसा मैने पहले कहा, पीने के लिये भी तो पानी चाहिए। आप किसी भी इलाके में, जैसा मैने पहले कहा, पीने के लिये भी तो पानी चाहिए। आप किसी भी इलाके के बारें में यह नही कह सकते कि वहां के लोगों को पीने का पानी न मिले। आपने अखबार मे ंपढा होगा कि जहां पीने के स्वच्छ पानी की सुविधा न हो तो वहा पर नारवा नाम की कोई बीमारी फैल जाती है। आज के आधुनिक समय में यह जरूरी है कि लोगों को पीने के लिये हाइजीनिक पानी मिले ताकि उनकी सेहत ठीक रहे। इसलिये मैं यह नही कह सकता कि इससिस्टम

को टोटली इस ग्रुपिग सिस्टम से निकाल दिया जोय लेकिन जो ऐग्जिसिटंग एरियाज इससे पहले फायदा उठाते थे उनके किसानों को इससे नुक्सान नही होना चाहिये। इन भाब्दों के सथ में आपके द्वारा सरकार से अनुरोध करूंगा कि इस रैजोल्यू ान का समर्थन क्रके हम पूरी कोि ा ा करें कि सैन्ट्रल गवर्नमैट इस बात के सीरियसली ले और हमारे हिस्से का जो पानी बनता है, जिसको नाजायज तौर पर पंजाब के भाईयों ने रोक रखा है, वह हमें मिले। पंजाब को मजबूर किया जाना चाहिये कि वह इस बात को माने और अगर वह मानता न हो तो कोई और तरीका निकाला जाये, कोई कानून पास किया जाये या सैन्ट्रल अथोरिटी उस नहर की खुदाई के काम को पूरा करे ताकि हरियाणा का उद्धार हो सके।

श्री मनफूल सिंह (असन्ध अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब एस0 वाई0एल0 का मामला तीन साल से चल रहा है। हमारी भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने 8.4. 1982 को डिस्ट्रिक्ट पटियाला में कपूरी गांव के पास नि ाानदेही लगाई थी कि यहां से नहर खोद कर हरियाणा में जायेगी लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि आज तक सरकार कुछ नही कर सकी। मेरे से पहले बोलने वाले कुछ मैम्बर साहेबान ने कहा कि 40—45 करोड रूपये हमारी सरकार एस0 वाई0 एल0 पर लगा चुकी है। डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले साल से पंजाब में राश्ट्रपति भाासन लागू है जबकि हरियाणा में लोकप्रिय सरकार है। पंजाब में

तो तीन रूपये प्रति क्विटल के हिसाब से धान पर बोनस दिया गया लेकिन हरियाणा सरकार ने न धान पर, न गेहूं पर और न ही किसी और चीज पर बोनस दिया।ये तो हर चीज में मिलावट करते करते इस एस0 वाई0 एल0 स्कीम को भी खत्म करना चाहते है। अगर एस0 वाई0 एल0 नहर तीन साल पहले खोद दी जाती तो अरबों रूपये का सरकार फायदा होता क्योंकि यहां बहुत अनाज पैदा होता है। उस पैसे से यह सरकार अच्छी सड़के बनासकती थी, स्कूलों की बिल्डिग बना सकती थी, हस्पतालों की बिल्डिग बना सकती थी और पीने के पानी का प्रबन्ध कर सकती थी। डिप्टी स्पीकर साहब, अभी कुछ दिन पहले की बात है। हम जमुनानगर गए थे वहां जब हम जलूस में जा रहे थे तो पुलिस ने सामने से हमारे ऊपर पानी फैका। मै बड़ा खु ा हुआ। मैने सोचा कि भाायद यह एस0 वाई0 एल0 का पानी होग लेकिन थोड़ी देर मैं लगा कि पानी तो फायर ब्रिगेड से फैका गया था। मैने उनको कहा कि इस पानी की जरूरत तो खेतो ंमें है हामरे ऊपर क्यों फैकते हो?

श्री उपाध्यक्षः उन्होने आपकों स्नान कराया होगा (हंसी)

श्री मनफूल सिंहः स्नान ऐसा करवाय कि उस पानी से मेरे कान का पर्दा ही खराब हो गया था। मै लगभग 15 दिन दिल्ली में इलाज करवातारहा हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, अगर हमारी सरकार पंजाब में जहां से वह नहर खोदनी है कम से कम एक लाख मजदूर हरियाणा से भेज दे तो बेरोजगारी काफी हद तक

खत्म हो सकती हैं इसके अलावा अपने इंजीनियर्ज की डियूटी वहां लगाई जाए। ऐसा करने से ही वह काम जल्दी हो सकता हैं डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा सरकार को यह सुझाव देना चाहता हूं कि जब तक एस0 वाई0 एल0 नहर का पानी हरियाणा को नही मिलता तब तक सरकार को किसानों को उनकी उपज का डेढ़ गुणा भाव देना चाहिए।

डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे तो ऐसा लगता है कि यह जो पैसा जा रहा है इसका ठीक प्रयोग नही हो रहा है। *

* * *

श्री उपाध्यक्षः यह बात रिकार्ड पर नही आएगी।

श्री मनफूल सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, मै चौधरी लाल सिंह जी का नाम नही लेता * * *

श्री उपाध्यक्षः चौधरी लाल सिंह के बारें मे जो कुछ का गया है वह रिकार्ड न किया जाए।

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै तो एस0 वाई0 एल की बात कर रहा था। इस सरकार ने 12.3.85 कों 5 करोड़ रूपया दिया है और पहले भी पैसा दिया है। अगर इस रूपये का ये सीधा उपयोग करत यानी खुद अपने आप नहर बनाते तो एस0 वाई0 एल0 यहां तक बन कर आ सकती थी। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी किसान के बेटे है, आप किसानों की हालत की अच्छी तरह से समझते है। मेहन्द्रगढ़, गुडगांवा और भिवानी के

इलाकों में इतना सूखा पड़ा हुआ है कि वहां के लोग एक एक दाने के लिए तरस रहे है। यह सरकार हमारे पैसे को किस बेदर्दी से वेस्ट कर रही है। यह बात किसी से छूपी हुई नही है। करोड़ों रूपया यो ही वेस्ट किया जा रही हैं कही होटल बना दिये, कही पर गाड़िया खरीद ली। पैसे का सही ढंग से प्रयोग नही किया जा रहा हैं अच्छा तो यहा हाता कि हमारे मजदूर वहां जा कर इस नहर को खोदते तो मै समझता कि एक साल के अन्दर नहर को खोद कर पूरी कर देते। डिप्टी स्पीकर साहब, आज के दिन किसानों की बहुत ही बुरी हाल है। एस0 वाई0 एल0 के बारें में सरकार को बहुत ज्यादा गौर करना चाहिए। ऐसा करने से सरकार को भी फायदा है। * * * *इस सरकार में बिल्कुल दम नही है। हरियाणा में भी कांग्रेस की सरकार है और केन्द्र में भी कांग्रेस की सरकार हैं फिर इस नहरे को खोदने में क्या दिक्कत आ रही है?

मुख्य संसदीय सचिव (पंडित रो ान लाल तिवाडी): डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे भाई मनफूल सिंह जी बिना किसी बात के ही बो रहे है। उन्हों कोई ठोस बात कहनी चाहिएं। (विध्न) यह बात रिकार्ड पर नही आनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः यह बात रिकार्ड में नही आनी चाहिए। (विध्न) तिवाडी जी जो बात आपने कही है उस बारें में मैने कह दिया है कि रिकार्ड न किया जाये।

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै तो एस0 वाई0 एल0 का ही जिक्र कर रहा था। तिवाड़ी जी तो वैसे ही बीच में टोक रहे है। तिवाड़ी जी आपने भी 15 दिन हमारा साथ दिया था। (विध्न) मै तो एस0 वाई0 एल0 के बारें में इतना ही कहना चाहता हूं कि अगर सराकर में दम है तो उसे जल्द से जल्द पूरा करें। अगर इस सरकार में दम नही है तो इस्तीफा दे दे, हम खोद कर लो हैं हम दावा करते है कि इस नहर को खोद कर ले आयेगे। डिप्टी स्पीकर साहब, जब यहां कांग्रेस की सरकार है और सैंटर में भी कांग्रेस की सरकार है फिर इन्हे खोदने में क्या दिक्कत आ रही है।

श्री उपाध्यक्षः राश्ट्रपति जी के बारें में जो कुछ कहा गया है वह रिकार्ड में नही आयेगा।

श्रीमती चन्द्रावतीः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डिप्टी स्पीकर साहब, आप ही बताइये ओरक्या बोले? अगर गवर्नमैंट के खिलाफ भी न बोले तो और किस बात पर बोले (विध्न)

श्री उपाध्यक्षः यहां हाई डिगनिटरीज और राश्ट्रपति का जिक्र कैसे आ सकता है?

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब मेरे कहने का मतलब यह है कि पंजाब मे ंराश्ट्रपति भाासन हैं हमारे यहां हरियाणा में कांग्रेस पार्टी का भाासन है और केन्द्र में भी कांग्रेस

की सरकार है फिर भी अगर काम नही होता है तो इस सरकार के होने क क्या फायदा ? 45 करोड़ रूपया हरियाणा का वहां पर लग चुका है मै तो कहूंग कि इस पैसे के बारें मै मैम्बर साहेबान की एक कमेटी नियुक्त की जाये जो यह पता लगाये कि यह पैसा कैसे खर्च हुआ। जैसा कि अभी कंवल सिंह जी ने कहा है कि वहां पर अपने किसी कांट्रैक्टर को ठेका दिया जाये ताकि जल्द से जल्द काम पूरा हो सके। मैने भ्रश्ट सरकार कहा था लेकिन मै यह साबित नही कर रहा हूं कि यह सरकार बेईमान है। (विध्न)

श्री हरि चन्द हुड्डाः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी हाउस में भ्रश्टाचार का जिक्र आया। आप यहां हाउस की कार्यवाही में आने से रोक देगे लेकिन हरियाणा की डिफैक ान और करप ान का सारे संसार के अखबारों में जिक्र आया है इसका आप क्या इलाज करेगे?

श्री मनफूल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी बातें कुछ लोगो को बुरी लगी होगी (ाोर) जब मैने किसानों के लिए एस0 वाई0 एल0 का पानी लाने के बारें में कुछ कहा तो इस सरकार के आदमियों को कुछ खराब सा लगा। इस बात से यह साबित होता है कि ये किसानों को गला घोंटना चाहते है। अगर किसार खु ाहाल होगा और मजदूर खु ाहाल होगा तो स्टेट अमीर होगी। डिप्टी स्पीकर साहब, यह सरकार तो दिवालिया हो गई है। अगर ये एस0 वाई0 एल0 को नही खुदवा सकते तो इन्हे इस्तीफा दे देना चाहिएं जब यह सरकार किसानों के लिए पानी की व्यवस्था

नही करसकती तो इन्हें असैम्बली मूं आने का कोई अधिकार नही, इन्हें इस्तीफा दे कर अपने घरों को चला जाना चाहिए।

श्री दयानन्द भार्मा (राजौन्द): उपाध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 के बारें में पिछले सै ान में भी चर्चा हुई थीं और इस बार भी प्रस्ताव आया है। एस0 वाई0 एल0 का काम बहुत तेजी के साथ होना चाहिए क्योंकि एस0 वाई0 एल0 हरियाणा के जीवन का सवाल है। आज हरियाणा के अन्दर जो सूखे का प्रकोप हुआ है उसके विशय में सीाी को ज्ञात हैं बारि ा न होने के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ हैं बारि ा न होने से केवल फसलों का ही नुकसान नही हुआ बल्कि हमें बिजली भी कम मिली। इन हालातों को देखते हुए एस0 वाई0 एल0 का पानी आना निहायत जरूरी हैं अगर यह पानी आ गया होता तो इतना नुकसान न होता। डिप्टी स्पीकर साहब, हाउस में यह बात भी आई कि बदनीयती से सरकार ने यह नहर पूरी न होने दी। आप सभी जानते है कि हरियाणा के हिस्से में एस0 वाई0 एल0 कैनाल तीस करोड़ रूपये की लागत से कई महीने पहले पूरी हो चुकी है। हरियणा के स्सि में सरकार न नहर को पूरा कर दिया लेनि पंजाब क हिस्से में 112 किलोंमीअर का टुकड़ा पूरा करना हैं वह हरियाणा सरकार के बसकी बात नही हैं हरियाणा सरकार अपनी ओरसे पैसा ही दे सकती है और उसने पंजाब को पैसा जमा भी करवा दिया लेकिनफिर भी नहर नही बनी। दूसरा नहर का न बनने का कारण यह भी हो सकता है कि पिछले वर्श पंजाब के न्दर ऐसे

हालात रहे कि सब कुछ देने के बावजूद भी वहां पर उग्रवादियों ने नहर को खोदने नही दिया। अपनी ओर से सरकार ने कोि ा ा की जिसका परिणाम यह हुआ कि पचास किलोमीटर के टुकडे पर काम चला हुआ है। सरकार की इसमं कोई बद नीयती नही है। सरकार जो कुछ काम कर सकती हैं वह कर रही हैं हरियाणा के अन्दर तीस करोड़ रूपया लगा कर लहर बनाई गई लेकिन पंजाब के अन्दर नही बनी जिसके कारण हरियाणा को बडा भारी नुकसान हुआ है। मै आपके थ्रू सरकार से रिक्वैस्ट करूंगा कि हरियाणा सरकार पंजाब के साथ समझौता करके या जो कुछ भी तरीका अपना सकती है उस तरीके से इस नहर को जल्द से जल्द खुदवाया जाये ताकि हरियाणा के अन्दर पानी आ सकते ओर सूखे से बचा जा सके। हरियाणा के अन्दर इस पानी के न होने की वजह से पहले ही बहुत भारी नुकसान हो रहा है। इस बात का सभी को पता है कि हरियाणा के अन्दर पानी न मिलने की वजह से फसलें कम हो रही है ओर लोगों में बेरोजगारी बढ़ रही है, आमदनी में बड़ा भारी फर्क पड़ रहा है। इसलिए सरकार को चाहिए एस0 वाई0 एल0 को जल्दी से जल्द पूरा कराने की कोि ा ा करें ताकि हरियाणा के लोगों का भला हो सके। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री भागी राम (ऐलनाबाद अनुसूचित जाति): डिप्टी स्पीकर साहब, जिस रैज्योलू ान पर आज यहां बहस चल रही है, यह लगातार पिछले डेढ़ सो से पैडिग पड़ा है। सारी अपोजी ान

और रूलिग पार्टी यह चाहती है कि इसकों पास किया जाये। सभी इसके हक में बोलते है। मै यह नही समझ पया कि फिर दिक्कत क्या है इसे क्यों पास नही किया जाता? इसके पास न करने से सरकार की नीयत पर भाक होता है नीयत और नीतियों पर हमें भाक है। इनकों सैंटर की सरकार के ऊपर पूरा भरोसा नही है। अगर हमने इस रैज्योलू ान को पास कर दिया तो पता नही वह इसकों माने या न माने। इनकों इसलिए इस बात की झिझक है। (चौधरी भले राम जी ओर से व्यवधान) आपको क्या पता है। मै बोल रहा हूं– (व्यवधान व भाोर)

ि ाक्षा राज्य मंत्री (श्री जगदी ा नेहरा): आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मै आपके जरिये अपने विरोधी दल के भाईयों से यह कहना चाहूंगा कि वे केवल एस0 वाई0 एल0 पर बोले। इसके ऊपर कोई सुझाव दे और अपनी स्पीच ठीक ढंग से करें। (व्यवधान व भाोर)

श्री राम बिलास भार्मा: डिप्टी स्पीकर साहब, ि ाक्षा राज्य मंत्री बारात के सफर से आये है उनको पता ही नही है। कि वे एस0 वाई0 एल0 पर ही बोल रहे थे। (व्यवधान व भाोर)

श्री भागी राम: डिप्टी स्पीकर साहब, जनता सरकार के भाासन में चौधरी देवी लाल जी जब मुख्य मंत्री थे, उन्होने इस दि ाा में पूरी मुस्तैदी के साथ काम किया और पंजाब के साथ दोस्ताना ताल्लुकात के हिसाब से काम भाुरू भी करवाया। वहां पर

काम करवाने के बारें में एग्रीमैंट भी हुआ ओर सारा काम भाुरू भी हुआ। चौधरी देवी लाल ने सुप्रीम कोर्ट में केस भी दायर किया। उनकी नीयत यह थी कि हरियाणा को पानी मिले। अगर हरियाणा को पानी नही मिलता है तो हरियाणा के लोगों का और किसानों का बड़ा भारी नुकसान होगा इसलिए उन्होने अपने टाईम में इस नहर को बनवाने के लिए काम भाुरू करवाया था। जिस दिन भजन लाल जी मुख्य मंत्री बने, उस दिन से पहले तक हमारा पानी का हिस्सा 3.5 एम0 ए0 एफ0 था उसके बाद जब भजन लाला जी मुख्य मंत्री बने, उन्होने दोबारा उस फैसले को बदला दोबारा से एग्रीमैंट किया और सुप्रीम कोर्ट से केस भी वापिस ले लिया। (व्यवधान व भाोर) डिप्टी स्पीकर साहब, इस रैज्योलू ान पर कुछ कहने वाली बात नही है। केवल सुझाव देने वाली ही बात है अब मै इस बारें में केवल एक ही बात कहना चाहता हूं कि सरकार की नीयत ठीक नही हैं 45 करोड़ से भी ज्यादा पैसा लग गया होगा। सारे कासारा पैसा बरबाद चला गया। पंजाब के जितने भी वहां पर मुलाजिम है, उनके टी0 ए0/डी0 ए0 में उनके लिये गाड़िया खरीदने के लिये और उनकी तरखाहों पर यह सारे का सारे पैसा बरबाद किया जा रहा हैं इसके लिए वे लोग झूठे सच्चे कागजात तैयार करते ह। इस तरह से हरियाणा का बड़ा भारी नुक्सान किया जा रहा हैं इसमें कहने वाली सिर्फ एक ही बात है कि डेढ साल से जो रैज्योलू ान चला आ रहा है। उसे पास क्यों नही करते? सारी अपोजी ान इसको पास करने के लिए तैयार है और रूलिंग पार्टी भी तैयार है। आप ही बता दों कि इसमें झिझक क्या है?

बात क्या, आखिर यह क्यों इस रैज्योलू ान को पास नही करना चाहते हैं दिक्कत क्या है? अब मै सही बात कहूंगा। सही बात तो यह है कि यह पानी लेना ही नही चाहते है। सब को अपनी अपनी कुसी की पड़ी हुई है। अब हमारे ि ाक्षा मंत्री राज्य मंत्री नेहरा साहब यहां पर बैठे है। इनको गाड़िया मिली हुई है। (व्यवधान व भाोर) इसके अलावा और कोई बात नही है। मेरेा कहने का मतलब यह है कि इनकी नीयत खराब है। मै अन्त में केवल एक बात कह कर बैठ जाऊंगा। खास कर हमारे सिरसा जिले के तीन मंत्री है। एक कहावत सी है वह इस रैज्योलू ान से बाहर की बात है डिप्टी स्पीकर साहब, अगर आपकी इजाजत हो तो कह दूं।

श्री उपाध्यक्षः रैज्योलू ान से बाहर की बात नही कहनी है।

श्री भागी रामः * * * *

श्री उपाध्यक्षः इसकी कोई रैलेवैन्सी नही है, यह बात रिकार्ड न की जाये।

श्री भागी रामः * * * *

श्री उपाध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाए।

लोक निर्माण मंत्री (श्री अमर सिंह): आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि यह

विधान सभा है ** * * यहां जो बोले वह ठीक तरह से बोले और ठीक बात करें। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री उपाध्यक्षः चौपाल के बारें में जो भाब्द बोला गया है वह रिकार्ड न किया जाये।

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, अब यह इतने बड़ी आदमी हो गये है मिनिस्टर बनते ही इतनी बू आने लगी है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः भागी राम जी, अब आप बैठिए।

श्री भाग रामः उपाध्यक्ष महोदय, ** * *

श्री उपाध्यक्ष महोदयः जो मेरी इजाजत के बगैर बोला जा रहा है वह रिकार्ड पर नही आयेगा।

श्री वीरेन्द्र सिहः आन ए प्वायंअ आफ आर्डर। डिप्टी स्पीकर साहब, आनरेबल मैम्बर बोल रहे थे और बीच में चौधरी अमर सिंह बोलने लग गये। चौधरी अमर सिंह मंत्री है, वकील भी रहे है और उमर में भी बड़े है। इन्होने कहा कि यह कोई * * * * नही है। ऐसा लगता कि चौधरी अमर सिंह डेढ़ साल से बहुत ऊंची जगह पर चले गये है। हरिजन होना कोई पाप तो नही हैं हरिजन बिरादरी कोई बुरी नही है। ये ऐसी बात कर रहे है। जैसे हरिजन डिग्रेडिड है। इस प्रकार की बात एक मंत्री के

मुंह से आना ठीक नही है। एक मंत्री के मुंह से ऐसी बात नही आनी चाहिए।

श्री उपाध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड नही किया गया है।

श्री हरि चन्द हुड्डाः डिप्टी स्पीकर साहब, यहा पर एस0 वाई0 एल0 के बारें में बात चल रही हैं हमसे गलती तो यह हुइ कि हमने दो सौ करोड़ रूपया इस पर खर्च कर दिय। अगर यह दो सौ करोड़ रूपया नाथपा झाखड़ी पर लाग देते तो हमें काफी बिजली मिल जाती। यह समस्या इस तरह से हल होसकती है कि पंजाब का किसान हरियाणा के किसान को इंवाइट करें कि अपना पनी ले जाओं। हरियाणा का किसान अपनी कस्सी लेकर वहां जाए ओर वहां जा कर खुदाई करे। ऐसा करने से दोनों को पानी मिल जाएगा अैर दोनों का प्रबन्ध हो जाएगा। (ाोर व व्यवधान)

श्री भागी रामः डिप्टी स्पीकर साहब, मै एक ही बात कहकर बैठ जाऊंगा। * * * *

श्री उपाध्यक्षः यह रिकार्ड न किया जाये। भागी राम जी आप बैठ जाए। बिना परमि ान के बोलेगे तो रिकार्ड नही होगा।

श्री भागी रामः * * * *

श्री उपाध्यक्षः मेरी इजाजत के बगैर बोला जा रहा है, इसलिए यह रिकार्ड न किया जाए।

वाक–आउट

श्री भागी रामः अगर मुझे बोलने का पूरा टाईम नही दिया जाता तो मै वाक–आउट करता हूं।

(इस समय श्री भागी राम सदन से वाक आउट कर गये।)

गैर–सरकारी प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

चौधरी कुन्दन लाल (सफीदों): उपाध्यक्ष माहेदय, पानी का मामला किसी एक पार्टी का नही है बल्कि यह मामला सारे हरियाणा का हैं। मेरी सभी मैम्बर साहिबान से प्रार्थना है कि आप एक दूसरे के प्रति ऐसे भाब्द इस्तेमाल न करें जो किसी को बारे लगें। आप एक दूसरे पर कीचड़ न उछाले। उपाध्यक्ष महोदय, सदन के अन्दर सतलुल नहर के बारें मं विचार विम र्ा चल रहा है। (ाोर व व्यवधान) मै निवेदन करना चाहता हूं कि हामरे हरियाणा की जमीन बड़ी उपजाऊ है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलास भार्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी कुन्दर लाल ने अपनी स्पीच मे ंसतलुल नहर का नाम लिा हैं आप इनकों कहे कि एस0 वाई0 एल0 पर बोले।

चौधरी कुन्दन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, मै एस0 वाई0 एल0 कह देता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात ठीक है

कि इस पर हमारा काफी खर्चा हो चुका हैं लेकिन पंजाब के हालात ही ऐसे थे जिनकी वजा से इसकाम में देरी हुई है। हरियाण सरकार, मुख्य मंत्री जी और सुरजेवाला साहब पर इस काम में देरी के लिए इल्जाम लगाया जा रहा था कि इन्होने नहर की खुदाई के लिए कोि ा ा नही की। उपाध्यक्ष मोदय, हमारे मुख्य मंत्री जी तथ दूसरे मंत्री बाराबर नहर की खुदाई के काम को देख्ते रहे हैं वहांपर इन्जीनियर्ज, औजारों से खुर्दा दिन राम करा है। दिन रात मजदूर काम कर रहे है। यह तो जाने वालों को पता है कितना काम वहां पर हो रहा है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री राम बिलाश शर्मा: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। उपाध्यक्ष महोदय, जो इनके बोलेने की टोन है वह इस प्रस्ताव के खिलाफ है। इसका मतलब यह है कि नहर की खुदाई का काम ठीक चला रहा हैं

चौधरी कुन्दन लाल: मैने यह नही कहा कि काम ठीक हो रहा है। मैने तो यह कहा है कि इसकाम में जो देरी हुई है वह इस कारण से हुई हैकि पंजाब के भाईयों ने, उग्रवादियों ने जो झगड़े किए उनकी वजह से काम में देर लगी है लेकिन काम का जल्दी कराने में हमारे मुख्य मंत्री जी और मंत्री जी ने पूरी कोि ा ा की है। चौधरी भागी राम बहुत कुछ बोल रहे थे। मै इनसे पूछना चाहता हूं कि जब जनता पार्टी का राज था और चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री थे तो आपने कितनी नहर खुदवाई

थी और कितनी कोि ा ा की थी। ऐसी बातें इनकों नही कहनी चाहिए। (ाोर व व्यवधान)

चौधरी ओम प्रकाशः डिप्टी स्पीकर साहब, श्री कुन्दन लाल एस0 वाई0 एल0 के रैजोल्यू ान पर बोल रहे है लेकिन उन्होने यह नही बताया कि उस कितना पैसा खर्च हो गया है? (ाोर)

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर हैं कुन्दन लाल जी यह बात दें कि वे किस रैजोल्यू ान पर बोल रहें है उस प्रोजैक्ट का क्या नाम है?

चौधरी कुन्दन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, उसका नाम एस0 वाई0 एल0 हैं डिप्टी स्पीकर साहब, यह ठीक है कि मुझ इंगलि ा नही आती लेकिन इसका मतलब यह तो नही कि वे इस तरह की भाशा बोले। मै इस बात को मानता हूं कि आप उस साइड पर पढ़ लिखे वकील प्रोफेसर बैठे है। लेकिन मै यह कह सकता हूं कि मै हर लिहास जस करैक्अर से अप सब से आगे हूं। (तालिया) एवं (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः इन्होने ऐसी कोई बात नही कही जिसमें किसी का नाम लिया गया हो।

चौधरी कुन्दन लालः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आप के माध्यम से कहूंगा कि हमारी सरकार इस प्रोजैक्ट पर काफी ज्यादा पैसा लगा रही है। इसलिए अपोजी ान के सार्थियों को प्र ांसा

करनी चाहिये। जब यह नहर बन कर तैयार हो जाएगी तो सारे हरियाणा के लोगों को फायदा होगा चाहे अपोजी ान का इलाका हो, या ट्रेचरी बैचिज वालों को इलाका हो। सारे इलाकों को इस नहर के तैयार होने के बाद फायदा होगा। किसान खु ाहाल होगा। लेकिन हमारी अपोजी ान का यह रोल है कि वे खुद खाते है और दूसरों को कहते है कि आप लोग खाते हों। ऐसा कहना उने लिए भाोभा नही देता। डिप्टी स्पीकर साहब, अपोजी ान का यह कहना बिल्कुल गलत है। कि वहां काम जोरों पर नही हो रहा हैं वहां परक काम बड़े ही जोरों भाोरों से हो रहा हैं इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूंगा इस वर्श बारि ा बिल्कुल नही हुई लकिन उसे बावजूद भी हमारी सरकार ने, हमारे मंत्रियों ने अपनी पूरी कोि ा ा करके बिजली और पानी का पूरा–पूरा बन्दोबस्त किया और किसानों तक यह सुविधाएं पहुंचायी जिससे कि लोगों को किसी किस्म की असुविधा न हो और किसानों के खेतों को किसी भी प्रकार का नुकसान न हो। हमारी सरकार ने इस तरह के बड़े बड़े काम किसानों के हितों को देखते हुए किया है। इसके लिए हमारी सरकार बधाई की पात्र है इन भाईयों की सरकार भी थी और चौधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे, तो उनके वक्त में भी इस तरह के विाकस के काम हमारे हरियाणा में नही हुए जो हमारी आज की सरकार ने कर दिखाये है। मै ज्यादा न कहते हुए आपका धन्यवाद करता हुआ कि आपने मुझे बोलने कासमय दिया ओर यह कहूंगा कि इस नहर के काम को जल्दी से जल्दी पूरा करवाया जाए ताकि हमारे हरियाणा की धरती को कुछ राहत

मिले। हमारे किसानों के खेत हरे भरे हों और किसानों को पानी की किसी प्रकार की दिक्कत न रहे। धन्यवाद।

श्री निर्मल सिंह (नग्गल): डिप्टी स्पीकर साहब, एस0 वाई0 एल0 का मसला हरियाणा के लिये बडऋा महत्व रखता है और इसका पानी हरियाणा के लिये एक अहम मसला है। इससे पहले भी इस सदन में इस एस0 वाई0 एल0 के मसले पर बहस हुई है और दोनो ही तफ से मैम्बर्ज इस पर खुलकर बोले है। डिप्टी स्पीकर साहब, मैने पहले भी यह बात कही थी कि एस0 वाई0 एल0 का मसला गम्भीर मसला है। कोई एक आदमी इसका राजनीतिक लाभ नही उठाता। हम सब को राजीनित से ऊपर उठकर इसके बारें में गम्भीरता से सोचना होगा और सभी को मिलकर इसके लिये काम करना होगा। हमारे विरोधी दल के भाईयों ने कई बार यह कहा है कि यह जो एस0 वाई0 एल0 का मसला है वह कांग्रेस या किसी और दूसरे कारणों से चीफ मिनिस्टरों के ठीक ढंग से काम न करने के कारण ही पूरा नही हो पर रहो है, यह कितनी अव्यवहारिक बात है। मै यहां हाउस में यह बताना चाहता हूं कि 1977 से लाकर 1980 तक जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी और दूसरी तरफ सरदार प्रका ा सिंह बादल मुख्य मंत्री थे, जो कि चौधरी देवी लाल जी के गहरे मित्र भी थे, उस समय ये अपने लैबल पर कोई काम नही करवा सके। (ाोर एवं व्यवधान) आज हमारी सरकार के ऊपर यह

लांछन लगाते है कि इन्होने इस काम को सिरे नही चढ़ने दिया हालांकि यह सरकार इस मामले में पूरी तरह से सतर्क हैं

श्री हीरा नन्द आर्यः डिप्टी स्पीकर साहब, ये नहर क्यों खुदवायेगे, ये तो पिछल डेढ़ साल से इस प्रस्ताव को लटकाये आ रहे है।, इसको ही पास नही करवा सके।

श्री निर्मल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै फिर कहूंगा कि इसे लिये हम सब को राजनीति से ऊपर उठकर सोचना चाहिये। ये ही मगरमच्छ के आंसू बहाने से यह बात बनने वाली नही है। 108 किलोंमीटर की खुदाई पंजाब राज्य में होनी है और यह मामला सचमुच में एक बड़ा ही गम्भीर मामला हैं कितना पैसा इस पर लगा है, इस पर गम्भीरता से विचार किया जाना चाहिय क्योंकि पहले जितना पैसा उस पर लगाथा था उससे आज वह पैसा तीन गुना हेा चुका है। एस0 वाई0 एल0 का पानी जब हरियाणा में आयेगा तो हमारा उत्पादन दुगना हो जाएगा। इसलिए हम सब भाईयों को चाहे वह अपोजी ान से है ट्रेजरी बैचिज से है, मिलकर इस काम को सिरे चढ़ाना चाहिये। इससे सारे हरियाणा की ही भलाई है।

डिप्टी स्पीकर साहब, पंजाब में कपूरी गांव में जब हमारी स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने इसका उद्घाटन किया था तो उस वक्त से अकालियों ने वहां पर एक ऐसा मोर्चा भुरू किया जोकि एक बाड़ा ही गम्भीर रूप धारण कर

गया जिसके बारें में सरकार आगे चलकर कुछ सोचना पड़ा कि आगे चल कर न जोन किस ढंग से यह मामला कौन सा रूप धारण कर जाए औरयह मामला अब भी लटका हुआ हैं इस यि मेरी आपके द्वारा सभी साथियों से यह प्रार्थना है कि सब अपोजी ान और ट्रेजरी साईड के भाईयों को मिलकर एक इकट्ठी मीटिग करनी चाहिए और सही पहलुओं पर सही मायनों में इस मसले पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए। काई तरीका ऐसा अखित्यार न किया जाए जिससे इस काम में रूकावट आएं यह काम सिरे चढ़ना चाहिए ताकि हमारा हरियाणा काउत्पादन बढ़े, हरियाणा की जमीन जो कि पानी के बगैर बेकार है, उसमें अनाज पैदा हो और हरियाणा हर लिहाज से तरक्की करे। इन भाब्दों के साथ मैं आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझे बोलने का समय दिया।

श्री राम विलास भार्मा (महेन्द्रगढ़): डिप्टी स्पीकर साहब, श्री फतेहचन्दी विज ने जो प्रस्ताव 15 सितम्बर, 1983 को इस सदन में रखा था, उस पर काफी लम्बी चौड़ी बहस हो चुकी है और उससे यह पता चलता है कि हरियाणा सरकार हरियाणा के हितों के लिये कितनी जागरूक है सिी भी प्रांत की चुनी हुई सरकार अपने प्रांत के लोगों की तकलीफ को देखकर इतनी देर तक अनदेखी नही करसकती जितनी कांग्रेस सरकार कर रही है। हरियाणा सरकार एस0 वाई0 एल0 के मामले में पता नही क्यों

इतनी देरी कर रही है। किसानों के उत्थान के लिए, लोगों की भलाई के लिए इस सरकार का कोई ध्यान ही नही है।

डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह बताना चाहता हूं कि यह एक प्राकृतिक हिसाब है, ई वर की देन है। कि जो भी आदमी जन्म लेता है वह अपनी इच्छा से नही ले सकता, अपनी इच्छा से भौगोलिक स्थिति नही चुन सकता। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा ताल्लुक महेन्द्रगढ़ जिले से है। महेन्द्रगढ़ जिले में अढ़ाई सौ फुट नीचे पानी का पानी मिलता है। और आज भी नांगल चौधरी की तहसील, सरोई का इलाका, बाडमेर से बदतर हालत मं है। हमारी माननीय मंत्री महोदया, श्रीमती प्रसन्नी देवी एक बार हमारे यहां गई थी। उन्होने बताया कि 230 गांव ऐसे है जहां पर दो दिन के बाद एक बार पीने का पानी मुहैया किया जाता है और जहां 25 गैलन एक आदमी को मिलना होता है वहां आज केवल 10 गैलन पानी पीने का दे रहे हैं ह उनकी कंसेप् ान है, मेरी नही है। डिप्टी स्पीकर महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि जिस प्रांत के लोगों को पीने के पानी की दिक्कत हो, गन्दा पानी मिलता हो, उस प्रदे ा का क्या हाल होगा? आज हम ऊंटों पर लाद कर 10–10 किलोमीटर से पीने का मीठा पानी अपने पड़ोसी राज्य राजस्थान से लाते है। हमारा जो गौत बडव का इलाका है।, हम राजस्थान में सूरजगढ़, झांझवा, और खांडवा के खेंतड़ी तक के इलाकों से लोगों के लिए पीने का पानी लेकर आते है। (ाोर)

श्री उपाध्यक्षः राम बिलास जी आप एस0 वाई0 एल0 पर ही अपने विचार सीमित रखे।

श्री राम विलास शर्माः डिप्टी स्पीकर साहब मै एस0 वाई0 एल0 पर ही बोल रहा हूं। एस0 वाई0 एल0 का जितना ताल्लुक मेरे इलाके से है भाायद ही किसी ओर इलाके से होगा। हमारे इलाके की उपजाऊ जमीन को खोदकर लम्ब लमगी और गरी खाईया खोदी गयी ओर इससे जो जमीन की रूरखा थी, जमीन का आकार था, वह बिगाड दिया गया। किसान बेचारा खु ाी मना रहा था कि हरियाणा कांग्रेस की सरकार बनी है, प्रजातन्त्र है, हमारे इन लोगो ंको चुनकर भेजा है, अब इस नहर का पानी आयेगा। पानी आने पर भूख प्यास और बेरोजगारी मिटेगी। हरियाणा में हरियाली होगी, परन्तु डिप्टी स्पीकर साहब, मुझे बड़े दुक्ष के साथ कहना पड़ता है कि महेन्द्रगढ़ भिवानी जिले के कुछ इलाके और गुडगांव का जिला जिनकों एस0 वाई0 एल0 का पानी मिलना था, वहां के किसानों के सथ पक्षपात किया जा रहा है और उनके सथ क्रिमिनल नैगलीजैस की जा रही है। सरकार ने अब तक इस पर 30 करोड़ रूपया खर्च कर दिया है पिछले सै ानों में सुरजेवाला जी ने कई बार कहा कि नहर अब खुदेगी, अब खुदेगी। मुख्य मंत्री जी भी इस बारें में कई बार कह चुके है। जब श्रीमती इन्दिरा गांधी कपूरी गांव में एस0 वाई0 एल0 का उद्घाटन करने गई तो हरियाणा के जितने सरकारी भवन थे डी0 सीज0 के भवन थे एम0 पीज0 के भवन थे उन पर लाईट जलाने

का नाटक किया। सारे हरियाणा में यह नाटक रचा गया कि कांग्रेस सरकार ने यह बड़ा भारी तीर मारा है यह बात सुनकर किसान बेचारे सुबह उठकर भागे कि कही उनकी खाद पड़ोसी के खेतों में तो नही बह गई। लेकिन आज तक एक बूंद भी पानी नही आया। यह नहर कुल 112 किलोमीअर खुदनी है लेकिन कैटेगरीकल आज तक नही बताया कि कितने किलोमीटर लहर खुद चुकी है, क्या–क्या कागजी कार्यवाही हो चुकी है ओर कितनी एक्वीजी ान हेा चुकी है। डिप्टी स्पीकर, आप भी किसान है और किसान की दिक्कत को अच्दी तरह से महसू करते हैं डिप्टी स्पीकर साहब, इस बार हमारे महेन्द्रगढ जिले में 50 प्रति ात से भी कम गेहूं की बीजाई हुई और जो बीजाई हो गई वह गेहूंभी बिल्कुल बर्बाद हो गया। उस फसल को दो पानी भी नही मिले। जहां पर पीने के पानी कि दिक्कत हो, वहां सिचाई के लिए पानी कहां सें मिलेगा। मेरे जिले के कई भाई कुछ कांग्रेस में भी है और उनमे ंसे कुछ मिनिस्टर भी है पता नही वे इस बात को क्यो नही उठाते। यह सरकार या तो हिसार जिले की लगती हैं या जींद जिले की लनगती है। इस मसले पर सरकार को टिक कर नही बैठना चाहिए था, यह एक गम्भीर मुद्दा हैं हमन ेसरकार को पछिले सै ान में ये सुझाव दिया था कि सरकार एक प्रस्ताव लेकर आए जिसमें कहां जाए कि केन्द्र सरकार इस नहर की खुदवाई करवाए वरना विधान सभा के सीाी सदस्य इकट्ठे अस्तीफा दे देंगे। इन्होने हमारी वह बात भी नही मानी। इस नहर का पानी हरियाणा के किसानों की जिन्दगी के साथ मिला हुआ मामला हैं।

(इस समय सभापतियों की सूची मे ंसे एक सदस्य श्री एस0 सी0 चौधरी पदासीन हुए) चेयरमैन साहब, आप फरीदाबाद जिले के है ओर आप भी एस0 वाई0 एल0 के मारे हुए हैं वहा पर भी यह पानी पहुंचने वाला है ओर मेवात के इलाके तक भी पहुंचेगा। मै यह कहना चाहता हूं कि इस प्रस्ताव को पास करके नहर की खुदाई का काम सरकार अपने हाथ में ले लेकिन इस बारें में इन्होने केन्द्रीय सरकार के साथ कोई भी बातचीत नही की। अगर एक दो मन्त्रियों को टी0 ए0, डी0 ए0 रूप जाए, झट आडिनैस ले आते हैं सदन का सै ान आने मेें अगर दस दिन भी बाकी हो तब भी दस दिन पहले गवर्नर साहब से आर्डिनैस जारी करवा देत`है लेकिन यह प्रस्ताव तीन साल से लटक रहा हैं इस प्रस्ताव पर जब हम सब एक मत है तो इसे पास क्यों नही किया जाता। अभी भाई निर्मल सिंह जी ने ठीक कहा था कि यह मामला राजिीनिक नही है। हरियाणा एक कृशि प्रधान प्रदे ा हैं और हम लोगों ने किसानों की रक्षा करनी हैं उनके हितों की रखा का भारत हमारे ऊपर है ओर हम सभी को अपनी कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। मै इस पर जयादा न कहता हुआ इतना ही कहूंगा कि यदि सरकार की नियत ठीक है ओर नीति ठीक है तथ वह किसान के प्रति ईमानदार है तो सरकार को इस दिक्कत को महसूस करना चाहिए वरना या तो सरकार केन्द्र से दबती है या पड़ोसी राज्य में जो हलचल हुई, उससे डरती है। मै कहता हूं कि उनकी धमकियों से हमें नही डरना चाहिए। मै पूछना चाहता हूं कि वह पानी पाकिस्तान मे ंतो जा सकता है, लेकिन महेन्द्रगढ़ में क्यों

नही आता? इस बात की पैरवाई अब तक दिल्ली में क्यों नही की गई? अन्त में मै यही कहूंगा कि हम सबकों इस जिम्मेदारी को देखते हुए यह प्रस्ताव आज पास कर देना चाहिए और खुदाई का काम हरियाणा अपने हाथ में ले ताकि गरीबों का भला हो सके।

श्री सभापतिः अब चौधरी ओम प्रका ा जी बोलेगे।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः चेयरमैन साहाब, आप पहले मुझे टाईम दे दें, ये बाद मे ंबोल लेगे।

श्री सभापतिः मेरी सदस्यों से एक प्रार्थना है कि इस इ ू को हम आपस में मिल कर कन्ट्रडिक्ट न करें। सुरेन्द्र सिंह जी मै आपकों दस मिनट बाद बुलाऊगा।

चौधरी सुरेन्द्र सिहः चेयरमैन साहब, मेरी आपसे सबमि ान है कि जब सदन मे किसी पार्टी का आनरेबल मैम्बर बोलता है तो वह इस तरह से कहा जा सकता है मेरा ख्याल है ओम प्रका ा जी मेरे से सहमत होगे कि वह मेरे से बाद में बोल लेगे।

चौधरी ओम प्रकाशः ठीक है जी।

श्री सभापतिः फिर मुझ कोई एतराज नही।

चौधरी सुरेन्द्र सिह (तो ाम): सभापति महोदय, अभी मेरे बड़े भाई राम बिलास जी बड़े जो ा से कुछ बात कर रहे थे मेरे ख्याल में इस सदन में कुछ एक सम्मानित सदस्या मौजूद है

जिनको पता है कि जब 1977 के बाद जनता पार्टी की सरकार यहां आई तो उस वक्त भी इस मामले को उतनी ही गम्भीरता से लिया गया था जितना कि आज लिया जा रहा है। मुझे याद है मै वहा बैठता थ जहां आज चौधरी ओम प्रका ा और राव निहाल सिंह जी बैठे हैं उस वक्त हमने इससदन के नेता से एक सवाल किया कि एस0 वाई0 एल0 का जो कैरियर चैलन है उसको बनाने में सरकार गम्भीरता से नही ले रही ह। हमने कहा था कि पंजाब के साथ डायलॉग करके इस बात को निपटाया जाए राम विलास जी को याद होगा अगर याद नही है तो वे मास्टर ि ाव प्रसाद जी से पूछ ले। चौधरी देवी लाल ने अपले दिन सदन में खड़े हो कर यह बताया कि हमारे एक नोटिफिके ान है जो पंजाब सरकार ने दिया है वह नोटिफिके ान जमीन हथियाने के लिए और उस के ऊपर कैरियर चैनल बनाने के लिए है जब हमने उस बात की पूछताछ की तो पता कि वह नोटिफिके ान 10 किलोमीटर का भी नही था चेयरमैन साहब, मै किसी मैम्बर के खिलाफ नही हूं। सरदार साहब यहां मौजूद है, जब हिन्दूस्तान की भूतपूर्व प्रधान मंत्री कपूरी गांव में काउडेश्ज्ञन स्टोन ले किया तो पंजाब के अकाली भाईयों ने मोर्चा लगाया। उस मोर्च में कांग्रेस पार्टी का कोठ भी आदमी नही था बल्कि विरोधी दल के साथियों ने उसको स्पोर्ट ि किया था चाहे पोलिटीकली किया हो, मै इस बात को चैलेज नही करता।

श्रीमती चन्द्रावतीः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंअ आफ आर्डर है माननीय सदस्य गलत ब्यानी कर रहे है। अकाली दल ने जो एजीटे ान किया उसमें हमारी तरह से किसी भी विरोधी पार्टी ने सहयोग नही दिया बल्कि राजीगा गांधी ने भिडरवाला को सन्त कहा था।

चौधरी सुरेन्द्र सिहः सभापति महोदय, मैने कभी भी किसी विरोधी दल के बारें में यह नही सोचा कि वे एस0 वाई0 एल0 चैनल के बारें मे ंया हरियाणा के किसानों के हितों की मुखालफित करेगे। (ाोर)

चौधरी नेकी रामः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है भाई राम विलास भार्मा जिस समय बोल रहे थे उस समय किसी भी मैम्बर ने उनको इन्ट्रप्ट नही किया। क्या हमारी जुबान नही है? हम भी इन्ट्रप्ट कर सकते थे। अब ये भाई बार–बार इन्ट्रप्ट कर रहे है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, मै कह रहा थ कि मैने पहले कभी भी यह नही सोचा था कि विरोधी दल एस0 वाई0 एल0 चैनल के बारें में हरियाणा के हितों की मुखालफित करेंगे। इस समय बैठे–बैठे मेरे दिमाग में एक बात याद आई भाई सुजान सिंह जी यहां हाउस में बैठे है, ये इसके विरोध में भाामिल थे। (ाोर)

सरदार सुजान सिंहः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर है। (ाोर)

श्री सभापतिः मै आपको बाद में पर्सनल एक्सप्ले ान के लिए समय दूंगा।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः सभापति महोदय, श्रीमती चन्द्रावती जी यह बात कहे कि श्री सुजान सिंह जी उनके दल में भाामिल नही है, इन्होने कभी भी भाई सुजान सिंह जी को नोटिस नही दिया था चन्द्रावती जी कहें कि वे उनकी पार्टी में भाामिल नही है। श्री सुजान सिंह जी अकालियों के साथ थे। सभापति महोदय, मै मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों को यह यह बात कहना चाहूंगा कि एस0 वाई0 एल0 चैनल को पूरा करवाने का काम केवल प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी ही करवा सकते है। (थम्पिग) मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों में से बहुत से साथी खु ा हुए हेागे जिस समय श्री राजीव गांधी हमारे दे ा के प्रधान मंत्री बने।सभापति महोदय, श्री राम विलास भार्मा के जिले महेन्द्रगढ में और मेरे जिले भिवानी में साढ़े सात लाख एकड़ जमीन ऐसी है जिसके ऊपर समतल नहर का पानी नही लग सकता। उस जमीन पर पानी सीढ़ी लगाकर चढ़ाया जा सकता है, वह भी तब मुमकिन है जब 35 लाख एकड़ जमीन में एक–एक फुट पानी खडा कर दिया जाए फिर तो उस जमीन में पानी लग सकता है वरना नही लग सकता। चेयरमैन साहब, जब एस0 वाई0 एल0 चैनल बन जाएगा। उस समय किसानों को राहत की सांस मिलेगी। आप यह भी जानते है कि

वह पानी किसानों को कितना काम आएगा। सभापति महोदय, कुरूक्षेत्र और करनाल की सीमा से पानी को निकाल कर झज्जर निफ्ट इरीगे ान स्कीम के जरिए रेतीले इलाके में पानी पहुंचाया गया अैर उस इलाके के किसानों को काफी राहत महसूस हुई। सभापति महोदय, जो रावी व्यास का एग्रीमैट है उसमे ंएग्जीस्टिग चैनल से हम लगभग 18 लाख, 15 लाख और 10 लाख एकड़ फीट पानी ले पाते है। जिस समय यह बात श्रीमती इन्दिरा गांधी जी के नोटिस में आई तो उन्होने यह महसूस किया कि यह हरियाणा के साथ बेईनसाफी हुई है (ाोर)

श्री हरिचन्द्र हुड्डाः चेयरमैन साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। अभी सुरेन्द्र सिंह जी बोलते हुए कह रह थे कि लिफ्ट इरीगे ान स्कीम से पानी को ऊपर ले जाया गया है। मै कहना चाहता कि यह सरकार जो हमारा पानी था उसको लिफ्ट करके ऊपर ले गई और हम भूखे मर रहे है।

चौधरी सुरेन्द्र सिहः सभापति महोदय, जब हुड्डा साहब की पार्टी का राज था उस समय की बात इनको याद होगी। उस समय इतनी बारि ा हुई थी। कि झज्जर के इलाके में भी बाढ़ आई थी इन्होने उस पानी की डायव र्ान ठीक नही की। उस समय ये गांवों के इर्दगिर्द बालू रेत के बांध बनाने मे लग गए थे। इनको आज भी यह महसूस होता होगा कि वह कितनी समझदारी का काम होगा। उस समय ये उस बाढ़ के पानी की डायव र्ान ठीक करते, उन गांवों के इर्दगिर्द बालू रेत के बांध बनाने की क्या

आव यकता थी जस समय हरियाण बना था उस समय हम लगभग एक लाख टन अनाज बाहस मंगवाते थे मै अपोजी ान के भाईयों की इत्तलाह के लिए बताना चाहूंगा ओर इन्होने गवर्नर एड्रैस में भी पढ़ा होगा कि इस साल हरियाणा में 71 लाख टन अनाज की पैदावार का टारगेट है अर य टारगैट पेरा होगा। वह भी इस माहौल में पूरा होगा जब महेन्द्रगढ़, भिवानी और हिसार के इलाकों में बारि ा भी नही हुई हैं इसके इलावा दरिया में भी पानी कम है लेकिन फिरभी हमार प्रौडक ान का टारगेट घटा नही है। हम उस टारगेट को अचीव करेगे। इसके अलावा किसानों को बिजली भी पूरी नही मिली है हरियाणा के अन्दर बिजली की डिमांड 160 लाख यूनिट डेली है है और लगभग 91 लाख यूनिट उपलब्ध है। बिजली की इतनी कमी होते हुए भी मेरे विरोधी पक्ष के भाईयों को 6 घंटे रोजना बिजली मिलती है। हरियाण के अन्दर मुझे तो श्री भागी राम जी की बात का अचम्भा हुआ जब उन्होन कहा कि इस सरकार के पास न पानी है औन न बिजली है। मै उनको बतान चाहूंगा कि जब चौधरी देवी लाल जी की सरकार थी उस समय ये कहते थे कि रावी व्यास का पानी सिरसा डिस्ट्रिक्ट से हो कर पाकिस्तान को जाताहै मै चौधरी देवी लाल जी के बारेमें में आज से नही, जब मै बच्चा हाता था अैर स्कूल में पढ़ता था उस समय से जानता हूं । उस समय चौधरी देवी लाल जी पंजाब विधान सभा के मैम्बर हुआ करते थे। हम उनको गोद में बैठते थे। सभापति महोदय, चौधरी देवी लाल जी यूनाइटिड पंजाब में मैम्बर रहे और हरियाणा प्रांत में भी इस सदन के मैम्बर

रहे है। और अब भी है। आज तक रावी व्यास के पानी को हम नही रोक पाए है। क्यावे अपने मुख्य मंत्री काल मे ंउस पानी को डायव र्न ठीक नही करवा सकते थे। फिर श्री भागी राम जी एस0 वाई0 एल0 चैनल की बात करते हैं एक बात और मै सदन की जानकारी के लिए कहना चाहूंगा कि आज 35 लाख एकड़ फीट पानी आ जाए तो श्री भागी राम जी कहेगे कि मेरी कांस्टीच्यूएंसी में भी पानी जाना चाहिए ओर यह बताएंगे कि इनकी कांस्टीच्यूएंसी मे ंपानी कहां सं लग सकता हैं

श्री भागी रामः चेयरमैन साहिब, मै इनसे जाना चाहता हूं कि इनकों उस पानी को रोकने में क्या अडचन है। ये भी रोक सकते है। (ाोर)

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः हमारा पडौसी प्रांत पंजाब कैरियर चैनल बनाने में काफी दिक्कत पैदा करता है ंआप अपने साथी बादम से कहां कि हमारा पानी हमें लाने दें।

श्रीमती चन्द्रावतीः बादल साहब तो जेल में है।

चौधरी सुरेन्द्र सिहः सभापति महोदय, विरोधी दल के नेता की यह बात ठीक है कि बादल साहब कैद में है। वे यह महसूस तो करते है कि उनसे बात करनी चाहिए कि वे ऐसा न करें। सभापति महोदय, मै आपक द्वारा विरोधी पक्ष के भाईयों से यही कहूंगा कि वे अकालियों से बात करें और पानी को लाने दे, उसमें रूकावट पैदा न करे। यदिवे हमे पानी लाने से नही रोकेगे

तो वार फुटिग पर काम चलेगा औरसब कुछ ठीक होगा। इन भाब्दों के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं कि आपने मुझ बोलने के लिए समय दिया।

सरदार सुजान सिंहः आनरेबल चेयरमैन साहब, मेरे मानयोग दोस्त सुरेन्द्र सिंह जो आनरेबल मैम्बर है और एक्स–मिनिस्टर भी रहे है उन्होने मेंर ऊपर कुछ एलीगे ान लगाए है। कि जब स्वर्गीय प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी कपूरी में एस0 वाई0 एल0 का उद्घाटन करने के लिए आई थी तो मै उधर हाजिर था और मै अकालियों के साथ धर्मयुद्ध मोर्चा में भाामिल था (विध्न)

चौधरी सुरेन्द्र सिहः मैने यह नही कहा है (विध्न)। मैने तो यह कहा है कि आपने वहां पर गिरफ्तारी दी थी (विध्न)

सरदार सुजान सिंहः चेयरमैन साहब, मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि श्रीमती इन्दिरा गांधी एस0 वाई0 एल0 का उद्घटन करने के लिए वहां आई थी, तो मै आकलियों द्वारा चलाए गए धर्म युद्ध मोर्चे में भाामिल नही था। मै हाउस की जानकारी के लिए यह भी बताना चाहता हूं कि उस दिन मेरी हाजरी करनाल के एक कोर्ट में लगी है। (विध्न)

चौधरी सुरेन्द्र सिहः चेयरमैन साहब, मैने तो यह कहा था कि.....(विध्न)

Mr. Chairman: There is no controversy, I think, about it. Wheterh it is right or wrong, you should accept it.

वैक्तिक स्पश्टीकरण

सरदार सुजान सिंह द्वारा

सरदार सुजान सिंहः मेरे मानयोग दोस्त को गिरफ्तारी वाली बात भी बताना चाहता हूं। (विध्न) अभी मेरी बात पूरी नही हुई है। आप मेरी बात पूरी नही हुई है। आप मेरी बात पूरी सुनें। जिस दिन श्रीमती इन्दिरा गांधी कपूरी में आई थी उस समय मै एम0 एल0 ए0 नही था। उस दिन की मेरी हाजरी करनाल में एक कोर्ट के अन्दर लगी है मैने अपनी गिरफ्तारी 4 नवम्बर, 1982 को दी थी। इसकी पुश्टि विधान सभा सचिवालय के रिकार्ड से की जा सकती है। मैने अपनी गिरफ्तारी दी थी वह एज ए सिख होने के नाते ओर सिखों की धार्मिक मांगों के संबंध में दी थी। मैने एस0 वाई0 एल0 के विरोध में कोई गिरफ्तारी नही दी थी। एस0 वाई0 एल0 एक पोलिटिकल डिमांड हैं इस मांग के बारें में जो भी मेरी पार्टी का आदे ा होगा मै उसी के साथ हूं। मैने एस0 वाई0 एल0 का कभी विरोध नही किया और न ही करूंगा। (इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए)

श्री निर्मल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर।

श्री अध्यक्षः किस बात पर प्वायट आफ आर्डर।

श्री निर्मल सिंहः सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि जो इन्होने अभी यह बात कही है कि जो गिरफ्तारी दी थी वह धार्मिक मांगों के लिए दी थी। अकालियों की मांगे धार्मिक, इकोनोमिकल और पोलिटिकल आदि थी। मै पूछना चाहता हूं कि इन्होने अपनी धार्मिक मांग का अकालियों का दूसरी मांग के साथ कैसे तालमेल बैठाया था (विध्न)

Mr. Speaker: Actually it was his explanation कि मै एस0 वाई0 एल0 बनाने के खिलाफ नही हूं।

गैर–सरकारी प्रस्ताव (पुनरारम्भ)

चौधरी ओम प्रकाश (बेरी): अध्यक्ष महोदय, 15 सितम्बर, 1983 को एस0 वाई0 एल0 के बारें में जो प्रस्ताव श्री फतेह चन्द विज ने सदन में रखा है, उस पर डेढ़ साल से चर्चा चल रही है। इस पर ट्रेजरी बैचिज के मैम्बरान और अपोजी ान बैचिज के मैम्बरान के काफी विचार आए हैं ऐसा मालू पड़ता हैं कि सरकार इस गम्भीर मामले पर पूरी तरह से एक्टिव और पूरी तरस से सीरियस नही है। यदि सरकार इस मामले में गम्भीर होती तो जिस दिन यह प्रस्ताव आया था उसी दिन इस प्रस्ताव को उसी हालत मे ंपास करके केन्द्रीय सरकार के पास भेज देती। यदि सरकार प्रस्ताव पार करके भारत सरकार के पास भेज देती और इस का निर्माण कार्य अपने हाथ में ले लेती तो अब तक यह नहर बन चुकी होती। इस नहर के लिए जो निर्धारित समय रखा गया था

उसके अन्दर यह नहर आज तक नही बन पाई है। 31 दिसम्बर, 1981को पानी का समझौता हुआ था और उस समय के एग्रीमैंट के मुताबिक यह नहर पंजाब और हरियाणा के अन्दर दो साल के अन्दर–अन्दर पूरी हो जानी थी। हरियणा सरकार ने तो अपने एरिया में 100 करोड़ रूपए से अधिक की रा ि ज्ञ लगा कर यह नहर बनानी थी, वह कब की बना दी गई है। इसके विपरीत पंजाब मे ंआज तक इस नहर के बनाये जाने के लिए पूरी जमीन तक एक्वायर नही की गई। मेरा ख्याल है कि 45 करोड़ से ज्यादा रूपया हरियाणा सरकार पंजाब सरकार को इस काम के लिए दे चुकी है। इसका जवाब तो आई0 पी0 एम0 साहब ही देगे कि आया जमीन पूरी एक्वायर की जा चुकी है या नही। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि 1960 में इन्डस ट्रिटी के तहत पाकिस्तान को देकर यह पानी खरीदा गया था। इसके बाद एक फूड कमेटी 1966 में जब पंजाब और हरियाणा अलग–अलग हुए, उससे पहले बनी थी। उस फूड कमेटी ने हरियाणा प्रांत को 46 लाख एकड़ फुट पानी दिया था। बाद में पंजाब की तरफ से एजिटे ान होता रहा और अकाली एजिटे ान करते रहे। बाद में पांजब की तरफ से एजिटे ान होता रहा और अकाली एजिटे ा करते रहे। इन एजिटे ानों के जरिएा हमारा पानी आहिस्ता–आहिस्ता घटता चला गया। अब यह पनी 46 लाख एकड़ फुट से घटकर 35 लाख एकड़ फुट रह गया है और वह भी नही मिल रहा। इस बारें मे मै तो यही कहूंगा कि इस में हरियाणा सरकार की कमजोरी है और जितने मैम्बर हम यहां पर बैठे है,

उनकी कमजोरी है। स्पीकर साहब, पानी का मामला बड़ा गम्भीर है। भारत दे ा कृशि प्रधान दे ा है और हरियाणा प्रदे ा के 80 प्रति ात लोग कृशि पर आधारित है। कृशि के लिए जितना पानी चाहिए, वह हमे ंनही मिल रहा। हमारे यहां पर ग्राउंड वाटर अवेलेबल नही है और न ही सरफेस मे ंपानी है। पानी न मिलने की वजह से हमारे खेत सूखे रहे जाते है आज पंजाब मे ंपानी के कारण जमीन दलदल बनी हुई है पंजाब को यह तो मंजूर है कि बे ाक पानी आकर वहां की भूमि को वाटर लोगिग कर दे, लेकिन वह हरियाणा प्रदे ा को पानी देने के लिए तैयार नही है। स्पीकर साहब, इसमे ंहमारी ही कमजोरी है। आप देखते है कि ईरान और ईराक के बीच में कई सालों से लडाई चल रही है। इस लड़ाई का मुख्य मुद्दा भोयरिग आफ रिवर वाटर है। पानी के लिए ही दोनों आपस में कई सालों से लड़ रे है क्यों कि पानी किसी भी प्रदे ा के लिए या किसी भी दे ा के लिए एक मुख्य चीज हैं हामरी केन्द्रीय सरकार की हमे ाा यह नीति रही है, यहां पर इस दे ा के अन्दर इडिविजुअली कोई भी अपराध कर दे तो he is always punished लेकिन जब कोई प्रदे ा की सरकार अपराध करती है तो that is always rewarded जैसा हरियाणा के साथ हुआ है वह मै आपको बताना चाहता हूं। जब भी कभी पंजाब के लोगों ने एजीटे ान किया वह हमे ाा हरियाणा की कौस्ट पर किया और इसके बदले पंजाब सरकार को और पंजाब के लोगों को रिवार्ड मिला। आप चाहे टैरिटोरियल डिस्यूट को देख ले या वाटर डिस्यूट को देख ले। टेरिटोरियल डिस्यूट में भााह कमी ान

बना था। भााह कमी ान ने चण्डीगढ़ और रोपड़ तहसील का सारा हिस्सा हरियाणा प्रदे ा को दिया था। भााह कमी ान की रिपोर्ट के खिलाफ पंजाब के लोगों ने एजीटे ान किया। पंजाब के लोगों द्वारा एजिटे ान करने के बाद भााह कमी ान की रिपोर्ट खत्म कर दी गई। उसके बाद 1970 के अन्दर स्वर्गीय प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने अपना एवार्ड दिया। उस ए र्वा में चण्डीगढ़ पंजाब को ओर अबोहर फाजिलका तथा उसके साथ लगते हुए 18 गांव हरियाणा प्रदे ा को दिए। ये एवार्ड एम्पलीमैट नही हो पाया। क्यों नही इम्पलीमैंट हो पया, इस का कारण यह रहा है कि हरियाण प्रदे ा की ओर से कभी कोई आवाज इन एवार्डों को लागू करवाने के लिये नही उठाई गई। 15 सितम्बर, 1983 से यह प्रस्ताव इस हाउस में जेरे गौर है। इस बात को तो सभी चाहते है कि यह नहर बने लकिन अफसोस इस बात काह है कि यह प्रस्ताव आज तक पास नही हो सका। मै ता यह कहूंगा कि आज ही इस प्रस्ताव को पास किया जाये ओर भारत सरकार को लिखा जाए। भारत सरकार को समय निर्धारित करके दिया जाए कि 3 महीने के अन्दर अन्दर इस नहर के निम्रण का कार्य हरियाणा सरकार को दे दिया जाए वरना हम भी पंजाब के लोगों की तरफ लड़ाई का रास्ता अख्तियार कर लेगे। स्पीकर साहब, जब तक हम कोई अल्टीमेट नही दे देते तब तक यह नहर बनने वाली नही है। एक बात तो यह बार बार कहते रहते है कि केन्द्रीय सरकार के हाथों में हरयाणा प्रदे ा के लोगों के हक सुरक्षित है। (विध्न) मै तो यह यही समझता हूं कि इनकों ऐसा कहने के लिए कोई निर्दे ा आदि

मिला हुआ है क्योंकि ये एस0 वाई0 एल0 नहर को बनवाने के मामले में बिल्कुल भी गम्भीर नही है। यदि ये इस मामले में गम्भीर होते तो इस प्रस्ता को पास करके और एक टाईम बाऊंड प्रोग्राम बनाकर भारत सरकार को देते। इस प्रस्ताव में यह पास करते कि एस0 वाई0 एल0 नहर को जल्दी से जल्दी बनवा दिया जाए क्योंकि इससे हरियाणा की जनता के हित जुडे हुए है। अन्त में मै स्पीकर साहब, इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए उम्मीद करता हूं कि सारा सदन सर्वसम्मति से टाईम बाउंड अल्टीमेट केन्द्रीय सरकार को दे ताकि इस नहर के निर्माण के लिए पुरजोर कदम उठाये जा सके।

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, हमारी पार्टी की तरफ से अभी मैम्बर बोलना चाहते है इसलिए मै चाहती हूं कि सुरजेवाला जी के बोलने से पहले हमें बोल लेने दीजिए।

सिंचाई एंव बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब अभी यह प्रस्ताव अगले नोन–ओफि ायल डे को आना है (विध्न) या तो ये अपना प्रस्ताव वापिस ले लें , नही तो जो–जो मुद्दे आज मैम्बरों ने उठाए है, मै उनका जवाब दूंगा। अध्यक्ष महोदय, यहां पर बोलते हुए बहुत सी बातें कही गई है और बहुत से मुद्दे उठाये गए है। इन सब बातों का सारांश यह है कि इस बारें में सम मैम्बर्ज नि चत है कि इस नहर के बनाने का काम जल्दी से जल्दी पूरा होना चाहिस। नहर के जल्दी बनाये जाने के बारें में सभी मैम्बरों ने चिन्ता व्यक्त की

है बोलते हुए कुछ साथियों ने कहा है कि सरकार इस बारें में सीरियस नही है, जागरूक नही हैं अध्यक्ष महोदय, मै आपे माध्यय कहूंगा कि यह प्रस्ताव अपोजी ान के माननीय सदस्य श्री फतेह चन्द विज जी ने पे ा किया है इसलिए अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि जो प्रस्ताव अपोजी ान के माननीय सदस्या ने पे ज्ञ किया है यह ठीक तरह से ड्राफ्ट नही किया गया। यह प्रस्ताव दो पैराज पर आधारित है पहले पैरा में भारत सकरार से यह महांग की गइ है। कि हाउस दुख्र्वास्ता करता है कि इस काम को यानी नहर की कंस्ट्रक ान के काम में जो देरी हुई है, उस देरी के कारण नहर पर जो खर्चा बढ़ गया है, इस सारे खर्चे को पजाब सरकार बर्दा ात करे। अध्यक्ष महोदय, एस0 वाई0 एल0 के बारें में यह उचित प्रस्ताव नही है अज्ञैर न ही इसकी भाशा ठीक है। उचित प्रस्ताव हो, ठीक भाशा हो जो मौजूदा हालत को देखते हुए क्रियान्वित हो सके, तभी भारत सरकार हमारी मदद कर सकती है। इसमें हरियाणा सरकार को कोई आपति नही, क्योंकि सरकार इस मसले को हल करने में खुद उत्सुक है। जिस माननीय सदस्य ने यह प्रस्ताव दिया है वह खुद इस मामले में सीरियस नही हैं अगर वे सीरियस नही है तो इस रैजोल्यू ान को विदड्रा कर ले। इन्होने इसमें कुछ ऐसी बातें लिखी है जो किसी तरह से भी क्रियान्वित नही हो सकती। अगर काई दूसरा प्रस्ताव देना चाहेगे तो दे दे, अगर वह ठीक प्रस्ताव होगा तो सरकार उसको पास कर देगी। इस प्रस्ताव में अमैडमैट करने की जरूरत नही है, दूसरा प्रस्ताव दिया जा सकता है।

अध्यक्ष महोदय, अपोजी ान के भाईयों ने कुछ मुद्दे हाउस में उठाये है, इनके बारें में मै सरकार की तरह से बता देना चाहता हूं। हमारी भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने अवाड्र दिया था।

श्री फतेह चन्द विजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, यह प्रस्ताव डेढ साल पहले दिया था, उस वक्त ये इस प्रस्ताव के हक में बोले थे। उस वक्त आई0 पी0 एम0 साहब ने यह नही कहा था कि यह प्रस्ताव गलत है, अब डेढ़ साल के बाद इन्हे यह बात कैसे सूझ गई?

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः मैने तो पहले भी कहा था कि यह प्रस्ताव सरकार को मन्जूर नही है। इसकी भाशा है, लैग्वेज है, इसका जो मतलब है, वह सरकार को मन्जूर नही। अगर मन्जूर होता तो हम इस पर उसी वक्त वोटिग करव ालेते। हां, तो स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि 1976 में अवार्ड आया एस0 वाई0 एल0 के बारें में। अगर आप 1976 से लेकर आज तक के समय को देखेगे, (1977 से 1979 के एंड तक और 1980 के भाुरू तक के कायर्यकाल को छोड़कारयानी तीन साल क अर्से को छोड़कर) तो पायेगे। कि इस पूरे प्रांत में, इस पूरे रीजन में, ऊपर से लेकर नीचे तक, एक ही पार्टी का राज रहा है ओर आपस में कोई मतभेद नही था उन पाटियों में जिनका पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में राज था। उस वक्त कोई एजीटे ान नही था, न पंजाब में अकालियों की तरफ से था और न हरियाणा में था।

किसी को कोई आपति नही थी। उस समय की सरकार ने हरियाणा के हितों को कैसे सुरिक्षत रखा और क्या क्या कदम उठाए, यह आप सभी जातने है मै यह बात नुक्ताचीनी की नजर से नही कहता, मै सिर्फ हाउस का ध्यान दिलाना चाहंगा कि हरियाणा मे ंउस समय की जनता पार्टी की सरकार ने अढ़ाई साल का सुनहारी समय नश्ट किया है। इस समय के दौरान इस काम को प्राथमिकता नही दी गई, कोई प्रयत्न नही किये गये। जो समय उस समय की सरकार ने खो दिया है, दोबारा उस तरह का समय नही आ सकता। जब कांग्रेस पार्टी की सरकार हरियाणा में आई तो अकालियों ने एजीटे ान भुरू कर दी, यह कह कर कि हम नहर को नही बनने देगे। उस वक्त से लेकर आज तक यह एजीटे ान कभी एक फोरम में कभी दूसरी फोरम मे ंचलता रहा और नहर का विरोध करते हरे। जैसे कि मुख्य मंत्री जी ने दो दिन पहले कहा था.....(व्यवधान)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी भाम ेर सिंह जी ने जवाब देते वक्त यह मामला 1976 में भुरू किया और 1985 तक पहुंचे गये। इन्होने 1977 से 1979 तक के पीरियड को गोल्डन पीरियड तो बताया। गोल्डन पीरियड तो भाायद यह रहेगा ही इसमें कोई दो राय नही हैं आपने इस बात को माना है। मै सिर्फ इतनी सी गुजारि ा करना चाहता हूं कि पिछले 9–10 महीने से पंजाब मे राश्ट्रपति राज चल रहा है अैर एजीटे ान करने वलो सब लोग जेलों में डाल रखे है ंवह कांग्रेस की

गवर्नमैंट है और उनकी गवर्नमैंट है जेा श्री राजीव गांधी का नाम लिए बना मुख्य मंत्री जी पानी नही पीते। इन 9–10 महीनों में क्या आपति आ गई थी क्यो मसाल नही सुलक्षा सके? नहर क्यो नही बना सके।

चौधरी भाम ेरसिंह सुंरजेवालाः इस नहर को बनाने का जो सुनहारी अवसर था, वह उन्होन मिस कर दिया। अध्यक्ष महोदय, मै कह रहा था कि इसके बाद किसी ने किसी फोरम में पंजाब की तरफ से इसका विरोध होता रहा, बे ाक अकालियों के नेता जेजल में हो, लेनि पंजाब मं वातावरण खराब रहा, इसके अनुकूल नही रहा, अब भी अनुकू लनही है। इसके बावजूद भी हरियाणा सरकार ने जो कुछ किया है, उसके बारें में आनरेबल मैम्बर्ज अवगत नही है, उनकेां जानकारी नही है मुझे हाउस में सुन कर बड़ा अफसोस हुआ कि मैमबर इसबात पर बड़ा कंसर्न फील कर है। इभ्क है, अच्छी बात है, बुरी बात नही है, लेनि मै मुख्तलिफ पर्टियों के माननीय सदस्यों से दुर्ख्वास्त करूंगा कि वे बााये कि उन्होन कभी इ बात का प्रयास किया है कि कभी मौका पर जाकर देख आयें कि क्या काम हुआ है? क्या इन्होने साईट पर जाकर कभी देखा है कि नहर का कितना काम हुआ है, कहां तक बात पहुंची है?

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, इरीगे ान मिनिस्टर हाउस में गलतबयानी कर रहे है। जब भाखडा नहर टूटी थी तो हम देख आये थे। जहां तक एस0 वाई0 एल0 का ताल्लुक है,

चीफ सैक्रटरी साहब हाउस में मौजूद है लेकिन वे बोल नही सकते। मैने इजाजत मांगी थी कि मैन वहां जाना हैं इन्होने कहा था कि वहां जाना अच्छी बात नही है, इससे सरकार को कुछ न कुछ रूकावट आयेगी। (व्यवधान) यह तो इरीगे ान मिनिस्टर का फर्ज था कि जब वे गये थे तो हम सब को ले जाते और बात करते। स्पीकर साहब, इस सिलसिले में आज तक जो भी मीटिग्ज हुई है, उन मीटिग्ज में हमने मुख्य मंत्री जी को हर तरह का कोआप्रे ान दिया है। इसके बावजूद भी एस0 वाई0 एल0 का कोई काम नही हुआ है। 1980 में भूतपर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कस्सी मार कर उद्घाटन किया था, इसके बाद आपने कौनसा तीर मार लिया? आपने क्या काम कर लिया? अब तक पानी क्यों नही आया? मै यहां तक कहूंगी कि अगर इनका राज रहा तो सारे हरियाण मे एक बूंद पानी भी नही रहेगा। सारा पैसा जाया हो जायेगा। हमने लिख कर दिया है कि ये कोई भी काम होने नही देते क्योंकि इनका इन्ट्रैस्ट एक ही चीज में है कि पैसा कमाना है, चाहे कैसे भी हो।

श्री वीरेन्द्र सिहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। इसमे कोई दिक्कत नही थी, हम हो आते, लेकिन हम इतने कलाकार नही है। ये बड़े कलाकार है, भेश बदलना जानते है। 16 कला सम्पूर्ण है। ये कभी आदमी से औरत बन जाते है और कभी औरत से आदमी बन जाते है। ये कभी राजा विक्रमादित्य के भेश में हो जाते है। इस काल में हम कभी भी पूर्ण नही हो सकते। उस समय

हालात खराब थे, हम कैसे जा सकते थे। अगर यह कला हमें भी सिखा देते तो हम भी हो आते। (हंसी)

श्री हीरा नन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, अगर यह बात है कि अपोजी ान के लोगों के न जाने के कारण नहर नही बनी है तो हम सब वहां चलने के लिए तैयार हैं

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, मेरा मतलब या मुद्दा विरोधी पक्ष के माननीय नेताओं को ऐक्सपोज करने का नही था कि ये सार्वजनिक कामों में दिलचस्पी नही लेते। मै तो कंस्ट्रक्टिव तौर पर कहना चाहता था कि अगर वहा जकर देखते जैसे मै आने खेत में जा कर देखता हूं, अपोजी ान की नेता अपने खेत में जाकर देखती है कि पानी की बारी लगी या नही लगी, तो कम से कह यह कहा जा सकात था कि इनकी इस काम में कुछ दिलचस्पी है और जनता के लिए इनके दिल में कोई दर्द है।

दूसरी बात, अध्यक्ष महोदय, मै यह कहना चाहता हूं कि नोन–गवर्नमैंट एजेन्सीज की मारफत भी सरकार के फोरम से बाहर भी, अपोजी ान के नेता इस काम को करवाने में मदद दे सकते थे क्यों कि ये ऐसी पार्टीज के नेता है जिन के यूनिट्स और ब्रांचिज पंजाब मे ंभी है और दूसरे राज्यों में भी है। राजनैतिक तौर पर ऐजीटे ान आदि करने के लिए जहां ये मेल जोल करते है वहां एस0 वाई0 एल0 की खुदाई के लिए इन्होने क्या प्रयत्न

किए, यह हाउस को बताने का इनमे ंसे किसी ने कश्ट नही किया। अध्यक्ष महोदय, ऐसा ये तभी कर सकते थे, यदि इनके दिल में लागों के लिए कोई दर्द होता। विरोधी पक्ष मे होने के नाते गवर्नमैट को क्रिटिसाइज करने के विाए इनका कोई कंट्रिव्यू ान नही। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, मै संक्षेप में यह बताना चाहूंगा कि इस सरकार ने क्या किया है। ये थोड़ा सुनने का धैर्य रखे। यह नहर 112 किलोमीटर लम्बी बननी थी और भाुरू में 192 करोड़ रूपये का इसका एंस्टिमेंट थ हरियाणा सरकार के अधिकारियों और सैन्टर वाटर कमी ान के अधिकारियों ने दोबारा असैस करके इसको घटा कर 176 करोड़ रूपये का तख्मीन लगाया जिसमें से 145 करोड़ रूपया हरियाणा ने देना है। आज तक हम साढ़े पैतालीस करो रूपये इस नहर के बनाने के लिए पंजाब को दे चुके है। जिसका ब्यौरा इस प्रकार है:–

15–11–75	को	1 करोड़
31–3–79	को	1 करोड़
26–1–82	को	2 करोड़
4–3–82	को	4 करोड़
28–8–82	को	साढे 7 करोड़

20—10—82	को	5 करोड़
2—84	को	5 करोड़
5—84	को	5 करोड़
9—84	को	5 करोड़
11—84	को	5 करोड़
6—3—85	को	5 करोड़

इसके अलावा अढ़ाई करोड रूपये की म ाीनरी भी हम दे चुके है। इसे साथ—साथ मै यह भी बताना चाहूंगा कि अभी तक मौके के ऊपर जो काम हुआ है वह इस प्राकर है नहर खोदने के लिए 2351.14 एकड़ रकबा ऐक्वायर करना था। इसमें से 2091.41 एकड़ ऐक्वायर हो चुका है और इस पर काम भी भाुरू है। बाकी का जो रकबा है 32 से 38 किलोंमीटर के बीच की रीच का है उकसे लिए लैड ऐक्वीजि ान की नोटिफिके ान वगैरा इ ाू हो चुकी है। अर्थ वर्क की खुदई का काम 50 किलों मीटर की लैग्थ में जारी है अज़ैर 90 लाख क्यूसिंह मीटर मिट्टी 15—1—85 तक खोदी जा चुकी है। 11.5 किलोमीटर की लैग्थ में नहर की लाइनिग करने का काम जारी है। जहां तक मेजर क्रोस ड्रैनेज वर्क्स का सम्बन्ध है, सिरसा और बुड़की ऐक्वार्डक्ट ऐप्रूव हो चुके है। डिप्टी स्पीकर साहब, सिरसा हरियाणा वाला सिरसा नही है

बल्कि वहां एक रीवर है जो नहर को क्रोस करेगा। सिरसा ऐक्वाडैक्ट पर काम चालू हो चुका है। 9 मेजर वर्कस के टैंडर फाईनेलाइज हो चुके है। मीडियम क्रोस ड्रैनेज वर्कस आलोवाल, फिरोज ााह, पारीवर, बिछोरा और माजरी की फांउडे ान खोदी जा चुकी है तथा उन्हों बनाने काम जारी है। जैसे मैने पहले बताया कि 50 किलोमीअर के एरिया में तो लिब कंटिग वगैरा का काम जारी है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार से जो क्रोस ड्रेनेज वर्कस थे, जा मेजर वर्क्स थे, कंक्रीट के या दूसरे, मोस्टली उन सब पर खुदाई का काम जारी है। जैसे मैने पहले बताया कि 50 किलोंमीटर का एरिया में तो लिब कंटिग वगैरा का काम ऐडवांस स्टेज पर है। जहां खुदाई का का पूरा हो चुका है वहां लाईनिंग का काम भी भाुरू है। ये बातें हमने बहुत ज्यादा पब्लिसाइज नही की क्योंकि हम समझते थे कि जैसे–जैसे पब्लिक में ये बातें जाएंगी तो हो सकता है इसकी प्रतिक्रिया दूसरे प्रांत के कुछ सैक ान्ज में हो लकिन हाउस से चूंकि ये सारी बातें हम पीछे नही रखना चाहते इसलिए पेमैंट की बात भी और दूसरी सारी बातें भी मैन यहां बताई है।

श्री फतेह चन्द विजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। अध्यक्ष महोदय, अपनी इत्तलाह तो यह है कि 6 किलोमीटर से भी कम नहर बनी है जबकि मिनिस्टर साहब फरमा रहे है कि 11 किलोमीअर नहर मुकम्मल हो गई है। ये कृपया हाउस को एतमाद में ले। इनका गिला भी दूर हो जाएगा कि कोई वहां गया नही

और हमारा भाक भी दूर हो जाएगा। ये हाउस की एक कमेटी, जिसमें चाहे ट्रैजरी बैचिज के ही लोगा हो यदि ये अपोजी ान को कांफिडैस में नही लेना चाहते, आने साथ वहां ले जाए इस से यह पता लग जाएगा कि वहा सचमुच 11 किलोमीटर नहर खुदी है या कम नहर खुदी है। (विध्न) अध्यक्ष महोदय, इनको हाउस को जरूर कांफिडैस में लेना चाहिए यही मेरी इल्तजाह है।

श्री अध्यक्षः मैने पिछले एतवार खुद देखा है मै एक भाादी में गया था मैने देखा कि नहर काफी लम्बी चौड़ी बनी हुई है। यह 6 किलोमीटर वाली बात गलत है।

चौधरी शमशेर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, अब ये लोग झेंप मिटाने के लिए कह रहे है कि हाउस को कांफिडैस में लेना चाहिए। ये जो बाते मै बता रहा हूं। यह हाउस को कांफिडैंस में लेने के लिए ही तो है। इसके अलावा मुझे पता नही कि हाउस को और कैसे कांफिडैंस में लेते है? (विध्न) अध्यक्ष महोदय, अगर वह जगह कोई इतने डिफिकल्ट टैरेन में होती कि ये मैम्बर साहेबान वहां चल कर जा नही सकते थे या कोई हजारों मील का डिस्टैस हाता जिसमें हवाई जहाज या हैलीकोप्टर से जाना पड़ता, तब तो बात अलग थी लेकिन वह जगह यहां से कोई 50 किलोमीटर है, कोई 20 किलोमीटर है और कोई 40 किलोमीटर है पता नही ये इतना क्यों डरते है? इस समय पंजाब में ऐसी कोई हालत नही है जिसमें इनकों बहुत प्रोटैक ान चाहिए। वहां बिल्कुल नौर्मल हालत है फिर भी किसी मैम्बर को या विज साहब को बहुत

डर लगता हो तो मै इनके साथ जाने के लिए तैयार हूं। इन्हें इतना भयभीत होने की जरूरत नही है। (विध्न)

श्री हीरा नन्द आर्यः वहां जा कर क्या करेगे? काम तो वहा चल नही रहा है।

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, ऐसी कोई बात नही है मै सरकारी गाड़ी पर एक गांव है कुत्ताखेड़ी वहां जा कर आया हूं। वहां काम चल रहा है।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, मै इन को क्या कहूं? मुझे तेा इनकी बात पर भार्म आती है ये अपने बारें में तो कुछ सोचते नही। नहर टूटी और कितना ज्यादा नुक्सान हरियाणा प्रांत को हुआ है लेकिन ये एक बार वहा नही गए उस नहर के टूटने पर कोई 6दफा चौधरी भाम ोर सिंह जी वहां गए है और दो दफा मैं खुद गया हूं। (विध्न) हम उस टूटी हुई नहर को देखने और यह कोि ा ा करने गए है कि वह नहर जल्दी से बन कर तैयार हो जाए। लेकिन स्पीकर साहब, बड़े अफसोस की बात है कि ये बनती हुई नहर को देखने नही जा सकते। (ाोर)

चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवालाः अध्यक्ष महोदय, पंजाब सरकार ने अपने हिस्से का रूपया जो लगभग 7 करोड़ से ज्यादा बनता है, अभी तक नही दिया हैं हरियाणा सरकार भारत सरकार के स्तर पर और पंजाब सरकार के स्तर पर यह कोि ा ा कर रही है कि वह भी अपने हिस्से का रूपया डाले ताकि काम को

ऐक्सलेरेट किया जा सके। इसके अलावा इस नहर को 3 करोड़ रूपये की ऐडी ानल फाईनैन्ि ायल अस्सिटैंस लेने के लिये हम ने भारत सरकार से प्रार्थना की है और उन्हौने आ वासन दिया है कि वे इस पर हमदर्दी से गौर करेगे। हमारी इच्छा है कि आने वाले साल में इन नहर पर ज्यादा काम होना चाहिए। मौजूदा ि ाड्यूल के मुताबिक अगर काम इसी तरह चलता रहा और इनके सार्थियों ने तथा किसी और ने रूकावट न डाली तो जून, 1987 तक यह नहर बन कर तैयार हो जाएगी और इस में पानी बहने लग जाएगा। यह टारगैड डैट है, यह मै बताना चाहता हूं।

अध्यक्ष महोदय, इसके साथ साथ मै यह भी कहना चाहूंगा कि यह जो मैने बताया कि कितनी नहर बनी है, कितना अर्थ वर्क हुआ है, यह काफी दिन पहले की बात है। इसके बाद इसी महीने की चार तारीख को हमार कुछ आफिसर्ज मोके पर गए थे। उन्होन कमौके पर जाकर जो रिपोर्ट दी है उसमें लिखा है कि मेजर क्रोस ड्रेनेज वर्क्स लोहांड, सिरसा ओर बुडकी पर इस वक्त काम जारी है। सिरसा एक्वाडैक्ट सैकिड स्टेज की कंक्रीटिंग के लिए तैयार है। तकरीबन बैचिग प्लान्ट जो है वे मौके पर इनस्टाल हो चुके है। है और छः जो वैल्ज है जो इक्वेडैटर बनने है, 29X10 मीटर के, उन पर भी काम तैयार है, काम भाुरू हो चुका है इसी तरह से माजरी साइफन जो 12.8 किलोमीटर पर है, उस पर री इन्फोर्समैंट का काम परिवार जसोरा सुपर पैसिज जो है, जो 14.2 किलोमीअर पर है उस पर फाउन्डे ान कंक्रीटिग ले

करनी भुरू हो गई है और इसी प्राकर से साइफन आर0 डी0 5500 से आर0 डी0 7000 पर जो क्रोसिग है, लूटान और कुडल का वर्क 0 से 26 किलोमीटर 68 से 78 किलोमीटर, 89 से 91 किलोमीटर, 93 से 94 किलोमीअर ओर 96 किलोमीटर से टेल तक एडवान्स एग्जीक्यू ान की स्टेज पर है और अर्थ वर्क भी प्रौग्रेस पर हैं इसी प्रकार से लाइनिग का काम 13.5 किलोमीटर जो है उस पर 100 मीटर लैग्थ की लाइनिग हो चुकी थी और लाइनिंग का काम जारी हैं इस पोर ान पर फिल्टर वगैरह डाल दिया गया है, लिफ्ट कटिग का काम एडवांस स्टेज पर है, वह भी काम कर हरे हे। इसी प्रकार डाडी, बुबाल, भरतगढ़ आदि तीन गांव है,इन तीनों गांवों के पूरे मकानों का मुआवजा सरकार ने देना है क्योंकि उनके बीच में से नहर निकलनी है। उसे के लिए मुआवजा देने के लिए कहा है और एल0 ए0 ओ0 ने एवार्ड अनाउन्स करना है। हम उन पर दवाब डाल रहे है।

श्री अध्यक्षः अब हाउस कल प्रात 9—30 बजे तक के लिए एडजर्न किया जाता है।

13.30 बजे

(तत्प चात सदन भुक्रवार दिनांक 15 मार्च, 1985 को प्रातः 9.30 बजे तक के लिए स्थागित हुआ)

ANNEXURE-1

Transfer of land of Government Livestock Farm, Hissar

***805 Sh. Kanwal Singh:** Will the Minister for Animal Husbandary be pleased to state—

(a) Whether any land, belonging to Government Live stock Farm, Hissar has been transferred since 1-1-1982 or is now proposed to be transferred to any individual/Institution, Co-operative Society etc. on lease/sale/gift etc; and

(b) If so, the names of the transferees in whose favour the said land has been or is proposed to be transferred togheter with the nature and terms and conditions of each such deal/transfer?

Minister of state for Animal Husbandry (Ch. Lal Singh): (a & b) The statement is laid o the Table of the House.

STATEMENT

Details of land sold/transferred/leased out w.e.f. 1/82 onwards

Name of Insitution/ individual	Area of land A K M	Rate per Acre	sale/lease	Year	Purpose	Terms and conditions
1	2	3	4	5	6	7
1 Transfer of land to 373 a illegal tenants (Throught D.C. Hissar)	2085-7-18	For block A & E 9500/- for bloack B 8000/- For Block C-7000/- For Block	sale	12-1-82	to confer propretory rights on the land already under their occupation	1. Each occupant will be given six and a quarter acres of Govt. Livestock Farm's land or the land in his posseddion whichever is

		D-6000/-				less, and if any tenant is having Govt. land in excess therof the same will be taken back from him. 2. If any tenant has already paid some amounton account of Legan Pedawar the saem will be adjusted and the proce of the land will be recover form his afte decuting

						the amount already paid by him. 3. The price of the land will be recover in 10 equal (yearly) instalments with simple interest thereon as per Govt. instructions. 4. Any occupant who fails to deposit hsi two instalments in time will not be conferred propretoyr

						rights; and if andy further instalment (s) is delayed, penal interes will be not be confered propretory right; and if any further instalment (s) is delayed, penal interes will be charged. 5. The conveyance deeds will be issued only after all the instalments and

						dues have been fully paid by the allottess
						6. The registration fee and stameps duty will be borne by the occupant.
2 Improvement Trust, Hissar	1-5-19	Rs. 90/- per sq. yard	sale	21-6-82	for contruction of market	Land sold at the rate of rs. 90/- per sq yard.
3. Hafead, Hissar	8-3-0	Rs. 25/ per sq. yard	sale	26-10-82	For coldstorge, Goldown and residence for workers	Land sold at the provisional rate of Rs. 25/- per sq yard. Cased for final

						rate is under consideration of the Government.
4. Smt. Krishana Goyal Wd/Of Sh. Bajrang Dass Goyal, Hissar	0-3-14	Rs. 100/- per sq. yard	sale	20-5-83	Installation of petrol pump	Land sodl at the reate of rs. 100/- per sq. yard
5. Raja Ram Mohan Rai Institute of vocational studes, Hissar	3-0-0	free of cost.		18-1-84	For construction of Institute of vocational studies, Hissar	Land given free of cost on the following terms and conditions:- 1. The Institue will supply to the Govt. the

						purpose and targets of the proposed set up. 2. The terms and conditions of transfer land will be on the basis of the terms and conditions governing the transfer of land to Y.M.C.A Instiurte, Faridabad. 3. The residuary interests of the

						land iwll be with the Government. 4. The institurte will not be able to transfer the land and if at any state the Institure is closed the land will be handed over to Government. 5. There will be a represenative of the Government on the Governing

						body of the Institure. 6. The land would be transferreed with a built in clause that it will be constructed or put to use for the purpose already indicated within a period of 5 years from the date the sdame is handed over failing which it would be

						resumed. 7. The land would be transferred by encating a suitable clause to prevent alienation of the land for any other purpose.
6. Housing Road, Haryana	23-05-12	Rs. 25/- per sq. yard	sale	18-01-84	For residential complex Housing Board Colony at Hissar Phase-III	Land sold at the rate of Rs. 25 per sq. yard. The cost of Boundry wall already constructed shall be recovered from

						the Housing Board.
7. Central warehousing corporation, Hissar	1-1-18	Rs. 25/- per sq. yard	sale	18-01-84	for office etc.	Land sold at the rate of rs. 25/- per sq. yard
8. Haryana welfare society for Deaf and Dumb, Hissar	3-4-42	Rs. 150/- per acre per annum.	Lease	18-01-84	Setting up the welfare centre for the deaf and dumb.	The land given on 99 years lease broadly on the following terms and conditions:- (a) The leasses shall use the land for the purpose for which he has taken it on

						lease and if he fails to use the land, the land shall be resumed by the lesser (Governmnet) (b) The rate of Rs. 150/- per acre per annum shall be charged from the lessee as lease rent in advance and if the lessee as lease rent in advance and if the lessee fails

						to pay the lease rent withing stipulated period, he will have to pay interest @ 9% per annum. (C) The leasee shall pay the occupier rate, cesses and other charges imposed by compaccnet quthority under any law in respect of the said land or part thereof

						(d) The lessee shall not cut or remove any free standing on the said land
9. Expansion of Road and Residence of C.M.O.	0-3-13	Free of cost		18-1-84	Expansion of Road/residence of C.M.O	Land transferred free of cost.
10. Animal Husbandary, House Building co-op Society, Hissar	32-5-3	Rs. 25/- per sq. yard	sale	21-3-84	for construction of residential colony of Animal Husbandary employees.	Land given at the rate of Rs. 25/- per sq. yard
11. Technical Education	39-5-11	Free of cost		19-7-84	For setting up of institution of	Land transfered free of cost.

Deptt.					Engineering and Technology	
12. Haryana Seed Development Corporation	4-7-16	Rs. 100000/- per acre	sale	26-9-84	For setting of seed processing unit	Land given at the rate of Rs. 100000/- per acre.
13. Industrial Training Department	50-1-6	Free of cost		26-9-84	For setting up advance training Institute	Land transferred free of cost.
14. congress party	0-4-0	Rs. 25/- per sq. yardf	sale	22-10-84	For construction of building of Congress Bhawan	Land sold at the rate of rs. 25/- per sq. yard.
15 Gazztted Officer House	36-2-12	Rs. 25/- per sq. yard	sale	22-10-84	For construction of residential	Land sold at the rate of Rs. 25/- per sq.

Building Co-operative Society Hissar					colony of Gazetted Officers	yard.
16. Municipal committee, Hissar	1-2-0	Rs. 25/- pe sq. yard	sale	22-10-84	For its local needs	Land sold at the rate of Rs. 25/- per sq. yard
17. Haryana state Electricity Board	0-5-18	Rs. 25/- per sq. yard	sale	22-10-84	For installation of petrol Pump	Land sold at the rate of Rs. 125/- per sq. yard.
19. Central Institurte for Research on Buffaloes	1307-0-0	on 99 years lease at the rate of Re. 1/- per acre per annuym.	Lease	1-2-85	For setting up of central/institue for Research on Buffaloes and National	Terms of lease deed under negotation with Government of India.

					Research centre on Enquine at Hissar.	
20. Satnamdev Bhawan Hissar	0-3-2 ½	Rs. 20/- Per sq. yard	sale	20-2-85	For construction of building of Namdev Bhawan	Land sold at the rate of Sr. 20/- per sq. yard.
21. Rajput sabha Hissar	0-3-2 ½	Rs. 20/- Per sq. yard	sale	20-2-85	forn construction of building of Rajput sabha	Land sold at the rate of Rs. 20/- per sq. yard.

List of illegal tenants

Sr. No.	Name of the tenants	Father's Name	Village	District
1	2	3	4	5
1	Ram Sarup	Modu	Kirra	Hisar
2	Jai Lal	Chuni	Durjanpur	-do-
3	Lekh Ram	Than Ram	Durjanpur	-do-
4	Chandu	Bhikha	Neolikhurd	-do-
5	Raja Ram	Nagar	Bir Hissar	-do-
6	Smt. Vira	W/o Ram singh	Durjanpur	-do-
7	Udmi	Nathu	Neloikhurd	-do-
8	Smt. Mewa	Wd/o Amar Singh	-do-	-do-
9	Mansa	Tiku	Kajla	-do-
10	Sohan Lal	Kheta	Neloikhurd	-do-
11	Bhana	Nathu	Durjanpur	-do-
12	Nand Lal	Mam Chand	Kajla	-do-
13	Shanker	Har Dass	Chikanwas	-do-
14	Maru	Daya Ram	Kajal	-do-
15	Amar Singh	Hukama	Nandhari	-do-

16	Man Singh	Nanak	Durjanpur	-do-
17	Ranjit	Parbhu	-do-	-do-
18	Rati Ram	Kalu	Sirsana	-do-
19	Puran	Jalu	Durjanpur	-do-
20	Banwari	Ladhu	-do-	-do-
21	Chanda	Chuni	-do-	-do-
22	Bega	Daya Ram	Kajla	-do-
23	Kashmira	Mansa	Chikanwas	-do-
24	Musa	Ami Lal	Sisai	-do-
25	Khem Chand	Jalu	Durjanpur	-do-
26	Raje Ram	Mam Raj	-do-	Hissar
27	Sheo Ram	Kalu	Talwandi	-do-
28	Nand Ram	Uda	Durjanpur	-do-
29	Dha Kaur	W/o Dalip Singh	-do-	-do-
30	Mamn	Ganesha	Neloikurd	-do-
31	Rupa	Mangla	Dabra	-do-
32	Thaker	Sukh Ram	Chikanwas	-do-
33	Amar Singh	Lekh Ram	-do-	-do-

34	Ramji Lal	Kalu	Sirsana	-do-
35	Chuni	Ram Rattan	Kajla	-do-
36	Jeeram	Boga	Talwandi	-do-
37	Keshi	Poker	Chikanwas	-do-
38	Smt. Pato Devi	Wd/oMam Chand	Durjanpur	-do-
39	Tnsukh	Dewat	Kajla	-do-
40	Rulia	Bheru	Durjanpur	-do-
41	Raje Ram	Mangla	Kajla	-do-
42	Jai Karan	Mohan	Kajla	-do-
43	Nihala	Tara	Raipur	-do-
44	Vijay Singh	Shiv Dhan	Kajla	-do-
45	Deba	Bhani	Chikanwas	-do-
46	Hari Singh	Maman	Durjanpur	-do-
47	Birbal	Mangal	-do-	-do-
48	Chanderu	Jiya Lal	Nandhari	-do-
49	Hem Raj	Nand Ram	-do-	-do-
50	Jai Lal	Kundan	Nangthala	-do-
51	Madan Lal	Biru	-do-	-do-

52	Sheo Chand	Bhnwra	nandhari	-do-
53	Sheokaran	Prian	Dhaaman	-do-
54	Bhoma	Girdhari	Shamsukh	-do-
55	Ami Lal	Nank	Neolikhurd	Hissar
56	Kura	Singha	Kajla	-do-
57	Dhana	Kheta	Neolikhurd	-do-
58	Adu	Ganpe	-do-	-do-
59	Ram Chander	Ramdiyal	-do-	-do-
60	Balu	Barahi	Kanwas	-do-
61	Gokul	Sdasukh	Durjanpur	-do-
62	Dhan Singh	Matu	Talwandi	-do-
63	Sheokaran	Harji	-do-	-do-
64	Harsukh	Dirdhari	Nandhari	-do-
65	Ramrakh	Bujan	Durjanpur	-do-
66	Surja	Bher	Nandhari	-do-
67	Boga Ram	Chhtu Ram	-do-	-do-
68	Malu	Tara Chand	-do-	-do-
69	Manphool	Maman	-do-	-do-
70	Boga Ram	Chhtu Ram	-do-	-do-

71	Dhana	Mam Cahnd	Dabra	-do-
72	Raju	Harji	Nandhari	-do-
73	Vishru	Godhu	-do-	-do-
74	Sohan Lal	Gensha	-do-	-do-
75	Piru	Matu	Chikanwas	-do-
76	Smt. Bhaga	Wd/o Bhanwar Ram	-do-	-do-
77	Surja	Sarup Shera	Nandhari	-do-
78	Smt. Bhonwra	Wd/o Nathu	-do-	-do-
79	Sohan Lal	Shera	-do-	-do-
80	Hari Singh	Maya	Chikanwas	-do-
81	Raje Ram	Ganpat	Durjanpur	-do-
82	Smt. Tej Kaur	Wd/o Sant Singh	Bir Hissar	-do-
83	Chet Ram	Sheo lal	Durjanpur	Hissar
84	Harchand	Kundan	Nangthala	-do-
85	Chandji	Net Ram	Jagan	-do-
86	Mohar Singh	Pat Ram	Gadhi	-do-
87	Mani Ram	Udmi	Agarwaha	-do-

88	Bega	Rupa	Shamsukh	-do-
89	Debia	Mirchi	Agarwha	-do-
90	Ram Chander	Haku	Bir Hissar	-do-
91	Ram Sarup	Natu	Chikanwas	-do-
92	Ramji Lal	Mukh Ram	Durjanpur	-do-
93	Jasu	Begha	Talwandi	-do-
94	Pet Ram	Hunta	Shamsukh	-do-
95	Tara Chand	Maiya	Talwandi	-do-
96	Baksa	Mamraj	Shamsukh	-do-
97	Dalip Singh	Adu	-do-	-do-
98	Amar Singh	Harsukh	Gadhi	-do-
99	Dewan Singh	Dhanpat	-do-	-do-
100	Shri Ram	Boga	Nandhari	-do-
101	Raso Chander	Adu	Neolikhurd	-do-
102	Bhegirh	Har Lal	Kajla	-do-
103	Amar Singh	Maman	Sidhan	-do-
104	Nand Ram	Shanker	Neloi Klan	-do-
105	Ram Sarup	Subh Chand	-do-	-do-
106	Dev Karan	Ganesha	-do-	-do-

107	Sheo Ram	Maman	-do-	-do-
108	Nihala	Mula	-do-	-do-
109	Shei Chand	Raju	Shamsukh	-do-
110	Banwari	Suha Lal	Kajla	-do-
111	Maman	Raju	Shamsukh	-do-
112	Jagmer	Mamraj	Kajla	Hissar
113	Surja	Birdha	Nandhari	-do-
114	Teja	Biru	Neolikhurd	-do-
115	Chandu	Jita	Kajla	-do-
116	Chhotu	Neki	-do-	-do-
117	Neki	Jita	-do-	-do-
118	Toka	Neki	-do-	-do-
119	Gopi	Bakshi	-do-	-do-
120	Mani Ram	Harbhaj	Nandhari	-do-
121	Nathu	Harsukh	-do-	-do-
122	Sohan Lal	Bakshi	Kajran	-do-
123	Gurdial	Harsukh	Gadhi	Hisar
124	Ram Singh	-do-	-do-	-do-
125	Supari	Jagat Singh	Thaska	-do-

126	Lok Ram	Mama Chand	Durjanpur	-do-
127	Munshi	Mama Chand	Shamsukh	-do-
128	Harbhajan	Ram Lal	Chikanwas	-do-
129	Khayli Ram	Basti	Agroha	-do-
130	Narain Singh	Genda Singh	Piranawali	-do-
131	Inder Singh	Genda Singh	-do-	-do-
132	Arjan Singh	Jethu	Durjanpur	-do-
133	Sheo Chand	Khayali	Nandhari	-do-
134	Shankaer	Jiwan	Agroha	-do-
135	Smt. Gina Wd/o	Hari Ram	Nandhari	-do-
136	Basti	Ganesha	Nandhari	-do-
137	Smt. Kunda Wd/o	Shei Lal	Chaikanwas	-do-
138	Ramji Lal	Khubi	Talwandi	-do-
139	Amar Singh	Raja Ram	Thaska	-do-
140	Jhinta	Mama Raj	Nandhari	-do-
141	Shanker	Malu	Chikanwas	-do-
142	Smt. Giyano Wd/o	Sheo Lal	-do-	-do-

143	Smt. Mohri Wd/o	Bheru	Talwandi	-do-
144	Diwan Singh	Nihhan Singh	Piranwali	-do-
145	Gobind	Banwar	Chikanwas	-do-
146	Basti	Mukh Ram	-do-	-do-
147	Naginder Singh	Sarup Sing	Bit Hissar	-do-
148	Nihdhan Singh	Sarup Singh	Bir Hissar	-do-
149	Harnam Singh	Sham Singh	Bir Hissar	-do-
150	Parkash	Hardhan	Talwandi	-do-
151	Shri Chand	Mam Chand	Dabra	-do-
152	Harsukh	Jeesukh	Nandbari	-do-
153	Surja	Dalu	Durjanpur	-do-
154	Smt. Dhapa Wd/o	Sh. Mangu	Nandhari	-do-
155	Puran Singh	Surnder Singh	Bir Hissar	-do-
156	Bhagwana	Bhora	Chikanwas	-do-
157	Hare Ram	Nand Ram	Talegi Gate	-do-
158	Modu	Sukh Ram	Nandhari	-do-
159	Duni	Rati Ram	-do-	-do-

160	Jee Ram	Rati Ram	-do-	-do-
161	Ram Sarup	Basti	Chikanwas	-do-
162	Bega	Rati Ram	-do-	-do-
163	Kansi Ram	Harjee	Nandhari	-do-
164	Lilu Ram	Jaswant	Chikanwas	-do-
165	Partap	Udmi	Nandhari	-do-
166	Mam Chand	Bujan	Talwandi	-do-
167	Duni	Basti	Nandhari	-do-
168	Nanak	Gula	-do-	-do-
169	hardass	Durga	-do-	-do-
170	Jug Lal	Sanwal	Agroha	Hissar
171	Data RAm	Bhola Ram	-do-	-do-
172	Dharam	Siphia	-do-	-do-
173	Prem Singh	Ramji Lal	-do-	-do-
174	Thandu	Moti	-do-	-do-
175	Gopal	Narhu	Agroha	-do-
176	Hem Raj	Amar Singh	Chikanwas	-do-
177	Bhagwan Dass	Rur Singh	Shamsukh	-do-
178	Sant Lal	Baldev	Parav	-do-

179	Phulpalt Wd/o	Jaskaran	Chikanwas	-do-
180	Banwari	Rugha	-do-	-do-
181	Megh Singh	Nidhan Singh	Piranwali	-do-
182	Sunder	Rud Singh	Piranwali	-do-
183	Locchand	Dunger	Noeli Khurd	-do-
184	Bhgrawati	Ram Krishan	Kajla	-do-
185	Pahalwan Singh	Fathe Singh	Piranwali	-do-
186	Ram Chander	Pat Ram	Gadhi	-do-
187	Ram Singh	Mai Dhan	Thaska	-do-
188	Ram Sarup	Mehar Chand	Kirmara	-do-
189	Bagha	Tiku	Kajla	-do-
190	Smt. Khajani Wd/o	Biru	-do-	-do-
191	Lakshmi	Dardeva	Chikanwas	-do-
192	Smt. Sakuri Wd/o	Kasi	-do-	-do-
193	Mani Ram	Hem Raj	Nalikhurd	-do-
194	Mam Chand	Prema	-do-	-do-
195	Teja	Balmukand	-do-	-do-

196	Kasi	Salu	Nandhari	-do-
197	Kalu	Sarupa	Neloikhurd	-do-
198	Manmohan	Chandu	-do-	-do-
199	Sohan	Kumbi	Shamsukh	Hissar
200	Chandu	Lok Ram	Durjanpur	-do-
201	Chanda	Balmukand	Neloi	-do-
202	Neki	Kanya	Thaska	-do-
203	Ram Kumar	Chandu	Neoli Khurd	-do-
204	Maman	Basti	-do-	-do-
205	Bir Singh	Mai Dhan	Thaska	-do-
206	Chhotu	Jai Krishan	Talwandi	-do-
207	Nand Ram	Mohan	-do-	-do-
208	Ranjit	Khubi	-do-	-do-
209	Lekh Ram	Prema	Durjanpur	-do-
210	Jaswant Singh	Sirdar	Piranwali	-do-
211	Ram Partap	Kheta	Talwandi	-do-
212	Hari Singh	Mam Raj	Talwandi	-do-
213	Puran	Sheo Lal	Durjanpur	-do-
214	Sukh Ram	Jaswant	Shamsukh	-do-

215	Dhani Ram	Ramsukh	Chikanwas	-do-
216	Phoola	Inda	Agroha	-do-
217	Ram Singh	Mam Raj	Talwandi	-do-
218	Gulaba	Mam Raj	-do-	-do-
219	Ganesha	Umra	Nandhari	-do-
220	Karan Singh	Sunder Singh	Bir Hissar	-do-
221	Natu	Teja	Parav Gujaran	-do-
222	Amar Singh	Hajari	Neoli	-do-
223	Shir Ram	Dunger Dhani	Gujran	-do-
224	Ramji Lal	Jasu Ram	Talwandi	-do-
225	Baldev Singh	Ranjit	Bir Hissar	-do-
226	Rat Ram	Ganesa	Nandhari	-do-
227	Phusa	Maghni	Shamsukh	-do-
228	Budh RAm	Pura	Hissar	-do-
229	Balwant Singh	Sukha Singh	Piranwali	-do-
230	Chander Bhan	Kewal	Agroha	-do-
231	Mama Chand	Nand Ram	Thaska	-do-
232	Dhanpat	Sheo Ram	Talwandi	-do-

233	Gopal	Mukh Ram	Thaska	-do-
234	Net Ram	Bhola	Talwandi	-do-
235	Sheriyan Singh	Genda Singh	Bir Hissar	-do-
236	Smt. Stonki Wd/o	Udmi	Talwandi	-do-
237	Mam Chand	Budha Ram	Bir Hissar	-do-
238	Mama	Gumana	Nelokikhurd	-do-
239	Rampiri Wd/o	Shander	Talwandi	-do-
240	Ganga Ram	Mam Taj	Neloikhurd	-do-
241	Het Ram	Ladha Singh	Dabra	Hissar
242	Ram Singh	Net Ram	Neolikhurd	-do-
243	Ram Chander	Basti	-do-	-do-
244	Shiv Ram	Ramrikh	-do-	-do-
245	Ami Lal	Sda RAm	Dabra	-do-
246	Bhola Ram	Lal Chand	Nalwandi	-do-
247	Bhagwan Dass	Devkaran	Neloikhurd	-do-
248	Smt. Gyno Wd/o	Satwan	Shamsukh	-do-
249	Gugan	Mohohar	Nelokkhurd	-do-

250	Sadhu RAm	Khunda	Talwandi	-do-
251	Amar Singh	Asa Ram	Nandhari	-do-
252	Bicha	Hirda	Parbhuwal	-do-
253	Randhir	Sakta Singh	Shamsumkh	-do-
254	Ram Chander	Kalu	Talwandi	-do-
255	Ohar Singh	Pat Ram	Dabra	-do-
256	Sabal Singh	Baghu	Neloikhurd	Hissar
257	Gadha Singh	Lekha Ram	Kajlan	-do-
258	Sabal Singh	Lalji	Shamsukh	-do-
259	Gadha Singh	Bahadur Singh	Kheri	-do-
260	Kalia	Bhoma	Chikanwas	-do-
261	Smt.	Mam Chand	Neolikhurd	-do-
262	harchand	Hira	Dabra	-do-
263	Kanya	Sheoji	Bir Hissar	-do-
264	Lodhi	Sanseru	-do-	-do-
265	Bhana	Kheta	Neloikhurd	-do-
266	Chet Ram	Mangtu	Shamsukh	-do-
267	Megh Singh	Shanker Singh	Piranwali	-do-
268	Ram Singh	Mehtab Singh	-do-	-do-

269	Ran Singh	Rup Singh	Dabra	-do-
270	Khura Ram	Nand Lal	Shamsukh	-do-
271	Dudia	Lekhu Ram	Talwandi	-do-
272	Sardar Singh	Riyad Singh	Piranwali	-do-
273	Khan Singh	Fata Singh	-do-	-do-
274	Sham Singh	Fata Singh	-do-	-do-
275	Maru	Kewal	Dabra	-do-
276	Teja Singh	Rup Singh	Piranwail	-do-
277	Amar Singh	Chanda	Dabra	-do-
278	Maman	Sheo Ram	Bir Hissar	-do-
279	Ramji Lal	Net Ram	Gangwa	-do-
280	Ramji Lal	Pura	sisai	-do-
281	Chuni	Mangla	Gangwa	-do-
282	Kashi	Chet Ram	Kurri	-do-
283	Parbhu	Nank	Bir Hissar	-do-
284	Surjit	Kehru	Tokas	-do-
285	Sish Pal	Maru	Gangwa	Hissar
286	Smt. Chawali Wd/o	Adu	-do-	-do-

287	Ganpat	Jag Ram	-do-	-do-
288	Jug Lal	Mam Raj	-do-	-do-
289	Perlad	lal Chand	Behal	-do-
290	Rajma	Musdi	Dhirangwa	-do-
291	Surja	Kesu	Gangwa	-do-
292	Balu	Kusla	-do-	-do-
293	Smt. Dhapa Wd/o	Jora	-do-	-do-
294	Poker	Balu	Kurri	-do-
295	Ram Kishan	Ganesh Dass	Gangwa	-do-
296	Boga	Udmi	-do-	-do-
297	Har Lal	Hansa	-do-	-do-
298	Kurra	Balu	-do-	-do-
299	Ramji Lal	Har lal	Kurri	-do-
300	Shanker	Kurra		-do-
301	Nanu	Basti	Gangwa	-do-
302	Achi Wd/o	Udmi	Mangali	-do-
303	Smt. Sarwan Wd/o	Fatea	Dhani Kutubpur	-do-

304	Laxman	Naranin	Hissar	-do-
305	Banwari	Bega	Kurri	-do-
306	Sehe Karan	Shra	Gangwa	-do-
307	Udmi	Gobind	Lilas	-do-
308	Vajinder	Ram Singh	Ludas	-do-
309	Datu	Mohru	Gangwas	-do-
310	Ganga Jal	Pet Ram	-do-	-do-
311	Smt. Bhani Wd/o	Mohru	-do-	-do-
312	Harphool	Udmi	Kurri	Hissar
313	Chuni	Judha	Gangwa	-do-
314	Nihal Singh	Ram Lal	Kurri	-do-
315	Gyarsa	Mangla	Dhani Jai Dev	-do-
316	Khayali	Budha	Gangwa	-do-
317	Khema	Arjun	-do-	-do-
318	Lachhu	Shanker	Shamsukh	-do-
319	Sheo Lal	Mula	Gnaga	-do-
320	Boga	Hanuman	-do-	-do-

321	Kuria	Sheoji	-do-	-do-
322	Maru	Sheo Lal	-do-	-do-
323	Udmi	Uma	-do-	-do-
324	Surji Wd/o	Hardeva	Hissar	-do-
325	Milkhi Ram	Harnam	Kurri	-do-
326	Chokha	Mam Raj	Gangwa	-do-
327	Chuni	Lalu	Gangwa	-do-
328	Dipa	Mandrup	-do-	-do-
329	Durga	Ganga Ram	Nangthala	-do-
330	Harchand	Mandrup	Gangwa	-do-
331	Jaimal	Zoraa	-do-	-do-
332	Ganpat	Hukmi	Kurri	-do-
333	Chandji	Shiv Dhan	Hissar	-do-
334	Hari Singh	Dola	Dabra	-do-
335	Smt. Jahro Wd/o	Nathu	Hissar	-do-
336	Ram Sarup	Lekh Ram	Hissar	-do-
337	Poker	Kanha	Dabra	-do-
338	Sher Singh	Jita	Bhani	-do-

			Kutabpur	
339	Sheo Ram	Jee Ram	Bejalpur	-do-
340	Tara Chand	Sukh Ram	Dabra	Hissar
341	Maman	Jiva	Bhojraj	-do-
342	Rai Singh	Khuba	Dabra	-do-
343	Revti Wd/o	Lalji	Hissar	-do-
344	Sohan Lal	Maru	-do-	-do-
345	Hari Ram	Tota Ram	Dabra	-do-
346	Munshi	Sheo Ram	Hisar	-do-
347	Manghu	Ronak	-do-	-do-
348	Smt. Kunti Wd/o	Sultan	Dhani	-do-
349	Banwari	Ganga Ram	Hissar	-do-
350	Ram Dhan	Dallu	Dabra	-do-
351	Ramji Lal	Shri Chand	Hissar	-do-
352	Balbir	-do-	Durga	-do-
353	Ghinsa	Nathu	Hissar	-do-
354	Kashi	Jeeram	Chikanwas	-do-
355	Maman	Bega	Hissar	-do-

356	Krishan Lal	Nabha Ram	-do-	-do-
357	Banwri	Udmi	Kurri	-do-
358	Budha	Nank	Gangwa	-do-
359	Gori Shanker	Chandu	-do-	-do-
360	Hari Ram	Sahwal	Kurri	-do-
361	Smt. Dakha Wd/o	Mungal	Ralwas	-do-
362	Smt. Kunti Wd/o	Narain	Gangwa	-do-
363	Piru	Dhana	Gorchhi	-do-
364	Arjan	Purkha	Dabra	-do-
365	Kiru	Bakha	Gangwa	-do-
366	Dalu	Jesha	Kurri	-do-
367	Smt. Miran Wd/o	Kumbha	Hissar	-do-
368	Smt. Mantheri	Har Chand	Gangwa	-do-
369	Gobind	Poker	-do-	-do-
370	Parbha	Chandgi	Hissar	-do-
371	Surja	Ram Lal	Kurri	-do-
372	Lalji	Sukha	-do-	-do-

373	Sohan Lal	Dalu	-do-	-do-

ANNEXURE II

***812 Prof. Sampt Singh:** Will the Minister for Irrigation and power be pleased to state—

(a) Whether the Bhakra Main Canal remined closed during the period from 1-6-84 to 30-9-1984, if so, the total number of days for which the said canal remained closed;

(b) The total amount of loss suffered due to the damage caused to cotton and paddy cropts as a result of closure of the said canal as referred to in part (a) above;

(c) Whether any compensatio for the loss referred to in part (b) above has been paid to the affected farmers; if so, the total amount paod so far; and

(d) Whether any finacial assitance/compensation has been received from the Government of India, if not, the steps, if any, taken or porposed to be taken for the purpose?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी भाम ेर सिंह):

(क) जी हां। भाखड़ा मुख्य नहर 6.6.1984 से 9.7.1984 तथा 21.7.1984 से 29.8.1984 तक टूट जाने के करण बन्द रही। बन्द रहने का कुल समय 74 दिन था।

(ख) उपरोक्त नहर के बन्द रहने के कारण कपास तथा धान की फसलों को जो नुकसान हुआ। उसकी अनुमानित रा ि। क्रम I: 125 करोड़ रूपये तथा 22.50 करोड़ रूपये हैं

(ग) जी नही।

(घ) जी हां। भारत सरकार से 6.60 करोड़ रूपये की राि ा केन्द्रीय सहायता के रूप में प्राप्त हुई थी।